@Qpatrika
@qaumipatrika hindi
instagram.com/ qaumipatrika

कौमी पत्रिका
राष्ट्रीय दैनिक अखबार

दिल्ली-हरियाणा-पंजाब-चण्डीगढ़-उत्तर प्रदेश से प्रसारित
बुधवार, 25 मार्च 2026

VISIT:
www.qaumipatrika.in
Email: qpatrika@gmail.com

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472 सम्पादक - गुरचरन सिंह बब्बर वर्ष 19 अंक 139 qaumipatrikahindi 011-41509689, 23315814, 9312262300 गाजियाबाद संवत् 2077-78, पेज (12) मूल्य 3.00 रुपये (हवाई शुल्क 50 पैसे अतिरिक्त)

अगर युद्ध जारी रहा तो गंभीर दुष्प्रभाव तय : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

● आने वाला समय देश की सबसे बड़ी परीक्षा लेगा, टीम इंडिया की तरह काम करना होगा

एजेंसी

नई दिल्ली । पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को राज्यसभा में कहा कि मैं राज्य सरकारों से अनुरोध करना चाहता हूं कि संकट चाहे कितना बड़ा हो, देश की ग्रोथ को बनाए रखना हम सभी का दायित्व है। इसके लिए हमें हर जरूरी कदम, हर जरूरी रिफॉर्म तेजी से करते रहने होंगे। ये राज्य सरकारों के पास बहुत बड़ा अवसर है। ये टीम इंडिया की भी बहुत बड़ी परीक्षा है। पीएम मोदी ने कहा कि कोरोना काल में केंद्र और राज्यों ने टीम इंडिया बनकर कोविड मैनेजमेंट का एक बेहतरीन मॉडल सामने रखा था। अलग-अलग राजनीतिक दलों की सरकारें होने के बावजूद टेस्टिंग और वैक्सीनेशन से लेकर जरूरी चीजों की आपूर्ति टीम इंडिया के प्रयासों से

ही सुनिश्चित हो पाई थी। हमें उसी भावना के साथ आगे भी काम करना है। सभी राज्य सरकारों और केंद्र सरकार के प्रयास से देश इस गंभीर वैश्विक संकट का प्रभावी रूप से सामना कर पाएगा। ये संकट अलग प्रकार का है और इसके समाधान भी अलग प्रकार से ही तय किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि हमें धैर्य और संयम के साथ शांत मन से हर चुनौती का मुकाबला करना है। हम देख रहे हैं कि इस युद्ध को लेकर पल-पल हालात बदल रहे हैं, इसलिए मैं देशवासियों से भी कहूंगा कि हमें हर चुनौती के लिए तैयार रहना ही होगा। इस युद्ध का गंभीर दुष्प्रभाव लंबे समय तक रहने की प्रबल आशंका है।

मैं देशवासियों को भरोसा देता हूं कि सरकार सतर्क है, तत्पर है, पूरी गंभीरता से रणनीति बना रही है और हर निर्णय ले रही है। देश की जनता का हित हमारे लिए सर्वोपरि है। यही हमारी पहचान है, यही हमारी ताकत है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि आने वाले समय में ये संकट हमारे देश की बड़ी परीक्षा लेने वाला है। इस परीक्षा में सफलता के लिए राज्यों का सहयोग बहुत आवश्यक है।

पीएम मोदी ने कहा कि भारत 41 देशों से एनर्जी इम्पोर्ट करता है

पीएम ने कहा कि अब भारत 27 की जगह 41 देशों से ऊर्जा आयात कर रहा है और कच्चे तेल के भंडार पर भी ध्यान दिया गया है। उन्होंने बताया कि पिछले 10 वर्षों में रिफाइनिंग क्षमता बढ़ी है और देश में क्रूड ऑयल की लगातार सप्लाई सुनिश्चित है। पीएम ने कहा कि सरकार एलपीजी के साथ पीएनजी और घरेलू गैस उत्पादन बढ़ाने पर भी जोर दे रही है।

राहुल गांधी का भाजपा पर तंज

● कहा-विदेश नीति केंद्र सरकार की निजी पॉलिसी बन गई है

भाजपा के राज में हर कोई दुखी है : राहुल गांधी

एजेंसी

नई दिल्ली । विदेश नीति और महिला आरक्षण बिल को लेकर विपक्ष ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा है। विपक्ष के सांसदों ने कहा कि विदेश नीति को भाजपा के लोग अपनी निजी पॉलिसी बनाकर इस्तेमाल कर रहे हैं। भाजपा के राज में हर कोई दुखी है। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, 'हमारी विदेश नीति केंद्र सरकार की निजी पॉलिसी बन गई है। अब यह एक यूनिवर्सल मजाक जैसा हो गया है। अगर हमारे प्रधानमंत्री कॉम्प्रोमाइज्ड हैं तो फॉरेन पॉलिसी कॉम्प्रोमाइज्ड है। हमारी क्या पोजीशन है? लोगों को इसका नुकसान होगा? अभी केवल शुरुआत हुई है। अभी सभी चीजों में परेशानी होगी। अमेरिका और इजरायल जो कहेगा प्रधानमंत्री मोदी वहीं कहेंगे।' महिला आरक्षण बिल पर कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने कहा, 'मेरा मानना है कि अभी इस पर कुछ कहना जल्दबाजी होगी। पहले उन्हें यह तय करना चाहिए कि वे क्या लाना चाहते हैं। क्या आरक्षण सिस्टम

होगा? आरक्षण कैसे दिया जाएगा? उसके बाद ही यह तय होगा। ' कल संसद में प्रधानमंत्री मोदी के भाषण पर उन्होंने कहा, 'जब प्रधानमंत्री मोदी संसद में बोल रहे थे, तो ऐसा लगा कि कोई न्यूज एंकर बोल रहा है। न्यूज एंकर भी टीवी पर उनसे ज्यादा जानकारी दे रहे हैं। रिपोर्ट आ रही है कि पाकिस्तान बीच-बचाव करने की कोशिश कर रहा है। आतंक को बढ़ावा देने वाला देश बीच-बचाव कर रहा है और हम कुछ नहीं कर रहे हैं। ' महिला आरक्षण बिल पर सपा सांसद इकरा चौधरी ने कहा, 'यह बिल पिछली लोकसभा में ही पास हो चुका था। अब यह देखना जरूरी है कि इसे लागू करने के लिए क्या तैयारियां की जा रही हैं। यह सिर्फ कागजों पर मिली कामयाबी बनकर नहीं रह जाना चाहिए। इसे जमीनी स्तर पर लागू किया जाना जरूरी है। हमें खुशी है कि सरकार इस बिल पर विचार कर रही है, लेकिन इसे असल में कैसे लागू किया जाएगा, यह देखना अभी बाकी है। ' उन्होंने कहा कि यह बहुत जरूरी है, क्योंकि यह बहुत पहले पास हो गया था, लेकिन इसे लागू करने का कोई रोडमैप नहीं था।

पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष पर बुधवार को सर्वदलीय बैठक

● यह बैठक संसदीय सौंध (पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी) में होगी।

एजेंसी

नई दिल्ली। पश्चिम एशिया में जारी युद्ध को लेकर केंद्र सरकार ने बुधवार शाम 5 बजे सर्वदलीय बैठक बुलाई है। यह बैठक संसदीय सौंध (पार्लियामेंट हाउस एनेक्सी) में होगी। बैठक में सभी दलों के सदन के नेताओं को आमंत्रित किया जाता है। इस बैठक में पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के भारत पर पड़ने वाले असर पर बात होगी। साथ ही घरेलू गैस (एलपीजी) की आपूर्ति और अस्थिर बाजार स्थितियों पर भी सरकार विपक्ष के साथ चर्चा करेगी। हांलाकि सरकार की मुखर आलोचना करने वाले विपक्ष के नेता राहुल गांधी के बैठक में सम्मिलित होने की उम्मीत कम ही है। राहुल गांधी ने स्वयं मीडिया से बातचीत में कहा है कि वे पहले से तय कार्यक्रम के अनुसार केरल जा रहे हैं। उल्लेखनीय है कि विपक्षी नेताओं ने इस मुद्दे पर सरकार के रुख की आलोचना करते हुए जल्द से जल्द सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी। मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी, कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने पश्चिम एशिया संघर्ष से निपटने के सरकार के तरीके पर निशाना साधा।

चुनाव आयोग ने अंतर-राज्यीय सीमा बैठक आयोजित की

अंतर-राज्यीय सीमा सुरक्षा और चुनावी शुचिता पर विशेष बल दिया।

नई दिल्ली। भारत निर्वाचन आयोग (ईसीआई) ने आगामी विधानसभा चुनावों और उपचुनावों के मद्देनजर अपनी तैयारियों को अंतिम रूप देना शुरू कर दिया है। मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार की अध्यक्षता में नई दिल्ली स्थित मुख्यालय में मंगलवार को एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई, जिसमें अंतर-राज्यीय सीमा सुरक्षा और चुनावी शुचिता पर विशेष बल दिया गया। बैठक में ज्ञानेश कुमार के साथ-साथ निर्वाचन आयुक्त डॉ. एस.एस. संधू और डॉ. विवेक जोशी भी मौजूद रहे। निर्वाचन आयोग ने असम, केरल, पुडुचेरी, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल में होने वाले आगामी आम चुनावों के साथ-साथ 6 अन्य राज्यों में होने वाले उपचुनावों की स्थिति की समीक्षा की। बैठक में इन 5 चुनावी राज्यों और उनके 12 पड़ोसी राज्यों के मुख्य सचिवों, पुलिस महानिदेशकों (डीजीपी) और मुख्य निर्वाचन अधिकारियों (सीईओ) ने भाग लिया। आयोग ने चुनावी राज्यों में शांति बनाए रखने के लिए सीमावर्ती जिलों को सील करने और अंतर-राज्यीय चेक पोस्ट पर निगरानी बढ़ाने के सख्त निर्देश दिए हैं। इसके अलावा अवैध नकदी, शराब, नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी रोकने के लिए प्रवर्तन एजेंसियों को अलर्ट पर रखा गया है। चुनावी राज्यों और उनके पड़ोसी राज्यों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करने के लिए अधिकारियों को आपसी सूचना साझा करने को कहा गया है।

आईपीएल 2026: अमेरिकी बिजनेसमैन ने 1.63 बिलियन डॉलर में राजस्थान रॉयल्स को खरीदा

● मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर में बिक गई है।

नई दिल्ली । रिपोर्ट्स के अनुसार, इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की पहली चैंपियन टीम राजस्थान रॉयल्स को काल सोमानी के नेतृत्व वाले कंसोर्टियम को 1.63 अरब अमेरिकी डॉलर में बेच दिया गया है। मशहूर कमेंटेटर हर्षा भोगले ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'राजस्थान रॉयल्स 1.63 बिलियन डॉलर में बिक गई है। तुलना के लिए, लंदन स्पिरिट, जो सबसे महंगी टीम थी, उसकी वैल्यूएशन 'द हंड्रेड' में हिस्सेदारी बिक्री के समय 370 मिलियन डॉलर थी।' राजस्थान रॉयल्स में अमेरिकी बिजनेसमैन काल सोमानी की पहले से ही कुछ हिस्सेदारी थी। पिछले 15 से ज्यादा वर्षों में, उन्होंने एड-टेक, डेटा प्राइवेसी, एआई गवर्नेंस और स्पोर्ट्स टेक पर केंद्रित कई उद्यमों की शुरुआत की है। खेलों से उनके जुड़ाव में मोटर सिटी गोल्फ क्लब की सह-मालिकाना हक और टीमएमआरडब्ल्यू स्पोर्ट्स और जीजीएल गोल्फ लीग जैसे बिजनेस में शुरुआती दौर का निवेश भी शामिल है। एनडीटीवी प्रॉफिट' की रिपोर्ट के अनुसार, यह सौदा हो चुका है। उम्मीद है कि आईपीएल 2026 के बाद इसे अंतिम रूप दे दिया जाएगा। यह अधिग्रहण 2026 के टूर्नामेंट के बाद पूरा होगा। इस कंसोर्टियम को वॉलमार्ट परिवार के रॉब वाल्टन और हैम्प परिवार का भी समर्थन प्राप्त है, जिनके पास डेट्रॉइट लायंस का बहुमत मालिकाना हक है।

पुरानी सरकारों ने पंजाब की खेल संस्कृति को नुकसान पहुंचाया था, हम इसे फिर पटरी पर ला रहे हैं: मुख्यमंत्री मान

कौमी पत्रिका

चंडीगढ़, 24 मार्च। पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने आज 'शानदार चार साल, भगवंत मान दे नाल' कार्यक्रम के तहत खेल विभाग का रिपोर्ट कार्ड पेश किया। इस दौरान उन्होंने 'आप' सरकार की खेल क्रांति से खेल क्षेत्र की तस्वीर बदलने के बारे में विस्तार से जानकारी दी। सिंचाई विभाग, स्वास्थ्य विभाग और कानून-व्यवस्था पर रिपोर्ट कार्ड पेश करने के बाद मुख्यमंत्री ने खेलों में बड़े सुधारों की अगली योजना का उल्लेख किया। इस योजना के तहत खेल बजट 350 करोड़ रुपये से बढ़ाकर 1791 करोड़ रुपये किया गया, कोचों की संख्या 500 से बढ़ाकर 2458 की गई और ओलंपिक की तैयारी के लिए 15 लाख रुपये तथा एशियाई खेलों के खिलाड़ियों के लिए 8 लाख रुपये की वित्तीय सहायता शामिल है। इसका विवरण देते हुए मुख्यमंत्री ने 3100 खेल मैदानों के विकास, 3000 जिम, 17000 खेल किटों के वितरण और 'खेडां वतन पंजाब दीयां' के तेज़ी से विस्तार का उल्लेख किया। इस योजना में भाग लेने वाले खिलाड़ियों की संख्या डेढ़ लाख से बढ़कर पांच लाख तक पहुंच गई है। उन्होंने कहा कि इन प्रयासों के चलते पंजाब ने इतिहास में पहली बार हॉकी एशियन चैंपियंस ट्रॉफी और 40 वर्षों बाद राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप अंडर-13 की मेजबानी प्राप्त की है, जिससे राज्य देश में खेलों के केंद्र के रूप में उभरा है। प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, एशियाई खेल 3-4 अक्टूबर को समाप्त होंगे और शीर्ष छह हॉकी टीमें इसमें हिस्सा लेंगी। पहली बार पंजाब को यह अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट आयोजित करने का अवसर मिला है और यह खेल क्षेत्र में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे कहा, इसके अलावा राज्य के लिए चार-देशीय टूर्नामेंट के रूप में एक और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता को मंजूरी दी गई है, जो राज्य में हॉकी को बढ़ावा देगी। इस टूर्नामेंट के महत्व का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, हॉकी में पंजाबियों की सरदारी/ श्रेष्ठा होने के बावजूद राज्य ने अब तक किसी बड़े अंतरराष्ट्रीय हॉकी टूर्नामेंट की मेजबानी नहीं की थी। पहली बार पंजाब अक्टूबर में एशियन चैंपियंस ट्रॉफी की मेजबानी करेगा, जो एशिया का सबसे प्रतिष्ठित हॉकी टूर्नामेंट है। उन्होंने बताया कि हॉकी मैच मोहाली के बलबीर सिंह

सीनियर हॉकी स्टेडियम और जालंधर के सुरजीत हॉकी स्टेडियम में आयोजित किए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने बैडमिंटन चैंपियनशिप की वापसी की भी घोषणा की। उन्होंने कहा, 40 वर्षों बाद राज्य को जालंधर में राष्ट्रीय बैडमिंटन चैंपियनशिप (अंडर-13) की मेजबानी मिली है। यह टूर्नामेंट अंडर-13 वर्ग के लिए होगा और यह सुनिश्चित करेगा कि राज्य में समग्र विकास और खेलों को बढ़ावा मिले। उन्होंने आगे कहा, राज्य सरकार युवाओं की अपार ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाने के लिए खेलों को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। पंजाब की महान खेल विरासत का उल्लेख करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, पंजाब ने कई महान खिलाड़ी पैदा किए हैं और राज्य का खेलों से सदियों पुराना संबंध है। उन्होंने कहा, हमारे सिख गुरुओं ने खेलों के माध्यम से न केवल आध्यात्मिकता बल्कि शारीरिक फिटनेस को भी बढ़ावा दिया। श्री गुरु अंगद देव जी ने खडूर साहिब में शारीरिक फिटनेस के लिए मल्ल अखाड़ा स्थापित किया और उनकी देखरेख में कुश्ती व व्यायाम होते थे। श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी ने युवाओं को घुड़सवारी और तीरंदाजी में निपुण बनाया। गुरु गोबिंद सिंह जी उस समय की सभी प्रकार की खेलों और युद्ध-कला में पारंगत थे।

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

दूसरा धर्म अपनाने पर नहीं मिलेगा एससी दर्जा

'केवल हिंदू-बौद्ध-सिख ही अनुसूचित जाति का दावा कर सकते हैं'

एजेंसी

नई दिल्ली । सुप्रीम कोर्ट ने धर्म परिवर्तन से जुड़े एक मामले में महत्वपूर्ण फैसला सुनाया है। कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि कोई व्यक्ति अनुसूचित जाति (एससी) से संबंधित है और वह हिंदू, सिख या बौद्ध धर्म छोड़कर किसी अन्य धर्म को अपनाता है, तो उसे अनुसूचित जाति का दर्जा नहीं मिलेगा। यह फैसला जस्टिस पी. के. मिश्रा और जस्टिस एन. वी. अंजारिया की पीठ ने सुनाया। अदालत ने कहा कि अनुसूचित जाति का दर्जा भारतीय संविधान के तहत केवल हिंदू, सिख और बौद्ध धर्म को मानने वाले लोगों तक सीमित है। ऐसे में अगर कोई व्यक्ति ईसाई या किसी अन्य धर्म को अपनाता है और उसका सक्रिय रूप से पालन करता है, तो वह एससी श्रेणी के लाभों का हकदार नहीं रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने इस निर्णय में आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के पहले दिए गए फैसले को भी सही ठहराया। आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट ने कहा था कि जो लोग ईसाई धर्म अपना लेते हैं, वे अपनी

अनुसूचित जाति की पहचान बनाए नहीं रख सकते और उन्हें इससे जुड़े कानूनी संरक्षण भी नहीं मिलेंगे।

अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि धर्म परिवर्तन के बाद व्यक्ति की सामाजिक और धार्मिक पहचान बदल जाती है, जिसका सीधा असर उसकी कानूनी स्थिति पर पड़ता है।

सुप्रीम कोर्ट बोला-महिला अफसर सेना में स्थायी कमीशन की हकदार

● इससे इनकार करना भेदभाव था; जिनकी सर्विस खत्म हुई, उन्हें भी पेंशन मिलेगी

एजेंसी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में शॉर्ट सर्विस कमीशन (SSC) की महिला अफसरों को पूरी पेंशन देने का आदेश दिया। जिन मामलों में महिला अफसर परमानेंट कमीशन (PC) नहीं मिलने के कारण पहले ही सेवा छोड़ चुकी थीं, उन्हें एकमुश्त राहत देते हुए 20 साल की सेवा पूरी मानकर पेंशन और अन्य लाभ देने का फैसला सुनाया।

कोर्ट ने कहा- सशस्त्र बलों के भीतर मौजूद सिस्टमिक भेदभाद के कारण महिला अफसरों को परमानेंट कमीशन से वंचित किया गया। महिलाओं को परमानेंट कमीशन न देना उनकी योग्यता की कमी नहीं, बल्कि व्यवस्था में मौजूद भेदभाव का नतीजा था। पूरा मामला SSC के तहत नियुक्त महिला अफसरों की

याचिकाओं से जुड़ा था, जिन्होंने PC देने की मांग की थी। SSC के तहत नियुक्त अफसर का कार्यकाल 10 साल का होता है, जिसे 4 साल तक बढ़ाया जा सकता है। इसके बाद योग्यता के आधार पर परमानेंट कमीशन दिया जाता है।

परमानेंट कमीशन नहीं मिलने पर उन्हें सेवा छोड़नी होती है। इसके खिलाफ महिला अफसरों ने पहले आर्म्ड फोर्स ट्रिब्यूनल (AFT) का रुख किया था और PC से वंचित किए जाने को चुनौती दी थी। बाद में मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा, जहां चीफ जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस एन. कोटिस्वर सिंह की बेंच ने कई याचिकाओं को एक साथ सुना।

महिला अफसरों को सुप्रीम कोर्ट से 3 राहत...

- जिन SSC अफसरों को 2020-21 में नंबर 5 सेलेक्शन बोर्ड या AFT (ट्रिब्यूनल) के फैसले के आधार पर पहले ही स्थायी कमीशन (PC) मिल चुका है, उनका स्टेटस नहीं बदला जाएगा।
- जो महिला SSC अफसर (अपीलकर्ता) इस केस के दौरान सेवा से बाहर हो गईं, उन्हें मान लिया जाएगा कि उन्होंने 20 साल की जरूरी सेवा पूरी कर ली है। उन्हें पेंशन और उससे जुड़े सभी लाभ मिलेंगे, लेकिन पिछला वेतन (एरियर) नहीं मिलेगा।
- वर्तमान में जो महिला अफसर सेवा में हैं, उन्हें 60फीसदी कटऑफ पूरा करने पर परमानेंट कमीशन मिलेगा। बशर्ते उन्हें जरूरी मंजूरी मिली हो।

हैदराबाद में क्यूनेट रैकेट का भंडाफोड़

● 11 महिलाओं सहित 32 लोग गिरफ्तार ● करोड़ों की ठगी उजागर

पुलिस की जांच में सामने आया

एजेंसी

हैदराबाद। हैदराबाद पुलिस ने देशभर में फैले करोड़ों रुपये के क्यूनेट से जुड़े धोखाधड़ी और अवैध मनी सर्कुलेशन रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 11 महिलाओं समेत कुल 32 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस आयुक्त वी. सी. सज्जनार ने मंगलवार को संवाददाता सम्मेलन में बताया कि तेलंगाना, आंध्र प्रदेश और कर्नाटक में करीब 30 स्थानों पर एक साथ छापेमारी कर चार मामलों में ये

गिरफ्तारियां की गईं। गिरफ्तार आरोपितों में ग्रुप लीडर, मोटिवेटर, स्वतंत्र प्रतिनिधि और लोन एजेंट शामिल हैं।

गिरफ्तार किए गए आरोपित हैदराबाद, महबूबनगर, बेल्लमपल्ली, वारंगल, विशाखापत्तनम, एलुरु, नेल्लोर, नंद्याल, नरसीपटनम और ओडिशा के निवासी हैं। पुलिस आयुक्त के अनुसार, यह रैकेट विहान डायरेक्ट सेलिंग प्राइवेट लिमिटेड से जुड़ा है, जो हांगकांग स्थित क्यूआई ग्रुप की फ्रेंचाइजी के रूप में भारत में क्यूनेट ब्रांड के तहत संचालित हो रहा था। इस अभियान के लिए सेंट्रल क्राइम स्टेशन ने 30 विशेष टीमों का गठन किया था।

आरोपित आईटी और पूर्व आईटी कर्मचारी थे, जो लोगों को जोड़ने, प्रशिक्षण देने और निवेश के लिए प्रेरित करने का काम करते थे। यह नेटवर्क वर्ष 1998 से 'गोल्ड क्वेस्ट' और 'क्वेस्ट नेट' जैसे नामों से सक्रिय रहा है। पुलिस उपायुक्त के अनुसार, आरोपियों ने डायरेक्ट सेलिंग के नाम पर सोशल मीडिया के जरिए विज्ञापन देकर लोगों को आकर्षित किया। इसमें दावा किया जाता था कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, कर्नाटक और अफ्रीकी देशों में ई-कॉमर्स व्यवसाय में निवेश कर अतिरिक्त आय अर्जित की जा सकती है। इस जाल में आईटी कर्मचारी, व्यवसायी, गृहिणियां और बेरोजगार युवा अधिक संख्या में फंसाए गए। उन्होंने बताया कि रुचि दिखाने वाले लोगों को 19 से 22 प्रतिशत ब्याज दर पर फिनटेक के जरिए पर्सनल लोन लेने के लिए प्रेरित किया जाता था। उन्हें हैदराबाद के हाईटेक सिटी स्थित होटलों और कैफे में बुलाकर निवेश योजनाओं के बारे में बताया जाता था, लेकिन कंपनी की वास्तविक पहचान और एमएलएम (मल्टी-लेवल मार्केटिंग) संरचना को छिपाया जाता था।

विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान सीएम सुक्खू ने कहा, राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं

शिमला (एजेंसी)।हिमाचल प्रदेश विधानसभा में बजट चर्चा के दौरान मुख्यमंत्री सुखविंद्र सिंह सुक्खू ने स्पष्ट किया कि राज्य में कोई आर्थिक संकट नहीं है और सरकार 2032 तक सभी कर्मचारियों को ओल्ड पेंशन स्कीम (ओपीएस) का लाभ देगी। उन्होंने कहा कि सरकार उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग कर आत्मनिर्भरता की दिशा में काम कर रही है। नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर द्वारा प्रदेश की वित्तीय स्थिति को कमजोर बताने के दावे को सीएम सुक्खू ने खारिज किया। उन्होंने कहा कि कर्मचारियों के वेतन में कटौती नहीं की गई है, बल्कि इस केवल छह महीने के लिए स्थगित किया है। साथ ही उन्होंने जयराम ठाकुर पर गलत आंकड़े प्रस्तुत करने का आरोप लगाकर कहा कि यदि सही आंकड़े दिखाते, तब स्थिति को लेकर भ्रम नहीं फैलता। मुख्यमंत्री सुक्खू ने कहा कि यदि विपक्ष सरकार के फैसलों का विरोध नहीं कर रहा और कोर्ट नहीं जा रहा, तो इसका मतलब है कि वे भी वास्तविक स्थिति को समझते हैं। इसके अलावा, उन्होंने सोलन और कुल्लू जिलों के अस्पतालों में रोबोटिक सर्जरी शुरू करने की योजना की जानकारी दी, जिसके लिए लगभग 28 करोड़ रुपये की लागत से आधुनिक मशीनें खरीदी जाएगी। अंत में सुक्खू ने सवाल उठाया कि कौन सी सरकार बेहतर है—वह जो 17 हजार करोड़ की आरडीजी से चल रही है या वह जिसने 76 हजार करोड़ के कर्ज का दुरुपयोग किया।

वजन घटाने वाली दवा को लेकर सतर्क ड्रग्स कंट्रोलर... दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार पर सख्त

नई दिल्ली (एजेंसी)। वजन घटाने वाली दवा (जीएलपी-1) की सप्लाई चेन में नैतिक फार्मास्युटिकल तरीकों को सुनिश्चित करने भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने दवा की बिना अनुमति बिक्री और प्रचार के खिलाफ जांच तेज कर दी है। भारतीय बाजार में जीएलपी-1 आधारित वजन घटाने वाली दवाओं के कई जैनेरिक वेरिएंट के आने के साथ रिटेल फार्मेसियों, ऑनलाइन, थोक विक्रेताओं और वेलनेस क्लीनिकों के माध्यम से इसकी मांग को लेकर चिंता सामने आई हैं। जब इन दवाओं का उपयोग उचित चिकित्सकीय देखरेख के बिना किया जाता है, तब इनके गंभीर दुष्प्रभाव और संबंधित स्वास्थ्य जोखिम हो सकते हैं। स्थिति का संज्ञान लेकर भारत के ड्रग्स कंट्रोलर ने राज्य रेगुलेटरों के सहयोग से फार्मास्युटिकल सप्लाई चेन में संभावित गलत तरीकों को रोकने और बिना अनुमति बिक्री तथा उपयोग को रोकने के लिए कई लक्षित कार्रवाइयां शुरू की हैं। 10 मार्च 2026 को सभी निर्माताओं को विस्तृत एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें स्पष्ट रूप से सरोगेट विज्ञापनों (अप्रत्यक्ष विज्ञापनों) और किसी भी प्रकार के अप्रत्यक्ष प्रचार पर रोक लगाई गई थी, जो उपभोक्ताओं को गुमराह कर सकता है। हाल के हफ्तों में प्रवर्तन गतिविधियों को काफी बढ़ाया गया है। 49 संस्थाओं पर ऑडिट और निरीक्षण किए गए, जिसमें शामिल हैं ऑनलाइन फार्मेसी के गोदाम, दवा के थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, और वेलनेस तथा स्लिमिंग क्लीनिक प्रमुख है। ये निरीक्षण देश भर के कई क्षेत्रों में किए गए और इनका मुख्य उद्देश्य बिना अनुमति बिक्री, गलत प्रिस्क्रिप्शन (दवा लिखने) के तरीके, और गुमराह करने वाले मार्केटिंग से संबंधित उल्लंघनों की पहचान करना था। रेगुलेटर इस बात पर ज़ोर देता है कि मरीजों की सुरक्षा सर्वोपरि है। चिकित्सकीय देखरेख के बिना वजन घटाने वाली दवाओं का गलत उपयोग गंभीर स्वास्थ्य जटिलताओं का कारण बन सकता है। नागरिकों को सलाह दी गई है कि वे ऐसी दवाओं का उपयोग केवल योग्य चिकित्सकों के मार्गदर्शन में ही करें।

देश के कई राज्यों में गुजरते मार्च में होगी बारिश और बर्फबारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। देश के पहाड़ी राज्यों में बारिश-बर्फबारी और मैदानी राज्यों में भी हल्की से तेज बारिश का असर है। राजस्थान में एक हफ्ते से बारिश और तेज हवा का अनुमान है। जो मार्च के अंत तक जारी रह सकता है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 से 31 मार्च के बीच राज्य में दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम सक्रिय होने वाले हैं। मध्यप्रदेश में साइक्लोनिक सर्कुलेशन सिस्टम का असर है। इसके कारण राज्य के उज्जैन, सागर, ग्वालियर-चंबल संभाग में बादल छाए। इसके कारण दिन के तापमान में गिरावट आई। 26-27 मार्च से आंधी-बारिश की संभावना है। उत्तर प्रदेश में नोएडा, गाजियाबाद, मेरठ सहित 10 जिलों में बारिश हुई। यहां तापमान सामान्य से 10 डिग्री सेल्सियस या उससे भी नीचे रहा है। मौसम विभाग के मुताबिक 26 मार्च से एक और वेस्टर्न डिस्टर्बेंस सक्रिय होगा। इससे 3-4 दिन तक पूरे प्रदेश में फिर बारिश हो सकती है। 25 मार्च को अरुणाचल प्रदेश, असम, मेघालय, नगालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में बिजली गिरने की आशंका है। कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, बंगाल और सिक्किम में हल्की बारिश की संभावना। वहीं 26 मार्च को मध्य भारत, बिहार, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में हल्की बारिश की संभावना है। राजस्थान में पिछले सप्ताह शुरू हुआ आंधी-बारिश का दौर मार्च के अंत तक जारी रहेगा। मौसम विभाग ने राज्य में 26 से 31 मार्च के बीच दो अलग-अलग ?वेदर सिस्टम के सक्रिय होने की संभावना जाहिर की है। पिछले 24 घंटे में जयपुर, हनुमानगढ़, झुंझुनूं जिलों में बारिश हुई। दोपहर में कोटा, बारां, अजमेर में बारिश हुई।

लालू को फिर झटका, दिल्ली हाई कोर्ट ने याचिका में कोई दम नहीं... ये कहकर खारिज की

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में स्थित दिल्ली हाई कोर्ट ने आरजेडी प्रमुख और पूर्व सीएम लालू प्रसाद यादव को लैंड-फॉर-जॉब्स मामले में बड़ा झटका देकर उनकी याचिका खारिज कर दी। याचिका में उन्होंने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो द्वारा दर्ज एफआईआर को रद्द करने की मांग की थी। अदालत ने साफ कहा कि याचिका में कोई दम नहीं है। इस फैसले से लालू यादव को फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है और उनकी कानूनी मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। सुनवाई के दौरान लालू यादव के वकील ने दलील दी कि यह जांच फ्रगैर-कानूनी और दुर्भावनापूर्णफ्र है और उनके मुवक्किल के निष्पक्ष जांच के मौलिक अधिकार का उल्लंघन करती है। उन्होंने भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 17ए का हवाला देकर कहा कि बिना पूर्व मंजूरी के शुरू की गई जांच अवैध मानी जानी चाहिए। साथ ही यह भी तर्क दिया गया कि राजनीतिक प्रतिशोध के तहत कार्रवाई की जा रही है। हालांकि अदालत ने इन दलीलों को स्वीकार नहीं किया। यह मामला 2004 से 2009 के बीच का है, जब लालू प्रसाद यादव केंद्र सरकार में रेल मंत्री थे। आरोप है कि उस दौरान रेलवे में ग्रुप-डी की नौकरियां देने के बदले लोगों से जमीन ली गई।

कपिल सिब्बल को फटकराते हुए सुप्रीम कोट... केंवल 'ईडी,ईडी,ईडी' की रट मत लगाइये

सिब्बल से पूछा... क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को अहम सुनवाई करते हुए प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बीच चल रहे विवाद में महत्वपूर्ण सवाल उठाकर पूछा है कि क्या किसी सरकारी अधिकारी के मौलिक अधिकार नहीं होते हैं या केवल सरकारी अधिकारी होने के कारण वे अपने मौलिक अधिकार खो देते हैं? जस्टिस पी.के.मिश्रा और जस्टिस एन.वी.अंजारिया की पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने मामले में व्यक्तिगत रूप से याचिका दायर की है। इसके बाद यह तर्क देना कि प्रवर्तन निदेशालय अनुच्छेद 32 के तहत याचिका नहीं दायर कर सकती। यह याचिका ममता बनर्जी पर राजनीतिक कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के खिलाफ की गई तलाशी अभियानों में कथित हस्तक्षेप के आरोप में दायर की गई थी। सुप्रीम कोर्ट ने दो टूक कहा, ÷क्या ईडी के अधिकारी हो जाने की वजह से देश के नागरिक नहीं रह जाते? उनके मौलिक अधिकारों का क्या?÷ पीठ ने कहा कि ईडी के कुछ अधिकारियों ने अपनी व्यक्तिगत क्षमता में अदालत में याचिका दायर की है। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने चेताया कि केवल ईडी,ईडी,ईडी÷ कहकर मामले को नहीं देखा जा सकता, बल्कि उन अधिकारियों के अधिकारों पर ध्यान देना जरूरी है जो इस पूरे घटनाक्रम में कथित रूप से प्रभावित हुए हैं।

रिपोर्ट के मुताबिक, जस्टिस मिश्रा ने सुनवाई के दौरान टिप्पणी कर कहा, कृपया ईडी के उन अधिकारियों के मौलिक अधिकारों पर ध्यान केंद्रित करें, जिनके संबंध में अपराध किया गया है। अन्यथा, आप मुख्य मुद्दे से भटक जाएंगे। आप उस दूसरी याचिका को नहीं भूल सकते, जिस याचिका को उन व्यक्तिगत अधिकारियों ने दायर किया है, जो इस अपराध के पीड़ित हैं। मैं आपको बता रहा हूं, आप मुश्किल में पड़ जाएंगे। सिर्फ ईडी, ईडी, ईडी की रट न लगाएं।

वहीं पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से वरिष्ठ वकील कपिल सिब्बल ने दलील दी कि जांच करना कोई मौलिक अधिकार नहीं, बल्कि एक वैधानिक अधिकार है। उन्होंने कहा कि अगर जांच में बाधा आती है, तब उसका समाधान कानून के तहत है, न कि अनुच्छेद 32 के जरिए होना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने कहा कि हम किसी कानून की व्याख्या किसी विशेष परिस्थिति के संदर्भ में करके, आपराधिक कानून की मूल विशेषताओं के विपरीत जाकर मुसीबतों का नहीं खोल सकते।

सुप्रीम कोर्ट ने चुनावी समय का हवाला देकर सुनवाई टालने की मांग भी खारिज की। जस्टिस मिश्रा ने कहा, ÷हम न चुनाव का हिस्सा बनना चाहते हैं, न किसी अपराध का। सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने यह टिप्पणी इस बात का संकेत है कि कोर्ट इस मामले को गंभीरता से देख रहा है और टालने के पक्ष में नहीं है।

पूरा मामला क्या है?

यह विवाद जनवरी में तब शुरू हुआ, जब ईडी ने पॉलिटिकल कंसल्टेंसी फर्म आई-पैक के ठिकानों पर छापेमारी की। आरोप है कि तब सीएम ममता बनर्जी मौके पर पहुंचीं थी और उन्होंने कुछ दस्तावेज और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण वहां से हटा लिए थे। ईडी का दावा है कि इससे उनकी जांच प्रभावित हुई। यह जांच कथित कोयला तस्करी मामले से जुड़ी है, जिसमें कारोबारी अनूप माजी पर आरोप हैं।

अमेरिका और ईरान का तनाव कम करने के लिए भारत समेत 4 मुस्लिम देश हुए सक्रिय

नई दिल्ली (एजेंसी)। मध्य पूर्व में जारी भीषण संघर्ष को रोकने और इसे महायुद्ध में बदलने से बचाने के लिए दुनिया की बड़ी ताकतें पर्दे के पीछे से सक्रिय हो गई हैं। ताजा रणनीतिक घटनाक्रम और वरिष्ठ राजनयिकों से मिली जानकारी के अनुसार, अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कम करने के लिए ओमान और तुर्की के माध्यम से अत्यंत गोपनीय बैकचैनल वार्ताएं आयोजित की जा रही हैं। ऐतिहासिक रूप से मध्यस्थ की भूमिका निभाने वाले ओमान ने एक बार फिर दोनों कट्टर प्रतिद्वंद्वियों को संवाद की मेज पर लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। राजनयिक हलकों में हो रही इन चर्चाओं से यह भी स्पष्ट हुआ है कि इस शांति प्रक्रिया में केवल तुर्की और ओमान ही नहीं, बल्कि भारत, सऊदी अरब और मिस्र जैसे देश भी लगातार कूटनीतिक संदेशों के आदान-प्रदान का जरिया बने हुए हैं। भारत के संबंध ईरान और अमेरिका दोनों के साथ संतुलित और बेहतर हैं, जिसे देखते हुए नई दिल्ली ने क्षेत्रीय स्थिरता बनाए रखने के लिए संवाद के रास्ते खुले रखने में मदद की है। विशेषज्ञों का मानना है कि इन देशों की मध्यस्थता और कूटनीतिक दबाव ने युद्ध को अनियंत्रित होने से रोकने में एक सिक्योरिटी वाल्व की तरह काम किया है। हालांकि, यह अभी पूरी तरह स्पष्ट नहीं है कि इन गुप्त वार्ताओं का हालिया घोषित 5-दिवसीय युद्ध विराम के फैसले पर कितना सीधा प्रभाव पड़ा है, लेकिन इसके सकारात्मक संकेत जरूर मिले हैं। युद्ध के चौथे सप्ताह में प्रवेश करने के साथ ही यह पहली बार देखा जा रहा है कि इतने सारे प्रभावशाली राष्ट्र एक साथ मिलकर वाशिंगटन और तेहरान के बीच की खाई को पाटने की कोशिश कर रहे हैं। चर्चा है कि आने वाले समय में कूटनीतिक समाधान की कोशिशें और तेज हो सकती हैं। कूटनीतिक गलियारों में यह दावा भी किया जा रहा है कि पाकिस्तान, तुर्की और मिस्र की कोशिशों के बाद भविष्य में होने वाली उच्च स्तरीय बैठकों में अमेरिका की ओर से उपराष्ट्रपति जेडी वेंस शामिल हो सकते हैं। फिलहाल, सैन्य तनाव के बीच इन गुप्त वार्ताओं ने वैश्विक स्तर पर शांति की नई उम्मीद जगाई है।

कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा

-दो सहयोगियों को भी 30-30 साल की जेल

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की कड़कड़डूमा अदालत ने कश्मीर की अलगाववादी नेता आसिया अंद्राबी को उम्रकैद की सजा सुनाई है। वहीं उसकी दो सहयोगियों सोफी फहमीदा और नाहिदा नसरीन को 30-30 साल की जेल की सजा दी गई। तीनों को इससे पहले जनवरी में गैरकानूनी गतिविधियां (निवारण) अधिनियम (यूएपीए) के तहत दोषी ठहराया गया था। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश चंदर जीत सिंह की अदालत ने सजा पर दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद यह फैसला सुनाया। अदालत ने अपने पूर्व निर्णय में कहा था कि आसिया अंद्राबी और उसकी सहयोगियों ने कश्मीर को भारत से अलग करने की साजिश रची और देश विरोधी गतिविधियों में शामिल रहीं। 14 जनवरी को अदालत ने तीनों आरोपियों को यूएपीए की विभिन्न धाराओं–धारा 20 (आतंकवादी संगठन का सदस्य होना), धारा 38 (आतंकवादी संगठन से जुड़ाव) और धारा 39 (आतंकवादी संगठन का समर्थन) के तहत दोषी ठहराया था। इसके अलावा, भारतीय दंड संहिता की धारा 153ए, 153बी, 120बी, 505 और 121ए के तहत भी इन्हें अपराधी पाया गया। इस मामले में राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) की ओर से वरिष्ठ सरकारी वकील ने कड़ी सजा की मांग की थी। एजेंसी का कहना था कि आरोपी देश के खिलाफ गंभीर साजिशों और गतिविधियों में शामिल रही हैं, इसलिए उन्हें ऐसी सजा दी जानी चाहिए जो समाज में एक कड़ा संदेश दे और भविष्य में इस तरह के अपराधों पर रोक लगे। गौरतलब है कि तीनों आरोपियों को जुलाई 2018 में गिरफ्तार किया गया था। लंबे समय तक चली सुनवाई और साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने यह फैसला सुनाया, जिसे देश विरोधी गतिविधियों के खिलाफ एक सख्त कानूनी कार्रवाई के रूप में देखा जा रहा है।

राहुल गांधी एक अबोध बालक, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं

-गिरिराज ने विपक्ष के नेता पर कसा तंज, बोले- मोदी के नेतृत्व पर सबको भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने मंगलवार को विपक्ष के नेता राहुल गांधी को अबोध बालक बताया और उन पर कोविड-19 महामारी के दौरान भ्रम फैलाने का आरोप लगाया। गिरिराज ने कहा कि राहुल गांधी एक अबोध बालक हैं, वे एक नासमझ बच्चे की तरह हैं। मैंने जिक्र किया था कि कोविड काल में भी उनकी गतिविधियां देश में भ्रम फैलाने और लोगों को भड़काने से जुड़ी थीं। आज भारत के नेतृत्व और जनता को नरेंद्र मोदी के नेतृत्व पर पूरा भरोसा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक गिरिराज सिंह ने कहा कि हमने कोविड-19 के खिलाफ सफलतापूर्वक लड़ाई लड़ी। इस देश में अभी तक ईंधन की कीमतें नहीं बढ़ी हैं। मैंने देखा कि हिमाचल प्रदेश सरकार ने ईंधन की कीमतें बढ़ा दी हैं। अब राहुल गांधी की आवाज कहां है? वे दूसरी जगहों पर इस बारे में शोर मचाते रहते हैं, वे यह क्यों नहीं पूछते कि वहां कीमतें क्यों बढ़ाई गईं? भले ही देश के पीएम मोदी ने कीमतें नहीं बढ़ाई हैं, जबकि अमेरिका, जापान और जर्मनी जैसे देशों ने बढ़ा दी हैं, प्रबंधन का मतलब ही यही है। इसीलिए मैं कह सकता हूं कि भारत को किसी भी चीज से कोई समस्या नहीं है, क्योंकि भारत की जनता में अपार आत्मविश्वास है। हम किसी भी आपदा को अवसर में बदल सकते हैं और चुनौतियों का डटकर सामना कर सकते हैं। इस देश की एकमात्र समस्या विपक्ष का नेता (एलओपी) है।

गिरिराज यह टिप्पणी विपक्षी नेता राहुल गांधी द्वारा पश्चिम एशिया की स्थिति के संबंध में पीएम मोदी के लोकसभा भाषण की आलोचना के बाद आई है, जिसमें राहुल गांधी ने पीएम मोदी पर अमेरिका का नाम न लेने का आरोप लगाया और कहा कि वह ट्रम्प के 100फीसदी नियंत्रण में हैं। राहुल ने कहा कि मैंने सुना है कि पीएम मोदी ने 25 मिनट का भाषण दिया, लेकिन मैं गारंटी देता हूं कि वे संसद में किसी बहस में भाग नहीं ले सकते क्योंकि वे समझौता कर चुके हैं। मोदी ने 25 मिनट तक भाषण दिया लेकिन अमेरिका के खिलाफ एक शब्द भी नहीं कहा। पीएम मोदी पूरी तरह से ट्रंप के नियंत्रण में हैं।

राहुल गांधी ने दावा किया कि पीएम मोदी ने व्यापार समझौते के जरिए भारत के कृषि क्षेत्र को अमेरिका के लिए खोल दिया है और चेतावनी देते हुए कहा कि यहां हमारे पास छोटे खेत हैं, जबकि अमेरिका में हजारों एकड़ में फैले बड़े-बड़े खेत हैं। यहां लोग हाथों से काम करते हैं, और वहां बड़े-बड़े मशीनों से काम होता है। अगर अमेरिकी सामान भारत आने लगे, तो हमारे किसान बर्बाद हो जाएंगे। ये टिप्पणियां पीएम मोदी के लोकसभा में अमेरिका-इजराइल-ईरान संघर्ष पर दिए गए भाषण के बाद आईं।

मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है, उनका साम्राज्य जाने वाला है

केजरीवाल बोले- आज चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे, सबसे बड़ा उदाहरण मैं हूं

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली के पूर्व सीएम और आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने कहा है कि नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री के तौर पर 2026 पूरा नहीं कर पाएंगे। मेरा दिल और राजनीतिक समझ कहती है कि मोदी और अमित शाह जाने वाले है। केजरीवाल ने कहा कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है। उनका साम्राज्य जाने वाला है। केजरीवाल ने यह बात शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत की किताब लॉन्चिग के मौके पर दिल्ली में कही। इस दौरान दिग्विजय सिंह, कपिल सिब्बल और संजय सिंह समेत कई विपक्षी नेता मौजूद थे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबक केजरीवाल ने कहा कि एक समय ऐसा होता था जब एक भी नेगेटिव कमेंट आता था तो इनकी पूरी मशीनरी मिलकर उसको डिलीट या म्यूट कर देती थी, लेकिन अब तो मोदी एक पोस्ट करते हैं तो नीचे कमेंट बॉक्स में सिर्फ गालियां मिलती हैं। उन्होंने कहा कि पहले जब मोदीजी के खिलाफ कोई मीम बना देता था तो उसको जेल हो जाती थी, लेकिन अब इतने मीम बन रहे हैं कि किस-किस को जेल में डालेंगे। सोशल मीडिया का पूरा माहौल और इको-सिस्टम ही बदल चुका है। वही आपको बताता है कि मोदी की पॉपुलैरिटी आज पाताल लोक पहुंच चुकी है।

बीजेपी के चुनाव जीतने पर केजरीवाल ने कहा कि चुनाव बेईमानी से जीते जा रहे हैं। उसका सबसे बड़ा जीता जागता उदाहरण मैं हूं। मैं नई दिल्ली विधानसभा से चुनाव लड़ा। मेरे जेल जाने से पहले मेरी विधानसभा में जब मैं पिछली बार लड़ा था तो 1 लाख 48 हजार वोट थे। जब मैं जेल से लौटकर आया तो 1 लाख 6 हजार वोट बचे थे। 42 हजार वोट इन्होंने पीछे से कटवा दिए। उन्होंने कहा कि ये इसी तरह से जीत रहे हैं। वोट जोड़ते हैं, डिलीट करवाते हैं और फर्जी वोट डलवाते हैं। जब देश को इन दोनों से मुक्ति मिलेगी तो एक संतुष्टि यह होगी कि इस लड़ाई में हमने भी योगदान दिया और हम भी जेल गए थे।

इससे पहले केजरीवाल ने एक्स पर पोस्ट कर मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध से पैदा हालात को लेकर भी केंद्र सरकार पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि शेयर बाजार में गिरावट है, एलपीजी की कमी से कई कारोबार प्रभावित हुए हैं और लोग गर्मी में सिलेंडर के लिए कतारों में खड़े हैं। साथ ही प्रवासी मजदूरों के सामने रोजगार का संकट है और रुपया भी निचले स्तर पर पहुंच गया है। जब दुनिया को पहले से अंदेशा था, तो सरकार ने पहले से तैयारी क्यों नहीं की और हर संकट का बोझ आम लोगों पर ही क्यों डाला जाता है।

अलवर: घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र की एसी फैक्ट्री में भीषण आग, करोड़ों का हुआ नुकसान

अलवर (एजेंसी)। राजस्थान के अलवर जिले में स्थित नीमराणा के घीलोठ औद्योगिक क्षेत्र से एक हृदयविदारक घटना सामने आई है। यहाँ स्थित ट्रांस एचसीआर नामक एयर कंडीशनर (एसी) बनाने वाली कंपनी में मंगलवार तड़के करीब 3 बजे अचानक भीषण आग लग गई। आग इतनी भयावह थी कि देखते ही देखते उसने पूरी फैक्ट्री को अपनी आगोश में ले लिया। रात के सन्नाटे में उठती आग की गगनचुंबी लपटें और काले धुएं का गुबार कई किलोमीटर दूर से साफ देखा जा सकता था, जिससे आसपास के ग्रामीणों और अन्य औद्योगिक इकाइयों में भारी दहशत फैल गई।

घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय प्रशासन सक्रिय हो गया। नीमराणा, बहरोड़, घीलोठ और सोतानाला से दमकल की गाड़ियां तुरंत मौके पर भेजी गईं। दमकल कर्मियों को आग बुझाने में कड़ी मशक्कत का सामना करना पड़ा क्योंकि फैक्ट्री के भीतर एसी निर्माण में प्रयुक्त होने वाला ज्वलनशील सामान, प्लास्टिक पार्ट्स, पैकिंग सामग्री और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का भारी भंडार था। इस सामग्री ने ईंधन का काम किया, जिससे आग तेजी से फैलती चली गई। गनीमत यह रही कि हादसा देर रात हुआ जब फैक्ट्री में श्रमिक मौजूद नहीं थे, जिसके कारण एक बड़ा जानी नुकसान टल गया।

मौके पर मौजूद पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आग की लपटें इतनी तीव्र थीं कि फैक्ट्री की छत धधक उठी और परिसर के भीतर से रुक-रुक कर धमाकों की आवाजें सुनाई देती रहीं। आशंका जताई जा रही है कि फैक्ट्री के अंदर रखे गैस सिलेंडर, कंप्रेसर या केमिकल कंटेनर अत्यधिक गर्मी के कारण फट गए, जिसने आग को और अधिक विकराल बना दिया। हालांकि, आग लगने के सटीक कारणों का अभी तक खुलासा नहीं हो पाया है। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इस अग्निकांड में करोड़ों रुपये का कच्चा माल और कीमती मशीनरी जलकर राख हो गई है, जिससे कंपनी को भारी आर्थिक क्षति पहुंची है।

प्रशासन ने घटना की गंभीरता को देखते हुए मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दे दिए हैं। आग के वास्तविक कारणों का पता लगाने के लिए तकनीकी विशेषज्ञों की टीम बुलाई जा रही है, जो शॉर्ट सर्किट, मशीनरी में तकनीकी खराबी या सुरक्षा मानकों की अनदेखी जैसे बिंदुओं पर जांच करेगी। स्थानीय निवासियों और औद्योगिक संगठनों ने इस घटना पर चिंता व्यक्त करते हुए औद्योगिक क्षेत्रों में अग्नि सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक पुख्ता करने की मांग की है। फिलहाल, सुरक्षा के लिहाज से पूरे इलाके की घेराबंदी कर दी गई है और स्थिति पर पैनी नजर रखी जा रही है।

ईरान की रणनीति देख भारत ने भी पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल किया

-इस 'देसी ब्रह्मास्त्र' में है कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)। ईरान की अमेरिका-इजराइल के खिलाफ चल रहे महायुद्ध ने इस चिंता को बढ़ा दिया है। इस वैश्विक तनाव और पाकिस्तान-चीन सीमा पर बढ़ते खतरे के बीच भारतीय सेना ने अपनी रक्षा क्षमता को और मजबूत करने की तैयारी तेज कर दी है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय सेना ने एक और पिनाका रॉकेट लॉन्चर रेजिमेंट को ऑपरेशनल कर लिया है और इस साल के अंत तक एक और रेजिमेंट को शामिल करने की तैयारी में है। इससे सेना के पास अब 7 पिनाका रेजिमेंट हो गए हैं, जो पाकिस्तान और चीन सीमा पर तैनात हैं।

मीडिया रिपोर्ट में रक्षा सूत्रों ने हवाले से बताया गया है कि पिनाका के आठवें रेजिमेंट के लिए अब आधे से ज्यादा उपकरण प्राप्त किए चुके हैं और 2026 के अंत तक पूरी तरह ऑपरेशनल हो जाएगा। अगले साल दो और रेजिमेंट को शामिल करने की योजना है, जिससे कुल संख्या 10 हो जाएगी। भारतीय सेना का लक्ष्य 22 पिनाका रेजिमेंट बनाने का है, जिसमें नई लंबी दूरी वाली गाइडेड मिसाइलों से लैस संस्करण शामिल होंगे। ये पुरानी सिस्टम की जगह लेंगे और छोटे मिसाइल-ड्रोन के हमलों का मुंहतोड़ जवाब देंगे।

भारत की पाकिस्तान से सटी पश्चिमी सीमा और चीन से सटी उत्तरी सीमा पर हालात लंबे समय से संवेदनशील रहे हैं। खासतौर पर 2020 में गलवान घाटी में हुई झड़प के बाद सेना ने अपनी आर्टिलरी ताकत को तेजी से मजबूत करने का फैसला लिया। भारतीय सेना ने तब भारत अर्थ मूवर्स लिमिटेड, टाटा पॉवर और लार्सन एंड टुरबो के साथ करीब 2,580 करोड़ रुपए के छह पिनाका रेजिमेंट के लिए समझौता किया था। अब इनका तेजी से उत्पादन और तैनाती की जा रही है। ईरान-अमेरिका जंग में ड्रोन और मिसाइल स्वार्म अटैक की रणनीति देखते हुए सेना ने पिनाका को और अहम हथियार माना है। इस जंग में बड़े पैमाने पर रॉकेट, ड्रोन और प्रिसिजन स्ट्राइक सिस्टम का इस्तेमाल हो रहा है। यही वजह है कि भारत भी अपनी सेना को ऐसे हथियारों से लैस कर रहा है जो एक साथ कई लक्ष्यों को तेजी से निशाना बना सकें।

रिपोर्ट के मुताबिक पिनाका भारत का स्वदेशी मल्टी-बारेल रॉकेट लॉन्चर सिस्टम है, जिसे डीआरडीओ ने विकसित किया है। इस भारतीय सेना का 'देसी ब्रह्मास्त्र' कहा जाता है, क्योंकि यह कम समय में भारी तबाही मचाने की क्षमता रखता है। यह 122 मिमी रॉकेटों की तुलना में ज्यादा शक्तिशाली और सटीक है। पिनाका 12 रॉकेट एक साथ दाग सकता है और कुछ ही सेकंड में दुश्मन के बड़े इलाके को निशाना बना सकता है। इसकी रेंज 40 से 75 किलोमीटर तक है, जबकि इसके नए गाइडेड वर्जन 120 किमी तक सटीक हमला करने में सक्षम हैं।

आधुनिक युद्ध में छोटे ड्रोन और लो-कॉस्ट मिसाइलें बड़ा खतरा बनकर उभरी हैं। पिनाका का अपग्रेडेड वर्जन ऐसे लक्ष्यों के खिलाफ भी प्रभावी माना जा रहा है। इसकी एक रेजिमेंट में 18-24 लॉन्चर होते हैं, जो मिनटों में सैकड़ों रॉकेट दाग सकते हैं। यह छोटे ड्रोन और क्रूज मिसाइलों के स्वार्म अटैक का मुंहतोड़ जवाब देने में सक्षम है। ईरान की तरह दुश्मन अगर सस्ते ड्रोन और मिसाइलों से हमला करे तो पिनाका का सैल्वो दुश्मन के लॉन्चर और कमांड सेंटर को पहले ही नष्ट कर सकता है। इसका एक रॉकेट महज कुछ लाख रुपए में आ जाता है, जबकि दुश्मन की महंगी मिसाइल को रोकने वाले सिस्टम करोड़ों में होते हैं।

बता दें ईरान-इजरायल संघर्ष ने यह साफ कर दिया है कि भविष्य के युद्ध पारंपरिक नहीं होंगे, बल्कि टेक्नोलॉजी आधारित होंगे, जहां मिसाइल, ड्रोन और रॉकेट सिस्टम अहम भूमिका निभाएंगे। भारत इसी दिशा में अपनी सेना को तैयार कर रहा है, ताकि किसी भी संभावित खतरे का मुकाबला किया जा सके। रक्षा विशेषज्ञों का कहना है कि ईरान की रणनीति देखते हुए भारत ने सही समय पर कदम उठाया है।

पुरानी सरकारों ने पंजाब की खेल संस्कृति को नुकसान पहुंचाया था, हम इसे फिर पटरी पर ला रहे हैं: मुख्यमंत्री मान

प्रथम पृष्ठ का शेष

आज भी खालसे की जन्म भूमि आनंदपुर साहिब में हर साल होला मोहल्ला के अवसर पर पारंपरिक खेलों का शानदार प्रदर्शन होता है। आधुनिक खेलों में पंजाब के योगदान को दर्शाते हुए भगवंत सिंह मान ने कहा, भारतीय हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह, भारत की ऑस्ट्रेलिया टूर टीम के कप्तान हार्दिक सिंह, भारतीय पुरुष क्रिकेट टीम के कप्तान शुभमन गिल, भारतीय महिला क्रिकेट टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर, भारतीय बास्केटबॉल टीम के कप्तान पलप्रीत सिंह बराड़, भारतीय फुटबॉल टीम के कप्तान रह चुके गुरप्रीत सिंह संधू और हाल ही में टी-20 विश्व कप जीतने वाले अभिषेक शर्मा और अर्शदीप सिंह सभी पंजाब से हैं। उन्होंने आगे कहा, ये सभी खिलाड़ी राज्य और देश के लिए नाम कमा चुके हैं और युवाओं को प्रेरित कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने आगे कहा, भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने पिछले वर्ष हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में एकदिवसीय विश्व कप जीता था, जिसमें अमनजोत कौर और हरलीन देओल जैसी खिलाड़ी शामिल थीं। उन्होंने कहा, हॉकी और पंजाब को एक ही सिक्के के दो पहलू माना जाता है और पंजाबी खिलाड़ियों के बिना भारतीय हॉकी की कल्पना करना असंभव है। उन्होंने बताया, 50 से अधिक पंजाबी हॉकी खिलाड़ियों ने ओलंपिक पदक जीते हैं और 10 पंजाबी खिलाड़ियों ने ओलंपिक हॉकी में भारत की कप्तानी की है। ऐतिहासिक उपलब्धियों का हवाला देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, बलबीर सिंह सीनियर और ऊधम सिंह ने तीन-तीन ओलंपिक स्वर्ण पदक जीते और अजीत पाल सिंह एकमात्र खिलाड़ी हैं जिनकी कप्तानी में 1975 में भारत ने हॉकी विश्व कप जीता। उन्होंने आगे कहा, प्रिथीपाल सिंह, सुरजीत सिंह, हरचरण सिंह और सुरिंदर सिंह सोढ़ी जैसे महान खिलाड़ी पंजाब के हैं। उन्होंने बताया कि संसारपुर, खुसरोपुर और मिठापुर जैसे गांवों ने 20 से अधिक ओलंपियन पैदा किए हैं। उन्होंने कहा, टोक्यो ओलंपिक 2021 में भारत ने 41 वर्षों बाद कांस्य पदक जीता, जिसका नेतृत्व मनप्रीत सिंह 9 खिलाड़ियों ने किया। मुख्यमंत्री ने कहा, पेरिस ओलंपिक 2024 में 10 पंजाबी खिलाड़ियों वाली भारतीय हॉकी टीम ने फिर कांस्य का पदक जीता, जिसमें हरमनप्रीत सिंह कप्तान और शीर्ष स्कोरर थे। आगामी टूर्नामेंट के बारे में जानकारी देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, भारत, पाकिस्तान, दक्षिण कोरिया, जापान, मलेशिया और चीन की टीमें इस मेगा इवेंट में भाग लेंगी। उन्होंने कहा, मैचों से पहले पंजाबी संस्कृति के प्रदर्शन के रूप में भांगड़ा और गिद्धा प्रस्तुत किए जाएंगे, जो न केवल दर्शकों को आकर्षित करेंगे बल्कि युवाओं को हॉकी की ओर भी प्रेरित करेंगे। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, खेलों को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2023 में नई खेल नीति पेश की गई थी, जिसके तहत ओलंपिक की तैयारी के लिए 15 लाख रुपये और एशियाई खेलों के लिए 8 लाख रुपये की वित्तीय सहायता का प्रावधान है। उन्होंने आगे कहा, 2023 के एशियाई खेलों में पंजाब के खिलाड़ियों ने 20 पदक जीते, जो एक ऐतिहासिक रिकॉर्ड है। उन्होंने कहा, ओलंपिक्स (पेरिस 2024) के कांस्य पदक विजेताओं को एक-एक करोड़ रुपये दिए गए और एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक विजेताओं को भी एक करोड़ रुपये देकर सम्मानित किया गया। मुख्यमंत्री ने कहा, 9 ओलंपिक पदक विजेताओं को पीसीएस और डीएसपी की नौकरियां दी गईं और पिछले चार वर्षों में लगभग 100 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वितरित की गई है। उन्होंने बताया, खेलों के बजट में 2026-27 में 1791 करोड़ रुपये तक का ऐतिहासिक बढ़ोतरी की गई, जो 2023-24 में केवल 350 करोड़ रुपये था। उन्होंने कहा, कोचों की संख्या 500 से बढ़ाकर 2458 कर दी गई है और 324 नए कोच भर्ती किए गए हैं, जिनमें 48 प्रतिभाशाली खिलाड़ियों को कोच के रूप में नियुक्त किया गया है। जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देने के बारे में मुख्यमंत्री ने कहा, खेड़ां वतन पंजाब दीयां ब्लॉक, जिला और राज्य स्तर पर आयोजित की जा रही हैं। उन्होंने बताया, इन खेलों में 14 से 60 वर्ष से अधिक आयु के खिलाड़ियों ने भाग लिया और 2023-24 में लगभग 3.5 लाख खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया, यह गिनती 2024-25 में बढ़कर 5 लाख तक पहुंच गयी। उन्होंने कहा, 10,000 पदक विजेताओं को प्रतिवर्ष 10 करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि दी जा रही है और तीन वर्षों में 97.3 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, खेल पंजाब में नशे के खिलाफ सबसे प्रभावी हथियार हैं, इसलिए राज्य सरकार खेलों को बढ़ावा दे रही है। उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार के प्रयासों से 14 वर्षों बाद 2025 में किला रायपुर खेल मेला को कानून बनाकर फिर से शुरू किया गया, जिसमें बैलगाड़ियों की दौड़ भी आयोजित की गई। उन्होंने कहा, मिनी ओलंपिक के रूप में प्रसिद्ध इस ग्रामीण खेल मेले के पुनर्जीवन के लिए पहले किसी ने प्रयास नहीं किया। मुख्यमंत्री ने कहा, आप सरकार खेलों को बढ़ावा देने के लिए 1350 करोड़ रुपये की लागत से 3100 खेल मैदान विकसित कर रही है। उन्होंने कहा, 101.8 करोड़ रुपये की लागत से 3000 जिम अत्याधुनिक उपकरणों से लैस किए जा रहे हैं और खिलाड़ियों को 50 करोड़ रुपये की 17,000 खेल किट वितरित की गई हैं। उन्होंने आगे कहा, एथलिटों खिलाड़ियों को वित्तीय सहायता दी जा रही है और प्रशिक्षित खिलाड़ियों के दैनिक आहार भत्ते को 240 रुपये से बढ़ाकर 480 रुपये कर दिया गया है, जिसमें 13 सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में पोषण आधारित मेन्यू शामिल हैं। बुनियादी ढांचे के बारे में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा, मोहाली, बठिंडा और लुधियाना में हॉकी एस्ट्रोटर्फ बदले गए हैं और मोहाली में नया सिंथेटिक ट्रैक बनाया गया है, जिस पर 9 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने बताया, स्पोर्ट्स मेडिसिन कैडर में 113 पद सृजित किए गए हैं, जिनमें से 92 भरे जा चुके हैं और अमृतसर, पटियाला, लुधियाना व बठिंडा जैसे प्रमुख शहरों में डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट तैनात किए गए हैं।

कोचिंग सेंटर में ट्यूटर पर 12वीं की तीन छात्राओं से यौन उत्पीड़न के आरोप

कौमी पत्रिका

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के बुराड़ी इलाके में कोचिंग सेंटर के ट्यूटर पर पिछले दो सालों से 12वीं कक्षा की तीन छात्राओं के साथ यौन उत्पीड़न के आरोप लगे हैं। दरअसल आरोपी शिक्षक धीरज चौधरी ने तीनों छात्राओं को लड़कों के साथ घूमते हुए देख लिया था। आरोपी ने इसका फायदा उठाया। पहले छात्राओं को पीटा। बाद में आरोपी ने छात्राओं ने घर बता देने का डर दिखाकर उनके साथ यौन उत्पीड़न किया। छात्राओं ने कोचिंग सेंटर छोड़ दिया तो आरोपी उनके घर पहुंच गया और उनके खराब चरित्र की बात परिजनों से करने लगा। एक छात्रा ने हिम्मत दिखाकर परिजनों को सारी बात बताई तो आरोपी पीड़ित के घर की बाहर से कुंडी लगाकर फरार हो गया। बाद में छात्राएं परिजनों के साथ सोमवार को बुराड़ी थाने पहुंचीं। वहां पर तीनों छात्राओं की काउंसलिंग कराने के बाद उनके बयान लेकर यौन उत्पीड़न, पॉक्सो बंधक बनाने, मारपीट करने व ब्लैकमेल करने की धमकी देने का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश शुरू कर दी गई। पुलिस की तीन टीमें आरोपी की तलाश कर रही है। पुलिस के मुताबिक तीनों छात्राओं की उम्र 16 और 17 साल के बीच है। तीनों अपने-अपने परिवारों के साथ बुराड़ी इलाके में रहती हैं। तीनों एक पब्लिक स्कूल में 12वीं कक्षा की छात्रा हैं। पुलिस को दिए बयान में एक छात्रा ने बताया कि वह 3 साल से धीरज चौधरी नामक टीचर की कोचिंग में ट्यूशन पढ़ने जाती थी। बाकी दोनों छात्राएं भी यहीं पर आती थीं। पीड़िता ने बताया कि सर किसी न किसी बहाने से हम लोगों को छूते रहते थे। पीड़िता ने विरोध किया तो धमकाकर चुप करा दिया। अक्तूबर 2024 में आरोपी धीरज ने तीनों छात्राओं की कोचिंग सेंटर में पिटाई भी की थी। दरअसल आरोपी ने तीनों को लड़कों के साथ एरिया में घूमते हुए देख लिया था। इसके बाद आरोपी ने दो छात्राओं के साथ डरा धमकाकर दुष्कर्म किया। बाद में दो दिन बाद तीसरी छात्रा को भी आरोपी ने यौन उत्पीड़न किया। छात्राओं ने परिजनों को बताने की धमकी दी तो आरोपी ने बताया कि उसके पास उनकी अश्लील वीडियो है। वह इसको सोशल मीडिया पर डाल देगा। इसके अलावा वह परिजनों की हत्या भी कर देगा। इस बात पर तीनों छात्राएं बुरी तरह डर गईं। अगस्त के बाद तीनों छात्राओं ने कोचिंग सेंटर ही जाना बंद कर दिया। इस बीच सब कुछ सामान्य चल रहा था। सोमवार को आरोपी धीरज एक छात्रा के घर पहुंचा और परिजनों से उसकी बुराई करने लगा।

PUBLIC NOTICE

THROUGH THIS PUBLIC NOTICE, PUBLIC IN GENERAL IS INFORMED THAT MY CLIENTS MRS. PUSHP LATA WIFE OF LATE MAHAVIR SINGH, AGE ABOUT 52 YEARS R/O 176, MUNIRKA VILLAGE,SOUTH WEST DELHI, DELHI-110067, HAS DISOWNED AND DEBARRED HIS SON SAHIL TOKAS FROM THEIR MOVEABLE AND IMMOVEABLE PROPERTIES, HENCEFORTH AND HAVE SEVERED ALL THEIR RELATIONSHIP DUE TO HIS CALLOUS BEHAVIOR AND MY CLIENT WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR HIS ACTS AND DEEDS DONE BY HIM AND DEALING WITH MR. SAHIL TOKAS WILL DO SO AT HIS/HER/THEIR OWN RISK AND RESPONSIBILITIES AND MY CLIENTS WILL NOT BE RESPONSIBLE FOR ANY ACT IN ANY MANNER WHATSOEVER HENCE FORTH.

MANISH KUMAR Advocate
Chamber No.958, Patiala House Courts, New Delhi-110001
Contact No. 9811630803

NAME CHANGE

It is for general information that I, PREETHAM RATHOD S/O RATHOD MURARI R/O WZA-21, ADARSH GALI NO-01, PALAM VILLAGE, SOUTH WEST DELHI, DELHI-110045, declare that name of mine, my father and my mother has been wrongly written as R PREETHAM, R MURARI and R CHANDRA KALA in my 10th Class and 12th Class educational documents. And the name of my father has been wrongly written as R MURARI in my Aadhaar card-394536714330. The actual name of mine, my father and my mother are PREETHAM RATHOD, RATHOD MURARI and RATHOD CHANDERKALA respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Anil K M Aggarwal S/o Satya Narayan, H.no. 97, FIRST FLOOR, Pocket -7, Sector-22, Rohini, Begumpur, Delhi- 110086, have changed my name to Anil Kumar for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I RIZWAN AHMED S/o ZENULL ABADEEN , Residing at: B-290 B-Block, J J Colony, Hastsal, Uttam Nagar, D.K.Mohan Garden, PO: Uttam Nagar, West Delhi, Delhi – 110059 declare that name of mine and my father has been wrongly written as RIZWAN and JANUL ABUDDIN in my 10th Class Educational Documents and the name of my father has been wrongly written as JANUL ABUDIN in my Passport No. T0655355. The actual name of mine and my Father are RIZWAN AHMED and ZENULL ABADEEN respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, Mohd Sajid, S/O Abdul Wahid R/O E-11/4 jahanpanah colony hauz rani, malviya nagar S.O, south delhi, Delhi-110017 declare that name of mine has been wrongly written Mohd Sajid Saifi in my daughter Samiya saifi in her 10th class educational documents.The actual name of mine is Mohd Sajid.

Public Notice

I , Rizwana Khatoon D/O Gufur Mansuri R/O A-75 B,Joshi Colony Mandawali Shakarpur East Delhi delhi-110092, do hereby solemnly affirm and declare that I have embraced HINDUISM and renounced MUSLIM with effect from 05. 11. 2025.

Public Notice

I ,hitherto known as Rizwana Khatoon D/O Gufur Mansuri R/O A-75 B,Joshi Colony Mandawali Shakarpur East Delhi delhi- 110092, have changed my name and shall hereafter be known as Shivani yadav .

NAME CHANGE

I, Gurmej Singh S/o Bawa Singh R/o-F-6/251, Janta Flats, Sector-16, Rohini, Delhi-89 have changed my name to Garmej Singh for all future purposes.

सार्वजनिक सूचना

श्रीमती अनीता, मेसर्स कैन फिन होम्स लिमिटेड से प्लॉट संख्या 420/31ए (पुराना) और नया प्लॉट संख्या 135बी, संपत्ति आईडी संख्या 1CW1Y0B6, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज, खसरा संख्या 6338/244, वाका सिवाना मौजा, टेक चंद नगर कॉलोनी, नगर निगम सीमा, तहसील एवं जिला गुड़गांव, हरियाणा में स्थित संपत्ति के लिए ऋण मांग रही हैं; श्रीमती अनीता ने हमें बताया है कि पिछली मालिक, श्रीमती पूजा कुमारी ने श्रीमती रजनी शर्मा और श्रीमती कृष्णा देवी के पक्ष में दिनांक 13.06.2024 को हस्ताक्षरित विक्रय विलेख 3106 (विधेयक संख्या 13227075260 0314) कहीं खो दिया है या गुम कर दिया है, जो कहीं नहीं मिल रहा है या जिसका पता नहीं लगाया जा सकता है। यदि किसी व्यक्ति का उपरोक्त दस्तावेजों पर कानूनी वारिसों, गिरवी, उपहार, पट्टा, उत्तराधिकार, ग्रहणाधिकार या किसी अन्य रूप से कोई दावा है या कोई आपत्ति है, तो उसे उपरोक्त दस्तावेजों के प्रकाशन की तिथि से 7 दिनों के भीतर नीचे दिए गए दिल्ली कार्यालय के पते पर लिखित रूप में इसकी सूचना देनी होगी। ऐसे दावों को अमान्य घोषित कर दिया जाएगा और यदि कोई दावा है तो उसे माफ कर दिया जाएगा। ऐसा न करने पर, उक्त संपत्ति के संबंध में किसी तीसरे पक्ष के दावे/आपत्तियां/विवाद न होने की स्थिति में उपरोक्त मालिकों के साथ बिक्री लेनदेन को पूरा किया जाएगा और उसके बाद किसी भी दावे/आपत्तियां/विवाद पर विचार नहीं किया जाएगा।

मेसर्स पास एंड एसोसिएट्स , एलएलपी
बी-132, मालवीय नगर,
नई दिल्ली-110017
मोबाइल नंबर - 09991119392

NAME CHANGE

I, NO-15787562K Rank-NK Name-VIVEKANAND TRIPATHI residing at FUJI HOUSE, SHONAGROAD, SALEMPUR, DEORIA, UTTAR PRADESH-274509, have changed my wife's name from SIMA TRIPATHI to SEEMA DEVI for all future purposes vide Affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I,Tara Chand S/o kamal singh R/o 1820 batt para village karala Delhi 110081 Have changed my minor son name.Dev to Dev Raghuwanshi all future purposes.

NAME CHANGE

I, JAYAMMA, is legally mother of JC No. 461320Y, Rank – Sub, Name – SATHEESHA H A, presently residing at Vill – Heggula, Post – Gowdalli, Teh – Somwarpet, Dist – Kodagu, State – Karnataka – 571236, have changed my name from JAYAMMA to H A JAYAMMA and my date of birth from 28/06/1963 to 12/05/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 24/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I, NO-15787562K Rank-NK Name-VIVEKANAND TRIPATHI residing at FUJI HOUSE, SHONAGROAD, SALEMPUR, DEORIA, UTTAR PRADESH-274509, have changed my minor son's name from ADITY TRIPATHI to ADITYA TRIPATHI for all future purposes vide Affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public Delhi.

CHANGE OF DATE OF BIRTH

I, ALKA SURESH LOKHANDE, is legally mother of Army No. 2811348H, Rank – Sep, Name – LOKHANDE MANISH SURESH, presently residing at Vill – Asegaon Bazar, Post – Asegaon Bazar, Teh – Akot, Dist – Akola, State – Maharashtra – 444101, have changed my date of birth from 04/08/1973 to 08/04/1973 for all future purposes. Vide affidavit dated 24/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I SATISH S/O KAMAL R/O , FLAT NO- 76 FIRST FLOOR POCKET -16 SECTOR-3 DWARKA DELHI -110078 have changed my name to SATISH KUMAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, Ghazala Parveen W/o Parvez Ahmed Jamlana R/o 1110, Gali Neem Wali, Mohalla Kishan Ganj, Teliwara, Azad Market, Delhi-110006 have changed my name to Ghazala Parvez.

NAME CHANGE

I, Sunita Kataria W/o Rajinder Kumar Kataria R/o EG-19, 2nd Floor, Inderpuri, Delhi-110012 have changed my name to Sunita.

PUBLIC NOTICE

It is for general information that I Mahesh Kumar Patel S/O Ram Lal Patel Permanent resident of Patelwara , Palsiya Udaipur, Rajasthan -313803, Presently residing at A84/FF2, Ist Floor, SLF Ved Vihar Loni Ghaziabad, Ghaziabad Uttar Pradesh -201102, declare that name of mine and my wife have been wrongly written as Mahesh Kr Patel, and Jayna Patel in my minor Son Krrish Patel aged 16 years in his 10th educational documents. The actual name of mine and my wife are Mahesh Kumar Patel and Jayana

Name Change

I,Vaishnavi Tiwari alias Vaishnavi D/O Hare Krishan Pandey W/O Dhoop Narayan Tiwari R/O -292,Gali -4,Pragaati Vihar Khora Colony, Ghaziabad, PO: Ghaziabad,Dist: Ghaziabad Uttar Pradesh -201001, have changed my name and shall hereafter be known as Vaishnavi Tiwari

Name Change

I hitherto known as ABHILASHA GOSVAMI alias ABHILASHA W/O BHARAT VYAS GOSWAMI R/O House No. 3, G-107, Nehru Vihar-III, Rakesh Marg Ghaziabad, Uttar Pradesh-201001, have changed my name and shall hereafter be known as ABHILASHA.

Name Change

I hitherto known as SAREEN D/O ISLAM R/O Prem Nagar, Loni Dehat, Ghaziabad, Loni Uttar Pradesh-201102, have changed my name and shall hereafter be known as KM SHAHREEN.

NAME CHANGE

I, DEEPAK S/o HUKAM SINGH R/o H.No. 281 , Kadarabad - 2 Modinagar , Ghaziabad , Uttar Pradesh - 201204 have changed the name of my minor son CHINTU aged 13 years and he shall hereafter be known as CHIRAG.

Public Notice

It is for general information that I Md Sahabuddin S/O Mohiuddin R/O B-68, BINDAPUR, JJ COLONY, Uttam Nagar, PO: D.k Mohan Garden, DIST: West Delhi, Delhi-110059, declare that name of mine, my father and my Mother have been wrongly written as Sahabuddin, Md Mohiuddin and Umate Khatoon in my 10th Class educational documents. The actual name of mine, my father and my Mother are MD Sahabuddin, Mohiuddin and Umatti Khatun, respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

It is for general information that I RASHIDUDDIN S/o NASIRUDDIN R/o C-6/A, Okhla Vihar, Jamia Nagar, South – East, Delhi - 110025 declare that the name of mine has been wrongly written as RASHIDDIN in my Aadhar No. 9793 0699 8797. The actual name of mine is RASHIDUDDIN , which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I Shashi Chanda W/O M.L Chadha, R/o -38-B, D.D.A Flats, Mansarover Park, SHAHDARA, Shahdara, East Delhi, Delhi, 110032 have changed my name to Shashi Kiran for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I NISAR AHMED S/o ZENULL ABADEEN , Residing at: B-290 B-Block, J J Colony, Hastsal, Uttam Nagar, D.K.Mohan Garden, PO: Uttam Nagar, West Delhi, Delhi – 110059 declare that the name of mine has been wrongly written as NISHAR AHMAD in my Birth Certificate No. MCDOLIR-0185-007482185 and name of my father has been wrongly written as ZEMULL ABEDEEN in my 10th Class Educational Documents. The actual name of mine and my Father are NISAR AHMED and ZENULL ABADEEN respectively which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I MOHAMMAD FAIZAN S/O HABIB AHMED R/O F-28/B 1ST FLOOR ABUL FAZAL ENCLAVE-1 JAMIA NAGAR DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO MOHD FAIZAN FOR ALL PURPOSE

NAME CHANGE

I, SUMIT KUMAR S/O UDAY SHANKAR SINGH, Permanent residing at WALIPUR, WALIPUR, LAKHISARAI, BIHAR-811311, Presently residing at QTR NO-162/04, ME LINE, DELHI CANTT, NEW DELHI-110010, have changed the name of my minor son TEJAS KUMAR aged 04 years and he shall hereafter be known as SHIVANSH KUMAR.

NAME CHANGE

I IRFANA BANO W/O ASHIQ ASHRAF SOFI R/O 39-A, NOOR NAGAR EXTN.JOHRI FARM, JAMIA NAGAR,OKHLA DELHI-110025 HAVE CHANGE MY NAME TO IRFANA RASOOL FOR ALL PURPOSE

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्रीमती राम सखी, मकान संख्या F-77, क्षेत्रफल 50 वर्ग गज (41.80 वर्ग मीटर), खसरा संख्या 321 में स्थित, ब्लॉक-F, रामपार्क एक्सटेंशन, हदबस्त, ग्राम हकीकतपुर उर्फ खुदाबांस, परगना एवं तहसील लोनी, जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश में स्थित फ्रीहोल्ड आवासीय संपत्ति को श्रीमती सरिता एवं श्रीमती ममता पाल से क्रय करने की इच्छुक हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री आर.के. नंदा थे, जिन्होंने दिनांक 30.01.1986 को विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री एक बहादुर को बेची थी। तत्पश्चात, श्री एक बहादुर ने दिनांक 25.05.2012 को विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती शारदा देवी को बेची। इसके बाद, श्रीमती शारदा देवी ने दिनांक 11.07.2013 को विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री श्याम एवं श्रीमती रजनी को बेची। तत्पश्चात, श्री श्याम एवं श्रीमती रजनी ने दिनांक 17.12.2019 को सामान्य पावर ऑफ अटॉर्नी, एग्रीमेंट टू सेल एवं वसीयत के माध्यम से अपने अधिकार श्रीमती सरिता एवं श्रीमती ममता पाल के पक्ष में हस्तांतरित किए। अतः, श्रीमती सरिता एवं श्रीमती ममता पाल उक्त संपत्ति की पूर्ण एवं वैध स्वामिनी बन गई हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, प्रभार या दावे से मुक्त पाई गई है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, साहिबाबाद शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I, KULWANT RAJ S/O SADHU RAM R/O B-302,RAHEJA ATHARVA,SECTOR-109, DAULTABAD (53),GURGAON, HARYANA-122006,HAVE CHANGED MY NAME TO KULWANT RAJ SHARMA S/O SADHU RAM SHARMA FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Kavleen Kaur W/o. Gagandeep Singh Anand R/o. 11/26, 2nd Floor, Near Gurdwara Singh Sabha, Tilak Nagar Delhi-110018 have changed my name to Kavleen Kaur Anand for all future purposes

NAME CHANGE

I SHARUKH SAFDAR S/O RIYASAT HUSAIN R/O H.NO 10- B HIMGIRI ENCLAVE NILOTHI EXTN, NILOTHI DELHI 110041 have changed my name to SHAHROOKH SAFDAR Permanently for all Future purpose

NAME CHANGE

I, SANJEEV KUMAR PUNDEER S/O: Omveer Singh Prindeer, R/O 368/5, ROORKEE ROAD, KRISHNA NAGAR, PO: krishana Nagar, District: Meerut, Uttar Pradesh, 250001,have changed the name of my minor daughter Khyati Pundir aged 15 years and she shall hereafter be known as ARADHYA PUNDIR.

NAME CHANGE

I, SACHIN KUMAR S/O RAM LAL KHATTAR R/O H NO-1110, DR. MUKHERJEE NAGAR, DELHI-110009. have changed my name to SACHIN KUMAR KHATTAR for all future purpose.

NAME CHANGE

I, DINESH GUPTA S/o Shiv Kumar Gupta R/o S-69, School Block, Shakarpur, Delhi, Pin-110092, have changed my name to DINESH KUMAR GUPTA permanently.

NAME CHANGE

I, SHANTI DEVI W/o Krishan Kumar Jha R/o S-63, Vikas Nagar, Near Hanuman Mandir, Hastashal, Uttam Nagar, New Delhi-110059, have changed my name to MADHU JHA permanently

सार्वजनिक सूचना

आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे मुवक्किल श्री शंकर पुत्र गुरु लाल, निवासी डी-2/730 जेजे कॉलोनी, मदनपुर, खादर, नई दिल्ली 110076, ने अपने पुत्र कृष्णा, पत्नी गंगा और पोते दिव्यांश, निवासी डी-2/730 जेजे कॉलोनी, मदनपुर, खादर, नई दिल्ली 110076, से सभी पारिवारिक संबंध तोड़ लिए हैं और उनके बुरे, विश्वासघाती और अपमानजनक व्यवहार के कारण उन्हें और उनकी पत्नी और पोते को अपनी सभी चल और अचल संपत्तियों से बेदखल कर दिया है। इसके बाद, मेरे मुवक्किल और उनके परिवार के सदस्यों की सूचना पुलिस स्टेशन कालिंदीकुंज के एसएचओ को दी जाएगी।

JAY KUMAR(ADVOCATE)
High Court & District Court of Delhi.
Ch. No.969 Patiala House Court New Delhi 110002

सार्वजनिक सूचना

यह सूचित किया जाता है कि श्री मनीरुल मिया एवं श्री अबेया बीबी, मकान संख्या 138, एक मंजिला आवासीय भवन, जिसका क्षेत्रफल 145 वर्ग गज, जो खसरा संख्या 36 मिन का हिस्सा है, स्थित ग्राम डुंडाहेड़ा, राधा रमण पब्लिक स्कूल के पास, परगना लोनी, तहसील एवं जिला गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश-201009 में है के स्वामी हैं। उक्त संपत्ति के मूल स्वामी श्री छठ सिंह एवं श्री महेन्दर थे, जिन्होंने दिनांक 14.08.1986 को विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्रीमती राज बाला को बेची थी। तत्पश्चात, श्रीमती राज बाला ने दिनांक 17.05.1999 को अपने पुत्र श्री अनिल के पक्ष में वसीयत निष्पादित की। दुर्भाग्यवश, श्रीमती राज बाला का निधन दिनांक 13.10.2013 को हो गया। इसके बाद, श्री अनिल त्यागी ने उक्त वसीयत के आधार पर दिनांक 21.05.2024 को उपहार विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति अपनी पत्नी श्रीमती गीता त्यागी को हस्तांतरित की। तत्पश्चात, श्रीमती गीता त्यागी ने दिनांक 27.11.2024 को विक्रय विलेख के माध्यम से उक्त संपत्ति श्री मनीरुल मिया एवं श्री अबेया बीबी को विक्रय कर दी। अतः, श्री मनीरुल मिया एवं श्री अबेया बीबी उक्त संपत्ति के पूर्ण एवं वैध स्वामी बन गए हैं। उक्त संपत्ति किसी भी प्रकार के वाद-विवाद, भार, बंधक, प्रभार या दावे से मुक्त पाई गई है। कृपया यह भी नोट किया जाए कि उक्त संपत्ति को वास्तु हाउसिंग फाइनेंस कॉर्पोरेशन लिमिटेड, नोएडा शाखा, उत्तर प्रदेश द्वारा वित्तपोषित किया जाना प्रस्तावित है। यदि किसी व्यक्ति को उपरोक्त संपत्ति के संबंध में कोई आपत्ति हो, तो कृपया इस सूचना की तिथि से 07 दिनों के भीतर अपनी आपत्ति लिखित रूप में प्रस्तुत करें। उक्त आपत्ति नीचे दिए गए पते पर पंजीकृत डाक के माध्यम से एवं ई-मेल द्वारा अधोहस्ताक्षरी को भेजी जा सकती है। यदि निर्दिष्ट अवधि में कोई आपत्ति प्राप्त नहीं होती है, तो उक्त संपत्ति के संबंध में कोई भी दावा अमान्य और निष्प्रभावी माना जाएगा।

[अश्वनी कुमार] अधिवक्ता
चेंबर संख्या 122, तहसील परिसर,
गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश
ईमेल-
kumarw®wvashwani@gmail.com

NAME CHANGE

I Balwant Rai S/o Kripa Ram Bansal R/o A-1/44,1st Floor,Prashant Vihar,Sector-14,Rohini,North West Delhi-110085 have changed my name to Balwant Rai Bansal for all future purposes.

NAME CHANGE

It is for general information that I, MANSI D/O MANOJ KUMAR ROY R/O 1256 Gali No-12 Bhaind Jaipal Golden Pump Kapashera Po: Gurgaon Road Dist: South West Delhi Delhi- 110037 declare that name of my father has been wrongly written as MANOJ PATEL in my 10th and 12th class educational documents. The actual name of my father is MANOJ KUMAR ROY which may be amended accordingly.

NAME CHANGE

I, hitherto known as PANNA GAUTAM S/O BHAGWAT R/O H NO-23/64, BLOCK-23, TRILOK PURI, DELHI-110091 have changed my name and shall hereafter be known as MUNNA LAL. It is certified that I have complied with other legal requirements in this connection.

NAME CHANGE

I, CHANDRA SHEKHAR S/O HARIMOHAN DADHEECH R/O 98-B, MIG FLAT, POCKET-6, MAYUR VIHAR, PHASE-3, DELHI-110096. have changed my name to CHANDRASHEKHAR DADHICH for all future purposes.

NAME CHANGE

I Leena Devi W/o Rohit Aggarwal R/O P No-76, Second Floor, Block B-3, Jwala Heri, Paschim Vihar, PO : Paschim Vihar, Dist: West Delhi, Delhi -110063 have changed my name to Leena Aggarwal for all future purposes.

NAME CHANGE

I, No-15231842H Rank-NK Name-SRIKESH YADAV Father of PRIYANSHU YADAV Resident of VILL-PALIYA, PO-RUHIPUR, TEH-SADAR, DIST-GHAZIPUR, UTTAR PRADESH-233300, have changed my minor son's name from PRIYANSHU YADAV to PIRYANSHU YADAV for all future purposes vide Affidavit dated 24/03/2024 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, RAJJO DEVI W/O MR. KALYAN SINGH R/O PREMPURA, SHARIFPUR, MAINPURI, UP-205265 have changed my name from Sunita to Rajjo Devi for all future purposes. That RAJJO DEVI and SUNITA both are the same person.

NAME CHANGE

I, SURYA PRATAP S/O SESH NATH SINGH R/O C-87, SECOND FLOOR, SANJAY GRAM, RAJEEV NAGAR, GURGAON, HARYANA-122001, HAVE CHANGED MY TO SURYA PRATAP SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

NAME CHANGE

I, Neha Gautam W/o Mahendra R/o 767, Peer Wala Mohalla, Begmabad Budana, Modinagar, Ghaziabad, Uttar Pradesh - 201204, have changed my name and shall hereafter be known as Savita

NAME CHANGE

I, BIRJESH S/O KAMAL SINGH R/O. RATAN THAL(180), RATTANTHAL REWARI HARYANA -123301 HAVE CHANGED MY NAME TO BIRJESH SINGH FOR ALL FUTURE PURPOSES

PUBLIC NOTICE

Information is hereby given to the general public that our client Mrs. Kalpana W/o Mr. Sunil Kumar is the owner and in possession of a Freehold Residential Built-Up Property with Roof Rights on Property Bearing No. 13, area measuring 34 sq. yards., out of Khasra No. 22/24/2, situated at abadi of Street No. 1, Sunder Park, Shastri Nagar, in the area of Village Khureji Khas, Illaqa Shahdara, Delhi. Our client acquired the said property by virtue of a Sale Deed dated 05.12.2020, duly registered as Document No. 6783, in Book No. 1, Volume No. 9676, on pages 166 to 173, on 05.12.2020, with the Sub-Registrar Office of Sub-Registrar VIII, Delhi/ New Delhi. In the chain of documents, the Death Certificate & SMC of Late Shri Jugal Kishore expired on 28.03.2020 & Death Certificate of Late Shrimati Darshan Rani expired on 05.06.2016, is not available, Therefore, our client hereby declares that except him, no other person has any right, title, interest, claim or objection in respect of the above-mentioned property. The said property is presently financed / mortgaged with Piramal Finance Ltd., Branch: Burari, New Delhi. If any person(s) have any objection(s) or claim(s) with respect to the` right, title or interest in the Said Property then contact us within 07 days from the date of Publication of this notice and or the same to the undersigned if found by anyone. Thereafter no claim shall be entertained

[NAVEEN KUMAR VERMA]
Advocate
F-211, Sector-3,
Vaishali, Ghaziabad,
Uttar Pradesh-201010
(Contact at 09958871432)

NAME CHANGE

I Meena D/o K.L Sharma R/o B 65, LIC Colony, Paschim Vihar, Sunder Vihar S.O West Delhi, Delhi - 110087 have changed my name to Meena Goel for all future purposes.

NAME CHANGE

I Ashok Kumar Agarwal S/O Abheyram Agrawal, R/o 211/5, Gali No-5, Padam Nagar Kishan Ganj, Delhi-7, Kishan Ganj, North Delhi, Delhi, 110007 have changed my name to Ashok Kumar Agrawal for all future purposes.

NAME CHANGE

I Devinder Singh Thukral S/o Sardar Chattar Singh R/o House Number-B-1/202, Paschim Vihar, DIST: West Delhi, Delhi-110063 have changed my name to Davinder Singh Thukral for all future purposes.

NAME CHANGE

I Pradeep Kumar Sawhney s/o Tara chand R/o - 10 siri nagar extension,ashok vihar road delhi -110052 have changed my name to Pardeep Kumar Sawhney for all future purposes

NAME CHANGE

I, Ayodhya Prasad S/O Bechan permanent R/O Pure Raikwar, Belai, Amdahi, Gonda, Ram Adhin Purwa, Uttar Pradesh - 271403, presently residing at House No 548A, Gali No 9, M 1st, Sangam Vihar Delhi, Delhi - 110062, have changed my name and shall hereafter be known as Alok Kumar

NAME CHANGE

I, Vrijesh Kushawaha alias Brijesh Prasad S/O Ganga Mehto R/O House No 75 Block E, D.D.A Slum, Sector 25, Rohini, PO: Rohini Sector-7, DIST: North West Delhi, Delhi - 110085, have changed my name and shall hereafter be known as Vrijesh Kushawaha

NAME CHANGE

I, JAYAMMA, is legally mother of JC No. 461320Y, Rank – Sub, Name – SATHEESHA H A, presently residing at Vill – Heggula, Post – Gowdalli, Teh – Somwarpet, Dist – Kodagu, State – Karnataka – 571236, have changed my name from JAYAMMA to H A JAYAMMA and my date of birth from 28/06/1963 to 12/05/1960 for all future purposes. Vide affidavit dated 24/03/2026 before Public Notary Delhi.

NAME CHANGE

I Prabhdeep Singh S/o Satpal Singh Sachdeva R/o G-54, GROUND FLOOR GALI NUMBER 11, G BLOCK, HARI NAGAR, Jail road, NEW DELHI-110058 have changed my name to Prabhdeep Singh Sachdeva for all future purposes.

NAME CHANGE

I Satpal Singh S/o Gurcharan Singh Sachdeva R/o G-54, GROUND FLOOR GALI NUMBER 11, G BLOCK, HARI NAGAR, Jail road, NEW DELHI-110058 have changed my name to Satpal Singh Sachdeva for all future purposes.

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 82(2)(ii) Cr. P.C./ 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता देखें

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सोनू पुत्र** राजपाल, **निवासः** म.नं. 299, गाँव- सालाह नगर, वार्ड नं. 1, लोनी, गाज़ियाबाद, यू.पी. ने **FIR No. 253/2018 U/s 302/120B/182/174S/201/34 IPC., थानाः खजूरी खास, दिल्ली** के अधीन दण्डनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किए गए गिरफ्तारी वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सोनू** मिल नही रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सोनू** फरार हो गया है (या उक्त वारण्ट की तामील से बचने के लिए अपने आपको छिपा रहा है)। इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **FIR No. 253/2018 U/s 302/120B/182/174S/201/34 IPC., थानाः खजूरी खास, दिल्ली** के उक्त अभियुक्त **सोनू** से अपेक्षा की जाती है कि वे इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए दिनांक **05.05.2026** को या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्रुति सारस्वत
जेएमएफसी-03, कमरा नं. 22, प्रथम तल,
(उत्तर-पूर्व जिला), कड़कड़डूमा कोर्ट, दिल्ली

DP/3812/NE/2026
(Court Notice)

अभियुक्त व्यक्ति की हाजिरी की अपेक्षा करने वाली उद्घोषणा

धारा 84 भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता-2023 देखिए

मेरे समक्ष परिवाद किया गया है कि अभियुक्त **सुहैल, पुत्र नसरुद्दीन, निवासीः आसियाना सिटी, अशोक विहार, हड्डी फैक्ट्री के पास, लोनी, गाजियाबाद उत्तर प्रदेश** ने **FIR No.: 572/2025, Dated: 20/11/2025, U/s: 25/29 Arms ACT, पुलिस थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अधीन दंडनीय अपराध किया है (या संदेह है कि उसने किया है) और उस पर जारी किये गए गिरफ्तारी के वारंट को यह लिख कर लौटा दिया गया है कि उक्त **सुहैल** मिल नहीं रहा है और मुझे समाधानप्रद रूप में दर्शित कर दिया गया है कि उक्त **सुहैल** फरार हो गया है (या उक्त वारंट की तामील से बचने के लिए अपने आप को छिपा रहा है)।

इसलिए इसके द्वारा उद्घोषणा की जाती है कि **पुलिस थाना मॉडल टाउन, दिल्ली** के अभियुक्त **सुहैल** से अपेक्षा की जाती है कि वह इस न्यायालय के समक्ष (या मेरे समक्ष) उक्त परिवाद का उत्तर देने के लिए **दिनांक 30.05.2026** या इससे पहले हाजिर हो।

आदेशानुसार
श्री हिमांशु सहलोथ
एलडी. जेएमएफसी-03, उत्तर, कमरा नंबर - 213,
रोहिणी कोर्ट, दिल्ली

DP/3803/NW/2026

NAME CHANGE

I, KAVITA DEVI wife of JC-493356H Rank-NB SUB Name-VIBHISHAN SINGH residing at VILL-BHAVANPURA, PO-ARING, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281501, have changed my name from KAVITA DEVI to KAVITA for all future purposes vide Affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, hitherto known as SHRIMANDIR CHAUDHARY alias SHRIMANDIR son of RAM SINGH VERMA residing at A-281, Sector-46, Noida, Gautam Buddha Nagar, Uttar Pradesh 201301 have changed my name and shall hereafter be known as .SHRIMANDIR CHAUDHARY

NAME CHANGE

I, JC-493356H Rank-NB SUB Name-VIBHISHAN SINGH residing at VILL-BHAVANPURA, PO-ARING, DIST-MATHURA, UTTAR PRADESH-281501, have changed my daughter's name from KUMARI SHIVANI to SHIVANI for all future purposes vide affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, KALPANA PANDEY wife of NO-6946213N Rank-HAV/SHGD Name-SUNIL KUMAR PANDEY residing at H NO-18/84, VILL-KARMCHARI NAGAR, PO-KRISHNA NAGAR, TEH & DISTT-KANPUR NAGAR, UTTAR PRADESH-208007, have changed my name from KALPANA PANDEY to KALPNA PANDEY for all future purposes vide Affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public, Delhi.

NAME CHANGE

I, Sadhvi Kapoor D/o Sundeep Thukral R/o. C-4/4004, Vasant Kunj New Delhi-110070 have changed my name to Sadhvi Thukral for all future purpose.

NAME CHANGE

I, JALALUDIN S/O SANAULAH R/O H NO-39-A, STREET NO-2, SEWA SADAN BLOCK, MANDAWALI, DELHI-110092, have changed my name to MOHD JALALUDDIN for all future purpose.

NAME CHANGE

I, PURNIMA DEVI mother of NO-14656864K, Rank-HAV, Name-BHUSAN KUMAR residing at VILL & PO-RIULA, TEHSIL-KHIJARSARAI, DIST-GAYA, BIHAR-805109, have changed my name from PURNIMA DEVI to PUNIYA DEVI for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 01/07/1957 instead of my correct date of birth as 01/01/1956 Vide Affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I, SHAHIN BAGAM mother of NO-1602961K, Rank-NK, Name-SARFARAJ residing at VILL-PARWAL, PO-UMEDPUR, DIST-DEHRADUN, UTTARAKHAND-248007, have changed my name from SHAHIN BAGAM to SHAHIN for all future purposes, in my son's service record my date of birth wrongly mentioned as 08/02/1973 instead of my correct date of birth as 01/01/1969 Vide Affidavit dated 24/03/2026 before Notary Public Delhi.

NAME CHANGE

I Rahul S/o Bhagwant Singh Goel R/o B 65, LIC COLONY, PASCHIM VIHAR, Sunder Vihar S.O, West Delhi, Delhi, 110087 have changed my name to Rahul Goel for all future purposes.

NAME CHANGE

I Rajesh Kumar S/o S K Verma, R/o H.No-23B, Block-BD, West Shalimar Bagh, Shalimar Bagh, North West Delhi, Delhi - 110088 have changed my name to Rajesh Verma for all future purposes.

NAME CHANGE

I Devinder Singh Thukral S/o Chattar Singh Thukral R/o House Number-B-1/202, Paschim Vihar, DIST: West Delhi, Delhi-110063 have changed my name to Davinder Singh Thukral for all future purposes.

NAME CHANGE

I Sunita Rani W/o Balwant Rai Bansal R/o A1/44,1st Floor, Sector-14,Rohini, Prashant Vihar, North West Delhi-110085 have changed my name to Sunita Bansal for all future purposes.

कौमी पत्रिका

संपादक-गुरचरन सिंह बब्बर

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक, गुरचरन सिंह बब्बर ने कौमी पत्रिका प्रिंटिंग प्रेस, सेक्टर ए-4/ए-144 इंडस्ट्रीयल एरिया ट्रोनिका सिटी लोनी (गाजियाबाद), उत्तर प्रदेश से छापकर प्रकाशित किया।

Corporate Office:
5, Bahadurshah Zafar Marg
ITO, New Delhi-110002

फोन : 011-41509689, 23315814
मोबाइल नंबर : 9312262300

E - mail address : qpatrika@gmail.com
Website: www.qaumipatrika.in

R.N.I. No. UP-HIN/2007/21472

Legal Advisors:
Advocate Mohd. Sajid
Advocate Dr. A.P.Singh
Advocate Manish Sharma
Advocate Pooja Bhaskar Sharma

अब तय फॉर्मेट के अनुसार ही दिखाना होगा सरकारी अनुदान का उपयोग

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने वित्तीय नियमों में बड़ा बदलाव करने की तैयारी कर ली है। वित्तीय नियम 8.14 (बी) के तहत यूटिलाइजेशन सर्टिफिकेट (यूसी) का नया फॉर्मेट निर्धारित किया है। मंगलवार को मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की अध्यक्षता में होने वाली राज्य मंत्रिमंडल की बैठक में इस पर मुहर लग सकती है। सरकारी अनुदान (ग्रांट-इन-एड) अक्सर स्वायत्त संस्थाओं, स्थानीय निकायों, बोर्ड/कॉर्पोरेशनों और सहकारी समितियों को दिया जाता है। इन संस्थाओं को यह प्रमाण देना होता है कि अनुदान का उपयोग केवल उस उद्देश्य के लिए किया गया, जिसके लिए इसे मंजूरी मिली थी। पहले इस यूसी का कोई तय फॉर्मेट नहीं था, जिससे जवाबदेही और निगरानी में दिक्कतें आती थीं। अब वित्त विभाग ने एक मानक फॉर्मेट बनाया है, जिसे सभी संस्थाओं को अब अपनाना होगा। इस बदलाव से सरकार यह सुनिश्चित कर सकेगी कि अनुदान का सही और पारदर्शी उपयोग हो।

पंचायत भूमि में रास्ते के होंगे नये नियम

चंडीगढ़। हरियाणा सरकार ने ग्राम पंचायत की सामूहिक भूमि (शामलात देह) पर निजी परियोजनाओं के लिए रास्ता या पैसेज बनाने के नए नियम लागू करने की तैयारी शुरू कर दी है। अब कोई भी निजी प्रोजेक्ट ग्राम पंचायत की जमीन के जरिए रास्ता लेना चाहे, तो उसके लिए पहले ग्राम पंचायत और ग्राम सभा की मंजूरी लेना अनिवार्य होगा।प्रस्तावित नई नीति के मुताबिक, ग्राम पंचायत के सभी सदस्यों में से कम से कम तीन-चौथाई (3/4) सदस्यों का समर्थन होना चाहिए। उसके बाद गांव की आम बैठक यानी ग्राम सभा में उपस्थित लोगों में से दो-तिहाई (2/3) लोगों का हां होना जरूरी है। इससे यह सुनिश्चित होगा कि रास्ता बनाने का फैसला सिर्फ कुछ लोगों के स्वार्थ के लिए न हो, बल्कि पूरी पंचायत और गांव की सहमति से लिया जाए। सरकार यह भी प्रस्तावित कर रही है कि रास्ता बनाने के लिए जमीन बेची या लीज़ पर दी नहीं जाएगी। नया रास्ता पंचायत के स्वामित्व में रहेगा और सभी गांववासियों के लिए सामान्य उपयोग के लिए उपलब्ध रहेगा। निजी प्रोजेक्ट के लिए रास्ता बनाते समय पंचायत की भूमि का लाभ निजी लाभ के लिए नहीं लिया जाएगा। पानीपत की ग्राम पंचायत मच्छरौली ने शामलात देह की 9 कनाल 3 मरला भूमि को एमएस कपूर इंडस्ट्रिज लिमिटेड की 15 कनाल जमीन के साथ बदलने का प्रस्ताव पास किया है। यह निर्णय इसलिए लिया गया क्योंकि मौजूदा कुछ रास्ते और खाल अब उपयोग में नहीं हैं, और नए रास्ते की सुविधा प्रदान करने के लिए यह आदान-प्रदान आवश्यक है।

शहीदों के दिखाए मार्ग पर चलें युवा : डा. मिड्ढा

जींद। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि हमारे वास्तविक हीरो वही हैं जिन्होंने अपना सर्वस्व देश पर न्यौछावर कर दिया है। युवाओं को चाहिए कि वो शहीदों के दिखाए मार्ग पर चल देश को आगे ले जाने में अपनी सक्रिय भूमिका निभाएं। हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा जयति-जयति हिंदू महान संगठन द्वारा शहीदी दिवस के उपलक्ष में निकाली गई श्रद्धांजलि बाइक यात्रा का शुभारंभ करने पर युवाओं को संबोधित कर रहे थे। यह यात्रा रेलवे जंक्शन से शुरू होकर शहीदी स्मारक पर संपन्न हुई। कार्यक्रम में मुख्यअतिथि हरियाणा विधानसभा के डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बड़ौली के सुपुत्र वीरेंद्र मोहनलाल बड़ौली, जुलाना से भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश, गऊ सेवा दल हरियाणा के प्रदेश अध्यक्ष प्रमोद श्योकंद मुख्य रूप से उपस्थित रहे। डिप्टी स्पीकर डा. कृष्ण मिड्ढा ने कहा कि नायब सरकार ही शहीदों की शहादत को नमन कर रही है। शहीदों व संतों के नाम पर कार्यक्रम आयोजित कर श्रद्धांजलि दे रही है। इस मौके पर जयति-जयति हिंदू महान संगठन के प्रदेश संयोजक अतुल चौहान ने बताया कि संगठन द्वारा पिछले 12 सालों से श्रद्धांजलि बाइक यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। आज के युवा साथियों को देश धर्म के प्रति जागरूक करने के लिए संगठन द्वारा समय-समय पर ऐसे आयोजन किए जाते हैं।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष बडौली और विधायक कृष्णा तिरंगा यात्रा को रवाना किया

सोनीपत। शहीदी दिवस के अवसर पर गांव मुरथल में भव्य तिरंगा यात्रा का आयोजन किया गया। इस यात्रा का नेतृत्व गांव के युवा अंकित मुरथल और उनकी टीम ने किया। कार्यक्रम में सैकड़ों युवाओं ने हाथों में तिरंगा लेकर उत्साहपूर्वक भाग लिया और भारत माता की जय व वंदे मातरम् के नारों से पूरे क्षेत्र को देशभक्ति के रंग में रंग दिया। तिरंगा यात्रा का शुभारंभ साउथ प्वाइंट स्कूल से हुआ, जहां भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मोहनलाल बडौली और विधायक कृष्णा गहलावत ने हरी झंडी दिखाकर यात्रा को रवाना किया। यात्रा ताजपुर-मिमारपुर मार्ग से होती हुई कली बाबा की कुटिया पर जाकर संपन्न हुई। पूरे मार्ग में देशभक्ति गीतों और नारों की गूंज सुनाई दी, जिससे माहौल अत्यंत उत्साहपूर्ण बना रहा। विधायक कृष्णा गहलावत ने अपने संबोधन में कहा कि शहीदों के बलिदान के कारण ही आज हम स्वतंत्र और सुरक्षित जीवन जी रहे हैं। उन्होंने कहा कि देश के वीर सपूतों की कुर्बानी को कभी भुलाया नहीं जा सकता और युवाओं को उनके आदर्शों से प्रेरणा लेकर राष्ट्र सेवा के मार्ग पर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने मुरथल के शहीद हवलदार हवा सिंह, सिपाही सतीश कुमार और जोगिंदर सिंह को नमन करते हुए कहा कि इनका बलिदान सदैव प्रेरणा देता रहेगा।

सतत कृषि ही भविष्य की समृद्धि का आधार - सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित खरीफ कृषि मेला-2026 का शुभारंभ करते हुए किसानों, वैज्ञानिकों और नवाचार को एक मंच पर लाने की पहल को सराहा। उन्होंने कहा कि हिसार की मिट्टी मेहनत, पशुधन समृद्धि और वीर सैनिकों की कुर्बानियों की गवाही देती है। राखीगढ़ी हमारी प्राचीन सभ्यता का गौरव है, जबकि अग्रोहा की धरती महाराजा अग्रसेन के सामाजिक समरसता और व्यापारिक वैभव की कहानी कहती है। कृषि मेले में पहुंचने पर सर्वप्रथम मुख्यमंत्री ने शहीदी दिवस के अवसर पर अमर शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव की प्रतिमाओं पर श्रद्धासुमन अर्पित किए। इस मौके पर मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय के विस्तार शिक्षा विभाग, कपास अनुभाग, तिलहन विभाग सहित अन्य विभागों द्वारा किसानों को जानकारी

देने के लिए प्रकाशित की गई पुस्तकों का भी विमोचन किया। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर श्री बीआर कांबोज ने कृषि मेले में पहुंचने पर मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह के रूप में समृद्ध किसानी का प्रतीक हल भी भेंट किया। उन्होंने कहा कि आज नवरात्रि के पावन अवसर पर मां स्कंदमाता की आराधना और शहीद भगत सिंह, राजगुरु व सुखदेव के शहीदी दिवस का संयोग हमें त्याग, तपस्या और समर्पण का संदेश देता है। इसी भावना के साथ कृषि मेले का आयोजन किया गया है, जो 'सतत कृषि-समृद्धि की राह' विषय पर आधारित है। उन्होंने कहा कि चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित यह मेला किसानों की मेहनत और वैज्ञानिकों की दूरदृष्टि का प्रतीक है। विश्वविद्यालय ने उन्नत बीज, जल संरक्षण, मृदा स्वास्थ्य और जलवायु-स्मार्ट कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज भिवानी जिले के गोकुलपुरा में 64 एकड़ में 11.67 करोड़ रुपये की लागत से बने पोषक अनाज अनुसंधान केंद्र का भी उद्घाटन किया गया है। यह केंद्र मोटे अनाजों की रोग व कीट प्रतिरोधी किस्मों के विकास, मिलेट्स आटे की सेल्फ लाइफ बढाने के साथ-साथ उत्पादकों के लिए बाजार संपर्क स्थापित करेगा और उन्नत किस्मों के विकास और वैल्यू एडिशन को बढ़ावा देने की दिशा में भी कार्य करेगा।

पंजाब की आप सरकार का ईमानदारी का नकाब उतर चुका- सीएम नायब सिंह सैनी

एजेंसी

चंडीगढ़ । हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि पंजाब की आम आदमी पार्टी सरकार का ईमानदारी का नकाब अब उतर चुका है और वहां की जनता उनकी वायदा खिलाफी व भ्रष्टाचार से त्रस्त है। मुख्यमंत्री हिसार में आयोजित कृषि मेले के शुभारंभ के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज पंजाब की जनता हरियाणा में विकास के माहौल और कल्याणकारी योजनाओं का उदाहरण दे रही है, क्योंकि राज्य सरकार ने किसानों, व्यापारियों, महिलाओं और युवाओं के हित में अनेक जनकल्याणकारी योजनाएं लागू की हैं। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार की नीतियों का लाभ सीधे आमजन तक पहुंच रहा है, जिससे प्रदेश निरंतर विकास की राह पर आगे बढ़ रहा है। उन्होंने बताया कि हाल ही में हरियाणा सरकार ने व्यापारियों को राहत देने के लिए महत्वपूर्ण नीति लागू की है, जिससे अनावश्यक मुकदमेबाजी में कमी आई है और व्यापारिक माहौल बेहतर हुआ है।

सैनी ने कहा कि केंद्र और प्रदेश में डबल इंजन की सरकार जनता के कल्याण के लिए पूरी तरह समर्पित है और इसी का परिणाम है कि हरियाणा

आज तेज गति से प्रगति कर रहा है। फसल खरीद प्रक्रिया के दौरान रजिस्ट्रेशन के नए नियमों को लेकर पूछे गए प्रश्न के उत्तर में मुख्यमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार ने अधिकारियों को प्रक्रिया को सरल बनाने के निर्देश दे दिए हैं, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े।

चलती कार में लगी आग, बाल-बाल बचे मां-बेटा

एजेंसी

पानीपत। पानीपत रोहतक स्टेट हाईवे स्थित डाहर टोल प्लाजा के पास एक चलती कार में आग लग गई। हादसे में कार पूरी तरह जलकर खाक हो गई। कार चला रहा युवक और उनकी मां सुरक्षित बच गए। पुलिस के अनुसार, गांव अहर निवासी नमन शाम अपनी मां के साथ कार से पानीपत आ रहे थे। डाहर टोल प्लाजा से कुछ ही आगे निकलने पर नमन को कार में धुआं उठता दिखाई दिया। उन्होंने तुरंत सूझबूझ दिखाते हुए गाड़ी रोकी और अपनी मां को सुरक्षित बाहर निकालने के बाद गाड़ी सड़क किनारे लगाई ही थी कि कुछ ही देर में आग तेजी से गाड़ी में फैल गई। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, आग लगने का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। देखते ही देखते पूरी कार आग की लपटों में घिर गई। सूचना मिलने पर दमकल विभाग की एक गाड़ी मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। कुछ ही देर बाद पुलिस टीम भी घटनास्थल पर

पहुंची। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना में किसी प्रकार की जानमाल की हानि नहीं हुई है। हालांकि, आग इतनी भीषण थी कि कार पूरी तरह से जलने के बाद उसका सिर्फ ढांचा ही बचा है ।

विभिन्न साइंस इंडस्ट्री एसोसिएशनों ने कॉमर्शियल गैस उपलब्धता को लेकर ऊर्जा मंत्री से लगाई गुहार

एजेंसी

अंबाला । हरियाणा के ऊर्जा, परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अम्बाला छावनी की साइंस इंडस्ट्री में मध्य-पूर्व युद्ध से उत्पन्न हुए कामर्शियल गैस संकट को लेकर प्रदेश के उच्च अधिकारियों से बातचीत करते हुए इसके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि साइंस उद्यमियों के लिए कॉमर्शियल गैस की निरंतर उपलब्धता होनी चाहिए ताकि इनके कामकाज प्रभावित न हों। विज के अम्बाला छावनी स्थित आवास पर आज अम्बाला छावनी साइंस इंडस्ट्री से 'द अम्बाला साइंटिफिक इंस्ट्रूमेंट मैन्यूफेक्चरर्स एसोसिएशन' और 'साईंटिफिक अप्रेट्स मैन्यूफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टस' के पदाधिकारियों से मुलाकात करते हुए गैस उपलब्धता के लिए गुहार लगाई। एसोसिएशन पदाधिकारियों की मांग को त्वरित कार्रवाई करते हुए ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने खाद्य एवं आपूर्ति विभाग के आयुक्त एवं सचिव जे. गणेशन से

बात की और साइंस इंडस्ट्री में निरंतर कॉमर्शियल गैस उपलब्धता जारी करने को कहा। उन्होंने कहा कि अम्बाला छावनी में हजारों घरों की रोजी-रोटी साइंस इंडस्ट्री है और गैस उपलब्ध नहीं होने पर काम प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि साइंस इंडस्ट्री में गैस आपूर्ति का अलग से शेड्यूल तय कर यहां निरंतर गैस उपलब्ध कराई जाए। ऊर्जा मंत्री अनिल विज डीसी अम्बाला अजय तोमर से भी इस मामले में कार्रवाई करने के दिशा-निर्देश दिए ताकि साइंस उद्यमियों को गैस किल्लत से जुझना न पड़े।

ऊर्जा मंत्री अनिल विज द्वारा की गई त्वरित कार्रवाई पर एसोसिएशन सदस्यों व साइंस उद्यमियों ने उनका धन्यवाद जताया। साइंस उद्यमी व एसोसिएशन अध्यक्ष जतिंद्र सहगल के अलावा संजय गुप्ता, सौरभ नागपाल, नवनीत मित्तल, उमाकांत, मुकेश चोपड़ा, रजत जैन, गुरकिरपाल सिंह आदि ने बताया कि कॉमर्शियल गैस संकट की वजह से साइंस ग्लासवेयर इंडस्ट्री पर प्रभाव पड़ रहा है। वहीं, ऊर्जा मंत्री अनिल विज ने मध्य-पूर्व में युद्ध से उत्पन्न हुए तेल व गैस संकट पर कहा कि अब जो समस्या उत्पन्न हुई है वह हिंदुस्तान की वजह से नहीं बल्कि दूसरी शक्तियों की वजह से उत्पन्न हुई है जो आपस में लड़ रही है।

हरियाणा पुलिस ने बादशाह का गीत शेयर करने वाले 857 लिंक हटाए

चंडीगढ़। बॉलीवुड सिंगर बादशाह के विवादित गीत टटीरी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए हरियाणा पुलिस ने इस गीत से जुड़े 857 लिंक हटवा दिए हैं।

हरियाणा पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल द्वारा जारी जानकारी के अनुसार हटाए गए लिंक में 154 यूट्यूब वीडियो और 703 इंस्टाग्राम रील्स शामिल हैं। टटीरी गीत को लेकर पंचकूला पुलिस द्वारा सेक्टर 20 के पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस टीमें गीत से जुड़े डिजिटल कंटेंट की लगातार मॉनिटरिंग कर रही हैं और इसके प्रसार में शामिल अन्य व्यक्तियों व सोशल मीडिया हैंडल्स की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, यह कार्रवाई विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के साथ समन्वय स्थापित कर कानूनी प्रक्रिया के तहत की जा रही है, जिसके तहत संबंधित प्लेटफॉर्म्स को नोटिस जारी कर गीत

के सभी वर्जन्–री-अपलोड, शॉर्ट वीडियो और अन्य रूपों–को हटाने के निर्देश दिए गए हैं। यह कदम विशेष रूप से उन आपत्तिजनक सामग्रियों पर रोक लगाने के लिए उठाया गया है, जिनमें महिलाओं और नाबालिगों के प्रति अशोभनीय शब्दों का प्रयोग किया गया है।

पुलिस महानिदेशक अजय सिंघल ने कहा कि राज्य में महिलाओं और नाबालिगों की गरिमा के विरुद्ध किसी भी प्रकार के आपत्तिजनक कंटेंट को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और टटीरी जैसे मामलों में सख्त कानूनी कार्रवाई जारी रहेगी। इस संबंध में पुलिस के सोशल मीडिया सेल को निर्देश जारी किए गए हैं। डीजीपी ने यह भी कहा कि हरियाणा सरकार, मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में सुरक्षित और जिम्मेदार डिजिटल वातावरण बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में पुलिस और प्रशासन मिलकर निरंतर प्रभावी कदम उठा रहे हैं।

अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक शिबास कविराज ने बताया कि हरियाणा पुलिस द्वारा आम जनता को सख्त चेतावनी जारी करते हुए स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई व्यक्ति इस प्रतिबंधित गीत पर रील, शॉर्ट या अन्य वीडियो बनाता या साझा करता पाया गया, तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार सख्त कार्रवाई की जाएगी। ऐसे मामलों में संबंधित सोशल मीडिया अकाउंट्स को ब्लॉक या प्रतिबंधित किया जा सकता है तथा बार-बार उल्लंघन करने वालों पर कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया जाएगा।

गैस सिलेंडर न मिलने से गुस्साए उपभोक्ताओं ने लगाया जाम

एजेंसी

जींद। गैस सिलेंडर न मिलने पर उपभोक्ताओं का गुस्सा फूट गया और उन्होंने गोहाना रोड पर जाम लगा दिया। जाम लगने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना पुलिस मौके पर पहुंची और उपभोक्ताओं की समस्या का समाधान करवा जाम खुलवाया। हुडा ग्राउंड में रसोई गैस सिलेंडरों की डिलीवरी लेने के लिए उपभोक्ता लाइनों में लग गई। काफी देर तक जब सिलेंडर नही मिले तो उपभोक्ता खाली सिलेंडर लेकर पुलिस कालोनी के सामने जींद-गोहाना रोड पर आ गए और जाम लगा दिया। जाम लगाए उपभोक्ताओं ने बताया कि वो पारस गैस एजेंसी के उपभोक्ता हैं। पिछले तीन दिन से गैस सिलेंडर के लिए लाइन में लग रहे हैं लेकिन स्पलाई न आने की बात कह कर उन्हें चलता कर दिया जाता है। अगर स्पलाई नही आती तो पर्ची क्यों काटी जा रही है। सुबह से वे लाइन में लगे हैं। अबतक गैस की स्पलाई नही आई है। उपभोक्ताओं के बिफरने की सूचना पाकर सिविल लाइन थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और गैस एजेंसी के मैनेजर को

मौके पर बुलाया गया। जिन्होंने बताया कि स्पलाई आनी थी। कारणवश वह नही आ सकी। मंगलवार को सप्लाई आ जाएगी। समझाने के बाद उपभोक्ता शांत हो गए और मार्ग को खोल दिया।

शहीदों के बलिदान से ही सुरक्षित है देश की आजादी: आरती सिंह राव

एजेंसी

चंडीगढ़। चंडीगढ़ हरियाणा की स्वास्थ्य मंत्री आरती सिंह राव ने आज शहीदी दिवस के अवसर पर देश के महान स्वतंत्रता सेनानियों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि शहीदों का बलिदान राष्ट्र की अमूल्य धरोहर है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 23 मार्च का दिन भारतीय इतिहास में अत्यंत गौरवपूर्ण और प्रेरणादायक है। यह दिन हमें महान क्रांतिकारियों भगत सिंह, राजगुरु और सुखदेव के अद्वितीय बलिदान की याद दिलाता है, जिन्होंने देश की आज़ादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। उन्होंने कहा कि इन वीर सपूतों ने अन्याय के खिलाफ संघर्ष का जो संदेश दिया, वह आज भी देशवासियों के लिए प्रेरणास्रोत बना हुआ है।उन्होंने कहा कि शहीदों की शहादत हमें यह सिखाती है कि राष्ट्र सर्वोपरि है। देशहित में किया गया प्रत्येक त्याग आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनता है। उनके साहस, त्याग और समर्पण ने देशवासियों को स्वतंत्रता का मार्ग दिखाया और एक मजबूत राष्ट्र की नींव रखी।

आरती सिंह राव ने कहा कि

वर्तमान समय में शहीदों के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना अत्यंत आवश्यक है। उनके द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलकर ही हम एक सशक्त, समृद्ध और आत्मनिर्भर भारत का निर्माण कर सकते हैं। उन्होंने युवाओं से आह्वान किया कि वे देश की एकता, अखंडता और सामाजिक समरसता को बनाए रखने में सक्रिय भूमिका निभाएं और राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान दें। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार शहीदों और उनके परिवारों के सम्मान एवं कल्याण के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं के माध्यम से शहीद परिवारों को सहयोग और सम्मान प्रदान किया जा रहा है। उन्होंने समाज के सभी वर्गों से अपील की कि वे शहीदों के परिजनों के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाएं और उनके सम्मान में कोई कमी न आने दें। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि शहीदों का बलिदान केवल इतिहास का हिस्सा नहीं, बल्कि हमारे वर्तमान और भविष्य का मार्गदर्शक है। उनके आदर्श हमें हर परिस्थिति में राष्ट्र सेवा के लिए प्रेरित करते रहेंगे। आरती सिंह राव ने कहा कि देश के लिए अपने प्राणों की आहुति देने वाले वीरों का नाम सदैव स्वर्ण अक्षरों में अंकित रहेगा और उनका बलिदान हर भारतीय के दिल में राष्ट्रभक्ति की भावना को सदा जीवित रखेगा।

जीआरपी ने रेलवे जंक्शन पर लाया विशेष चेकिंग अभियान

एजेंसी

जींद। आतंकवादी घटनाओं पर अंकुश लगाने तथा यात्रियों को विभिन्न अपराधों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) द्वारा जिला मुख्यालय रेलवे स्टेशन जींद पर विशेष चेकिंग अभियान चलाया गया। इस अभियान के दौरान रेलवे स्टेशन पर आने-जाने वाली रेलगाडियों की सघन तलाशी ली गई तथा यात्रियों के सामान की भी बारीकी से जांच की गई।

अभियान का नेतृत्व थाना प्रभारी जीत सिंह ने किया। उनके साथ एएसआई जितेंद्र सिंह, एसपीओ संजय, आरपीएफ से एएसआई गौरव, राम खिलाड़ी सहित अन्य पुलिसकर्मी मौजूद रहे। उन्होंने मौके पर मौजूद यात्रियों को बढ़ते अपराधों के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि यदि किसी भी यात्री को कोई संदिग्ध वस्तु या लावारिस बैग दिखाई देए तो तुरंत इसकी सूचना पुलिस को दें ताकि किसी भी संभावित खतरे को समय रहते टाला जा सके। थाना प्रभारी जीत सिंह ने बताया कि रेलवे पुलिस द्वारा इस प्रकार के चेकिंग अभियान समय-समय पर चलाए जाते हैं। जबकि सुरक्षा के मद्देनजर नियमित रूप से भी ट्रेनों और स्टेशन परिसर की जांच की जाती है। उन्होंने कहा कि यात्रियों की सुरक्षा

सुनिश्चित करना जीआरपी की प्राथमिकता है। जीत सिंह ने साइबर क्राइम के बढ़ते मामलों पर चिंता जताते हुए यात्रियों को विशेष सतर्कता बरतने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति के साथ अपना मोबाइल नंबर, बैंक संबंधी जानकारी या ओटीपी साझा न करें। इसके अलावा सोशल मीडिया या फोन कॉल के माध्यम से होने वाली ठगी से बचने के लिए जागरूक रहना बेहद जरूरी है।

मुख्यमंत्री ने किया हकृवि के 63 एकड़ भूमि पर बने पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र (गोकुलपुरा) का उद्घाटन

एजेंसी

हिसार। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने भिवानी जिले के गोकुलपुरा गांव में नवनिर्मित पोषक अनाज अनुसंधान केन्द्र का सोमवार को उद्घाटन किया। इस केन्द्र के निर्माण कार्यों पर 1167.17 लाख रूपये की धनराशि खर्च की गई है।इस अनुसंधान केन्द्र का निर्माण 63 एकड़ भूमि पर किया गया है जो ग्राम पंचायत गोकलपुरा की ओर से आबंटित की गई है। राज्य सरकार की ओर से इस केन्द्र के लिए वैज्ञानिक और सहायक स्टाफ के कुल 93 पदों को मंजूरी दी गई है। इस अनुसंधान केन्द्र के शुरू होने से बाजरा, ज्वार, रागी तथा कंगनी आदि जैसे मोटे पोषक अनाज (श्रीअन्न) पर अनुसंधानों को और गति मिलेगी। इस केन्द्र पर पोषक अनाज की उच्च पैदावार वाली कीट व रोगरोधी उन्नत किस्मों का विकास व खेती की उन्नत पद्धतियों पर शोध कार्य करने के साथ देश व अन्य जगहों पर उपलब्ध पोषक अनाज के जर्मप्लाज्म का संग्रह किया जाएगा। इनके अतिरिक्त इस केन्द्र पर पोषक अनाज के प्रसंस्करण और मूल्यसंवर्धन पर कार्य करने के साथ किसानों के

उद्यमिता विकास में मदद की जाएगी। इसमें बाजरा को वैज्ञानिक तकनीक के माध्यम से और पौष्टिक बनाने तथा इसकी शेल्फ लाइफ बढ़ाने पर भी कार्य करेंगे। हमारे सभी प्रयास किसान केन्द्रित होंगे ताकि बरानी क्षेत्रों के किसानों की आमदनी को भी बढ़ाया जा सके।इसके भूतल में 9 प्रयोगशालाएं, 12 फैकल्टी रूम्स, मुख्य हॉल, क्षेत्रीय निदेशक कार्यालय, विश्राम कक्ष, सम्मेलन कक्ष, कार्यालय स्टाफ कक्ष, 4 गैरेज, प्रवेश हॉल, दो गोदाम, ब्रैशिंग हॉल आदि शामिल हैं। है। रिसर्च स्टेशन में दो कमरे, कैफेटेरिया, पेंट्री और स्टोर के साथ प्रशिक्षण कक्ष है, जिसकी क्षमता 90 व्यक्तियों की है।

गुरुग्राम में एलपीजी व पीएनजी गैस आपूर्ति की समीक्षा, डीसी अजय कुमार ने दिए आवश्यक निर्देश

एजेंसी

गुरुग्राम। जिले में एलपीजी तथा पीएनजी गैस की सुचारू आपूर्ति सुनिश्चित करने के उद्देश्य से डीसी अजय कुमार ने गैस आपूर्ति करने वाली कंपनियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की। बैठक में उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन गैस विपणन कंपनियों के साथ निरंतर समन्वय स्थापित कर स्थिति की नियमित निगरानी कर रहा है, ताकि आमजन को आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति बिना किसी बाधा के उपलब्ध कराई जा सके। डीसी अजय कुमार ने कहा कि वर्तमान में जिले में गैस आपूर्ति की स्थिति पूरी तरह सामान्य है और किसी भी प्रकार की कमी नहीं है। उन्होंने नागरिकों से अपील करते हुए कहा कि वे शांति बनाए रखें, अफवाहों पर ध्यान न दें और प्रशासन का सहयोग करें, जिससे व्यवस्था सुचारू रूप से चलती रहे। उन्होंने बताया कि जिला में घरेलू गैस की आपूर्ति और वितरण की पूरी निगरानी की जा रही है। सभी उपभोक्ता एजेंसी पर कतार लगाने की बजाए ऑनलाइन मोड, हेल्पलाइन नंबर, आईवीआरएस या मोबाइल एप के माध्यम से अपना सिलेंडर बुक करें। बैठक के दौरान डीसी ने गुरुग्राम के दोनों जोन में पीएनजी गैस की उपलब्धता को और अधिक सुदृढ़ करने के निर्देश दिए। उन्होंने प्रमुख पीएनजी आपूर्ति कंपनियों–इंद्रप्रस्थ गैस लिमिटेड तथा हरियाणा सिटी गैस–के अधिकारियों को शहरी क्षेत्रों में अपने सेवा दायरे का विस्तार करने को कहा। उपभोक्ताओं के पेंडिंग कनेक्शन जल्द से जल्द जारी किए जाए। साथ ही जिला में अपनी सेवाओं को विस्तार दें। इस पर संबंधित अधिकारियों ने अवगत कराया कि विस्तार कार्य के लिए जीएमडीए, नगर निगम गुरुग्राम तथा कुछ क्षेत्रों में एचएसवीपी से आवश्यक अनुमति प्राप्त करना आवश्यक होगा। इस संबंध में डीसी ने आश्वस्त करते हुए कहा कि प्रशासनिक स्तर पर किसी भी प्रकार की मंजूरी लंबित नहीं रहने दी जाएगी।

शेयर बाजार तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 1,372, निफ्टी 399 अंक उछला।

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को बढ़त के साथ बंद हुआ। सप्ताह के दूसरे ही कारोबारी दिन ये तेजी मध्यपर्व में संघर्ष सामाप्त होने की संभावओं के कारण आई है। इससे घरेलू बाजार में भी खरीददारी हावी रही। ।

ऑटो और बैंक शेयरों में भी उछाल आया।, जिससे दोनों प्रमुख बेंचमार्क अपने दिन के उच्चतम स्तर के करीब बंद हुए। दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 1,372.06 अंकों की बढ़त के साथ 74,068.45 पर बंद हुआ जबकि 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 399.75 अंक उछलकर 22,912.40 पर था। आज सेंसेक्स एक समय 74,489.39 पर दिन के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया जबकि निफ्टी एक समय 23,057.30 तक पहुंच गया। व्यापक बाजारों ने बेंचमार्क सूचकांकों से बेहतर प्रदर्शन किया। निफ्टी मिडकैप में 2.60 फीसदी की तेजी रही जबकि निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स में 2.63 फीसदी की बढ़त रही।

ऑटो सेक्टर में 2.43 प्रतिशत की बढ़त दर्ज रही जबकि निफ्टी मीडिया में 3.45 प्रतिशत की तेजी आई। निफ्टी बैंक सेक्टर 2.27 फीसदी की तेजी रही।

निफ्टी आईटी में 1.72 फीसदी जबकि निफ्टी एफएमसीजी में 1.25 फीसदी की तेजी आई।आज इंडिगो और एलएंडटी के शेयरों में सबसे ज्यादा 5.49 फीसदी और 5.17 फीसदीकी बढ़त दर्ज की गई। इसके बाद बजाज फाइनेंस, इटरनल, एशियन पेंट्स और अपोलो हॉस्पिटल के शेयरों में भी अच्छी तेजी रही। कोल इंडिया, पावरग्रिड, सन फार्मा और सिप्ला के शेयरों में गिरावट आई।बाजार में आई तेजी से बीएसई में सूचीबद्ध कंपनियों के कुल बाजार पूंजीकरण में 7.74 लाख करोड़ रुपए की बढ़त आई। इससे गत दिवस के 15.11 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 422.85 लाख करोड़ रुपए हो गया। इस प्रकार एक ही दिन में निवेशकों को करीब 8 लाख करोड़ रुपए का लाभ हुआ। इससे पहले आज सुबह बाजार ने मजबूती के साथ कारोबार की शुरुआत की। एशियाई बाजारों में सकारात्मक रुख और अमेरिका तथा ईरान के बीच तनाव कम होने की उम्मीदों ने निवेशकों के मनोबल को बढ़ाया।

सेंसेक्स 500 से अधिक अंकों की बढ़त के साथ 74,212.47 पर खुला।

सुबह शुरुआत के बाद सेंसेक्स 1067.47 अंकों की बढ़त के साथ लगभग 73,763.86 के स्तर पर कारोबार कर रहा था। वहीं निफ्टी-50 भी मजबूत शुरुआत के साथ 22,878 पर खुला।

। बाजार में इस तेजी के पीछे प्रमुख कारण अमेरिका और ईरान

के बीच संभावित बातचीत की खबर है।

अमेरिका के राष्ट्रपति ने सोमवार को कहा था

कि दोनों देशों के बीच सकारात्मक और सार्थक चर्चा हुई है, जिससे लंबे समय से चले आ रहे तनाव का समाधान निकल सकता है।

विशेषज्ञों के अनुसार वैश्विक स्तर पर तनाव कम होने की उम्मीद से निवेशकों में जोखिम लेने की प्रवृत्ति बढ़ती है

, जिसका असर बाजार में तेजी के रूप में दिखता है।

भारतीय रेलवे ने किए बड़े बदलाव, टिकट रिफंड और अपग्रेड नियम हुए सख्त

8 घंटे पहले टिकट रद्द करने पर यात्रियों को कोई रिफंड नहीं मिलेगा

नई दिल्ली ।

भारतीय रेलवे ने यात्रियों के अनुभव को बेहतर बनाने और टिकट नीतियों में सुधार के लिए नए नियम लागू किए हैं। अब टिकट कैंसिलेशन पर सख्ती बढ़ा दी गई है। ये नए नियम 1 अप्रैल से 15 अप्रैल के बीच लागू होंगे। रेलवे ने कहा है कि यात्रियों को इन बदलावों को ध्यान में रखते हुए अपनी योजना बनानी चाहिए।नए नियमों के अनुसार, अगर कोई यात्री यात्रा से 8 घंटे पहले टिकट रद्द करता है तो उसे कोई रिफंड नहीं मिलेगा। वहीं 24 से 8 घंटे पहले रद्द करने पर केवल 50 फीसदी रिफंड मिलेगा। तीन दिन (72 घंटे) पहले रद्द करने पर भी पूरे पैसे नहीं मिलेंगे, बल्कि 25 फीसदी कटौती के साथ सिर्फ 75 फीसदी राशि लौटाई जाएगी। यात्रियों के लिए राहत की बात यह है कि अब ऑफलाइन टिकट रद्द कराने के लिए उसी स्टेशन पर जाने की जरूरत नहीं है जहां टिकट खरीदी गई थी। देश के किसी भी रेलवे स्टेशन पर जाकर रिफंड लिया जा सकेगा। इससे यात्रियों की भागदौड़ कम होगी और सुविधा बढ़ेगी। रेलवे ने यात्रा को और सुविधाजनक बनाने के लिए भी कई कदम उठाए हैं। अब यात्री ट्रेन खुलने के आधे घंटे पहले तक कोच या क्लास बदल सकते हैं, यानी स्लीपर से एसी में अपग्रेड संभव होगा। इसके अलावा, अगर कोई यात्री तय स्टेशन के बजाय आगे के किसी स्टेशन से ट्रेन पकड़ना चाहता है, तो मोबाइल ऐप के जरिए बोर्डिंग पॉइंट बदलना अब आसान होगा। इन बदलावों का मकसद यात्रियों को अधिक लचीलापन देना और सीट आवंटन प्रक्रिया को पारदर्शी बनाना है।

राजस्थान में पेट्रोल-डीजल की कीमतों में उतार-चढ़ाव जारी

जयपुर ।

राजस्थान की राजधानी जयपुर में मंगलवार को पेट्रोल 104.72 रुपये और डीजल 90.21 रुपये प्रति लीटर पर स्थिर हैं। पिछले 10 दिनों में पेट्रोल का दायरा 104.72 से 105.21 रुपये और डीजल का 90.21 से 90.65 रुपये के बीच रहा। राजधानी में स्थिरता के बावजूद राज्य के अन्य जिलों में कीमतों में हल्की बढ़त और गिरावट देखी गई। अजमेर में पेट्रोल 0.17 रुपये बढ़कर 104.53 रुपये और अलवर में 0.36 रुपये घटकर 104.83 रुपये प्रति लीटर रही। बांसवाड़ा, बाड़मेर, बीकानेर और श्रीगंगानगर में दाम लगभग स्थिर 106.20 से 106.21 रुपये के बीच हैं। नागौर में सबसे अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई, पेट्रोल 1.01 रुपये बढ़कर 106.29 रुपये प्रति लीटर हुआ। दौसा और कोटा में क्रमशः 0.70 और 0.67 रुपये की बढ़त दर्ज की गई। वहीं, डीग में 0.69 रुपये और जोधपुर में 0.34 रुपये की गिरावट हुई। झुंझुनूं, चूरू और सिरोही में भी कीमतें कम हुईं। डीजल की कीमत जयपुर में स्थिर बनी रही, लेकिन अन्य जिलों में बदलाव नजर आया। अजमेर में 0.16 रुपये की बढ़त हुई और अलवर में 0.32 रुपये की गिरावट दर्ज की गई। नागौर में 0.93 रुपये की सबसे बड़ी बढ़ोतरी हुई। दौसा और कोटा में क्रमशः 0.63 और 0.61 रुपये बढ़े, जबकि डीग और जोधपुर में दाम घटकर क्रमशः 89.75 और 90.00 रुपये पर आ गए। विशेषज्ञों का कहना है कि अंतरराष्ट्रीय कच्चे तेल की कीमतें, डॉलर-रुपये का विनिमय दर और टैक्स स्ट्रक्चर ईंधन की कीमतों को प्रभावित कर रहे हैं।

उपभोक्ताओं को रोजाना रेट्स चेक करने की सलाह दी जा रही है, क्योंकि राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मामूली बदलाव हमेशा संभव हैं।

टाटा पावर ने जीयूवीएनएल के साथ अनुपूरक बिजली खरीद समझौते किए

– संयंत्र संचालन अस्थायी रूप से किया गया निलंबित

नई दिल्ली।

टाटा पावर की इकाई कोस्टल गुजरात पावर लिमिटेड (सीजीपीएल) ने गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड (जीयूवीएनएल) के साथ मूंदड़ा अल्ट्रा मेगा पावर प्रोजेक्ट (यूएमपीपी) के लिए अनुपूरक बिजली खरीद समझौता (पीपीए) पर हस्ताक्षर किए हैं। कंपनी ने शेयर बाजार को बताया कि यह कदम मूंदड़ा स्थित संयंत्र की इकाइयों के अस्थायी निलंबन के कारण हुआ नुकसान कम करने के लिए उठाया गया है। 2 जुलाई 2025 को संयंत्र की सभी पांच इकाइयों (प्रत्येक 800 मेगावाट) का संचालन अस्थायी रूप से बंद कर दिया गया था। बंद रहने के कारण कंपनी को आर्थिक नुकसान का सामना करना पड़ रहा था। कंपनी ने पहले ही शेयर बाजार को सूचित किया था कि गुजरात मंत्रिमंडल ने इस अनुपूरक पीपीए को मंजूरी दे दी है और इसके लिए सरकारी आदेश भी जारी किया जा चुका है। नियामकीय मंजूरी मिलने के बाद ही समझौते पर हस्ताक्षर किए गए।

इस समझौते से सीजीपीएल को संयंत्र बंद रहने के दौरान भी बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी। टाटा पावर की योजना इसी तरह के अनुपूरक समझौते अन्य राज्यों, जैसे महाराष्ट्र, राजस्थान, पंजाब और हरियाणा के साथ करने की भी है। मूंदड़ा यूएमपीपी कच्छ, गुजरात में स्थित एक 4,000 मेगावाट का

कोयला आधारित ताप विद्युत संयंत्र है। इसमें पांच इकाइयां हैं, प्रत्येक की क्षमता 800 मेगावाट। यह संयंत्र गुजरात, महाराष्ट्र, पंजाब, हरियाणा और राजस्थान को बिजली आपूर्ति करता है। कंपनी का कहना है कि अनुपूरक पीपीए से संयंत्र के अस्थायी बंद होने से होने वाले नुकसान को कम करने में मदद मिलेगी और यह बिजली आपूर्ति की स्थिरता सुनिश्चित करेगा।

एचडीएफसी बैंक में चेयरमैन के इस्तीफे के बाद बाहरी जांच शुरू

नई दिल्ली ।

देश के दूसरे सबसे बड़े निजी बैंक एचडीएफसी में अचानक बदलाव ने कॉरपोरेट गवर्नेंस को लेकर बहस छेड़ दी है। बैंक के पार्ट-टाइम चेयरमैन अतनु चक्रवर्ती ने 18 मार्च 2026 से अपना पद छोड़ दिया। उन्होंने इस्तीफे में बैंक के भीतर कुछ प्रथाओं और गतिविधियों का हवाला दिया, जो उनके व्यक्तिगत मूल्यों और नैतिकता के अनुरूप नहीं थीं। चक्रवर्ती ने स्पष्ट किया कि उनके इस्तीफे के पीछे कोई अन्य महत्वपूर्ण वजह नहीं है। बैंक ने उनके इस्तीफे में उठाए गए मुद्दों की जांच के लिए बाहरी लॉ फर्म्स नियुक्त की हैं। बैंक प्रवक्ता के अनुसार यह कदम पूरी तरह प्रोएक्टिव है और इसका उद्देश्य स्वतंत्र, निष्पक्ष और तथ्यपरक समीक्षा करना है। बैंक दशकों से अपनाए गए उच्चतम गवर्नेंस मानकों के अनुरूप खुद को परखता रहा है और यह पहल उसी दिशा में उठाया गया कदम है।

हिमाचल प्रदेश की वित्तीय स्थिति चुनौतीपूर्ण, कर्ज और ब्याज बोझ बढ़ा

वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया

शिमला ।

हिमाचल प्रदेश सरकार ने वित्त वर्ष 2025-26 में अब तक 41,173 करोड़ रुपये कर्ज लिया और 32,004 करोड़ रुपये चुकाए। इस तरह कुल ऋण देनदारी 2025-26 में 1,03,994 करोड़ रुपये रही, जो 2026-27 में बढ़कर 1,12,319 करोड़ रुपये होने का अनुमान है। पिछले तीन वर्षों में कर्ज लगातार बढ़ता रहा- 2022-23 में 76,681 करोड़, 2023-24 में 85,295 करोड़ और 2024-25 में 93,625 करोड़। ब्याज भुगतान 2024-25 में 6,261 करोड़ था, जो 2025-26 में 6,693 करोड़ और 2026-27 में 7,271 करोड़ तक बढ़ने का अनुमान है। वेतन, पेंशन, कर्ज और ब्याज जैसी प्रतिबद्धताओं पर कुल बजट का लगभग 80 फीसदी खर्च होता है। सब्सिडी घटाकर 2026-27 में 859 करोड़ रुपये, 2027-28 में 911 करोड़ और 2028-29 में 965 करोड़ रुपये करने का अनुमान है। इससे पूंजीगत कार्यों और अन्य विकास परियोजनाओं के लिए केवल 20 फीसदी बजट बचता है।

मिडिल ईस्ट तनाव के बीच सोना-चांदी के भाव में गिरावट

नई दिल्ली ।

मिडिल ईस्ट में बढ़ते कूटनीतिक तनाव और ईरान-अमेरिका के बीच जुबानी टकराव ने सोना और चांदी के निवेशकों को हैरान कर दिया है। मंगलवार सुबह मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने और चांदी की कीमतों में भारी गिरावट देखने को मिली। वैश्विक स्तर पर हॉर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने की आशंकाओं और ईरान के अमेरिकी ठिकानों पर हमले तेज करने की खबरों ने बाजार को हिलाकर रख दिया। अप्रैल वायदा सोना 1,36,945 रुपये प्रति 10 ग्राम पर आ गया, जो पिछले बंद भाव से 2,315 रुपये कम है। वहीं चांदी का मई अनुबंध 2,15,765 रुपये प्रति किलोग्राम पर फिसल गया, यानी 9,569 रुपये की गिरावट। दिल्ली में 24 कैरेट सोना 14,050, 22 कैरेट 12,880 और 18 कैरेट 10,541 रुपए प्रति ग्राम पर कारोबार कर रहा है। सोने की अंतरराष्ट्रीय कीमतें लगभग 4,300 डॉलर प्रति औंस पर संघर्ष कर रही हैं। इसका मुख्य कारण ईरान और अमेरिका के बीच बढ़ती अनिश्चितता और तेल की बढ़ती कीमतें हैं। सोमवार को जब ट्रंप ने बातचीत का संकेत दिया था, तब कीमतें थोड़ी उछली थीं, लेकिन अब अनिश्चितता और भू-राजनीतिक दबाव ने फिर से कीमतों को नीचे धकेल दिया है। मार्च में सोना अपने शिखर से लगभग 25 प्रतिशत नीचे आ चुका है। ऊर्जा की बढ़ती कीमतें और संभावित ब्याज दरों में वृद्धि निवेशकों के लिए सतर्क रहने का संकेत देती हैं। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि इस समय बाजार में छोटे उतार-चढ़ाव पर जल्दबाजी में निवेश निर्णय न लें।

एसीएमई सोलर ने राजस्थान में 155 मेगावाट बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली शुरू की

नई दिल्ली ।

एसीएमई सोलर होल्डिंग्स ने अपनी अनुषंगी कंपनियों के माध्यम से राजस्थान में 155 मेगावाट /470.25 मेगावाट-घंटा बैटरी ऊर्जा भंडारण प्रणाली (बीईएसएस) लॉन्च की है। अब कंपनी की कुल चालू बीईएसएस क्षमता 297.67 मेगावाट/951.74 मेगावाट-घंटा हो गई है। ये बैटरियां मौजूदा अंतर-राज्यीय प्रसारण प्रणाली से जुड़ी हैं और मुक्त बाजार के आधार पर संचालित होंगी। कम मांग के समय चार्ज और उच्च मांग में ऊर्जा निर्वहन से अतिरिक्त राजस्व होगा। विशेष इकाई के तहत कुल बीईएसएस क्षमता 835 मेगावाट/3,114.64 मेगावाट-घंटा है। एसीएमई सोलर का कुल नवीकरणीय ऊर्जा पोर्टफोलियो 8,071 मेगावाट है, जिसमें सौर, पवन, भंडारण और मिश्रित समाधान शामिल हैं। यह कदम न केवल ऊर्जा संतुलन बढ़ाएगा बल्कि ग्रिड की स्थिरता में भी योगदान देगा।

जीएसपी क्रॉप साइंस का शेयर चार प्रतिशत की बढ़त के साथ सूचीबद्ध

नई दिल्ली ।

कृषि रसायन कंपनी जीएसपी क्रॉप साइंस लिमिटेड का शेयर मंगलवार को अपने निर्गम मूल्य 320 रुपए के मुकाबले 3.84 रुपए की बढ़त के साथ बीएसई पर 332.30 रुपए पर सूचीबद्ध हुआ। लिस्टिंग के बाद शेयर में और तेजी आई और यह 362.30 रुपए तक पहुंच गया, जो लगभग 13.21 फीसदी की बढ़त दर्शाता है। कंपनी का 400 करोड़ रुपये का आईपीओ 304-320 रुपये प्रति शेयर के मूल्य दायरे में आया था। अंतिम बोली के दिन आईपीओ को 1.61 गुना अभिदान मिला, जिससे इसकी लोकप्रियता का अंदाजा लगाया जा सकता है। कंपनी ने आईपीओ से जुटाई गई 170 करोड़ रुपए की राशि का एक हिस्सा ऋण भुगतान के लिए और बाकी सामान्य कॉर्पोरेट उद्देश्यों के लिए रखने की योजना बनाई है। जीएसपी क्रॉप साइंस 39 वर्षों से अधिक समय से भारत में कीटनाशक, खरपतवारनाशक, फफूंदनाशक और पादप वृद्धि नियामकों के विकास एवं विनिर्माण में सक्रिय है।

यह एक अनुसंधान-केंद्रित कृषि रसायन कंपनी के रूप में जानी जाती है।

बासमती चावल निर्यातक कंपनी एक्सपोर्ट्स का आईपीओ खुला

नई दिल्ली।

हरियाणा स्थित बासमती चावल निर्यातक कंपनी अमीर चंद जगदीश कुमार ;एक्सपोर्ट्स लिमिटेड का आईपीओ मंगलवार को खुल गया। यह पेशकश पूरी तरह से नए इक्विटी शेयरों की होगी और इसमें कोई ऑफर फॉर सेल ;ओएफएस शामिल नहीं है। कंपनी ने अपने शेयरों का प्राइस बैंड 201 से 212 रुपए प्रति शेयर तय किया है। अपर प्राइस बैंड पर कुल इश्यू साइज 400 करोड़ रुपए का है। नॉन.लिस्टेड शेयर मंगलवार को ग्रे मार्केट में 219 रुपए पर कारोबार कर रहे थेए जो आईपीओ के अपर प्राइस बैंड 212 रुपए के मुकाबले 3 फीसदी प्रीमियम दर्शाता है। इसका संकेत है कि निवेशकों में आईपीओ को लेकर सकारात्मक भावना है। ब्रोकरेज हाउस एंजल वन ने इस आईपीओ को सब्सक्राइब फॉर लॉन्ग टर्म रेटिंग दी है। ब्रोकरेज के अनुसार अपर प्राइस बैंड पर कंपनी का इश्यू के बाद प्राइस अर्निंग रेश्यो 22ण्6 गुना है। यह वैल्यूएशन बासमती चावल सेक्टर की अन्य लिस्टेड कंपनियों की तुलना में संतुलित माना जा रहा है। मजबूत निर्यात कारोबार और ब्रांडेड एवं घरेलू खंड में विस्तार के अवसर इसे आकर्षक बनाते हैं। रिटेल निवेशक अधिकतम 70 शेयर प्रति आवेदन खरीद सकते हैंए जिससे 1 लॉट की कीमत 14ए840 रुपए होगी। कुल आईपीओ का 50 फीसदी

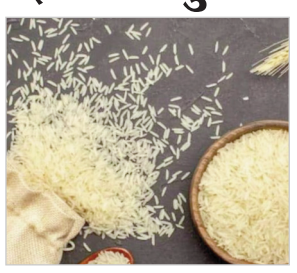

योग्य संस्थागत निवेशकों के लिएए 35 फीसदी रिटेल निवेशकों के लिए और 15 फीसदी नॉन.इंस्टीट्यूशनल निवेशकों के लिए रिजर्व है।

भारत का ऑयल और गैस सेक्टर पश्चिम एशिया तनाव से प्रभावित

देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की गिरावट

नई दिल्ली।

पश्चिम एशिया में चल रहे तनाव के बीच भारत का ऑयल और गैस सेक्टर भारी दबाव में है। एंटीक स्टॉक ब्रोकरेज की रिपोर्ट के अनुसार इस संकट के कारण देश में गैस सप्लाई में लगभग 45-47 एमएमएससीएमडी की कमी हुई है। सबसे अधिक असर गैल पर पड़ा है, जबकि ओएनजीसी को इसका लाभ मिलने की संभावना है। रिपोर्ट में कहा गया है कि ओएनजीसी के नए प्रोजेक्ट्स जैसे दमन और केजी बेसिन में उत्पादन बढ़ने वाला है। इसके साथ ही कच्चे तेल की कीमतें ऊंची बनी हुई हैं और विंडफॉल टैक्स की वापसी की संभावना नहीं है, जिससे कंपनी की कमाई बढ़ने की उम्मीद है। ब्रोकरेज ने मौजूदा स्तर पर ओएनजीसी के शेयर को आकर्षक बताया और 'बाय' की सलाह दी। गैल को गैस सप्लाई में कमी के कारण हर महीने 250-300 करोड़ रुपये का नुकसान हो सकता है। हालांकि, सरकार की गैस पूलिंग व्यवस्था से कंपनी को कुछ राहत मिल रही है, जिससे महंगी गैस खरीदने पर होने वाले नुकसान से बचाव हो रहा है। हाल ही में शेयर में गिरावट आई है, जिससे निवेश का मौका बन सकता है। ब्रोकरेज ने इस शेयर पर भी 'बाय' की सलाह दी है। पेट्रोनेट एलएनजी के दाहेज टर्मिनल की उपयोग क्षमता घटकर करीब 50 प्रतिशत हो गई है। इसके बावजूद कंपनी की कमाई पर ज्यादा असर नहीं पड़ा क्योंकि इसका बिजनेस

मॉडल सुरक्षित है। ब्रोकरेज ने कहा कि अब इसमें जोखिम कम है और सुधार की संभावना है। आईजीएल की बिक्री फिलहाल ठीक चल रही है, लेकिन आने वाले समय में मार्जिन पर दबाव बढ़ सकता है। सस्ती गैस की सप्लाई धीरे-धीरे कम हो रही है, जिससे अगले 2-3 साल में मार्जिन प्रभावित हो सकता है।

केपीआईएल को टीएंडडी कारोबार में 4,439 करोड़ के ठेके मिले

नई दिल्ली ।

कल्पतरु प्रोजेक्ट्स इंटरनेशनल लिमिटेड (केपीआईएल) और उसकी अनुषंगी कंपनियों को पारेषण एवं वितरण (टीएंडडी) क्षेत्र में करीब 4,439 करोड़ रुपये के ठेके मिले हैं। इनमें अफ्रीका में 400 किलोवाट पारेषण लाइन और सबस्टेशन, भारत में पारेषण लाइन परियोजनाएं और स्वीडन में एक सबस्टेशन परियोजना शामिल हैं। कंपनी के एक वे रिष्ठ अे धिकारी ने कहा कि टीएंडडी कारोबार कंपनी को अपनी मजबूत बाजार स्थिति और एकीकृत क्षमताओं का लाभ उठाकर विश्वस्तरीय ईपीसी समाधान प्रदान करने में सक्षम बनाता है। उन्होंने यह भी बताया कि नए ठेकों के साथ कंपनी ने 26,000 करोड़ रुपये के वार्षिक ऑर्डर लक्ष्य को पार कर लिया है। केपीआईएल मुख्यतः बिजली पारेषण और वितरण, भवन एवं कारखाने, जल आपूर्ति और सिंचाई, रेलवे, तेल एवं गैस पाइपलाइन, शहरी परिवहन, राजमार्ग और हवाई अड्डों में कार्य करती है। यह कंपनी ईपीसी क्षेत्र में प्रमुख विशेषज्ञ के रूप में जानी जाती है और अपने घरेलू और अंतरराष्ट्रीय प्रोजेक्ट्स के जरिए उद्योग में मजबूत स्थिति बनाए रखती है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था

ललित गर्ग

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है।

तेज होती हथियारों की होड़ और अस्थिर होती विश्व व्यवस्था आज मानव सभ्यता के सामने सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक बनकर खड़ी है। दुनिया एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई है जहां युद्ध केवल सीमाओं पर लड़े जाने वाले संघर्ष नहीं रह गए हैं, बल्कि उनका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा व्यवस्था, पर्यावरण, सृष्टि-संतुलन, खाद्य सुरक्षा और सामाजिक स्थिरता तक पहुंच रहा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव, ईरान और इजरायल के बीच हमलों का नया दौर, अमेरिका की रणनीतिक भूमिका, रूस-यूक्रेन युद्ध और चीन-ताइवान तनाव जैसे अनेक घटनाक्रम मिलकर यह संकेत दे रहे हैं कि दुनिया एक बार फिर हथियारों की दौड़ और शक्ति संतुलन की राजनीति की ओर लौट रही है। यह स्थिति केवल राजनीतिक या सामरिक नहीं, बल्कि मानवीय संकट का संकेत भी है, क्योंकि जब दुनिया हथियारों पर ज्यादा खर्च करती है तो विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य और पर्यावरण जैसे क्षेत्र पीछे छूट जाते हैं।

आज हर देश अपनी सुरक्षा के नाम पर हथियार खरीद रहा है, सेना को मजबूत कर रहा है और सैन्य बजट बढ़ा रहा है। यह एक ऐसी दौड़ बन गई है जिसमें कोई भी देश पीछे नहीं रहना चाहता। लेकिन विडंबना यह है कि जितने अधिक हथियार बढ़ रहे हैं, दुनिया उतनी ही असुरक्षित होती जा रही है। सुरक्षा की यह मानसिकता वास्तव में असुरक्षा का ही परिणाम है। एक देश हथियार बढ़ाता है तो दूसरा देश भी हथियार बढ़ाता है और इस तरह एक अविश्वास का वातावरण बन जाता है। यह अविश्वास ही युद्ध की जमीन तैयार करता है। विशेषज्ञों का अनुमान है कि आने वाले वर्षों में दुनिया का सैन्य खर्च कई गुना बढ़ जाएगा और यह पैसा मानव विकास के बजाय विनाश की तैयारी में खर्च होगा। यह स्थिति मानव सभ्यता के लिए शुभ संकेत नहीं है। पश्चिम एशिया का संकट इस समय दुनिया के लिए सबसे बड़ा खतरा बनता दिखाई दे रहा है। ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते हमले, समुद्री मार्गों की सुरक्षा को लेकर तनाव और बड़े देशों की प्रत्यक्ष या परोक्ष भागीदारी ने इस क्षेत्र को युद्ध के कगार पर खड़ा कर दिया है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा समुद्री मार्ग खोलने की चेतावनी को खारिज करते हुए ईरान ने इजरायल पर हमलों का नया दौर शुरू किया है, जिससे यह संकट और अधिक गंभीर हो गया है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है तो इसका प्रभाव केवल इस क्षेत्र तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरी दुनिया पर पड़ेगा, क्योंकि यह क्षेत्र दुनिया की ऊर्जा आपूर्ति का केंद्र है।

दुनिया की अर्थव्यवस्था का बड़ा हिस्सा तेल और गैस पर निर्भर है और पश्चिम एशिया तेल उत्पादन का सबसे बड़ा क्षेत्र है। यदि वहां युद्ध बढ़ता है या समुद्री मार्ग बाधित होते हैं तो तेल की कीमतें तेजी से बढ़ेंगी। तेल महंगा होगा तो पेट्रोल-डीजल महंगा होगा, परिवहन महंगा होगा, उत्पादन लागत बढ़ेगी और अंततः हर वस्तु महंगी हो जाएगी। यानी एक वैश्विक महंगाई का दौर शुरू हो सकता है। महंगाई बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्ग सबसे ज्यादा प्रभावित होगा। इसके साथ ही वैश्विक अर्थव्यवस्था मंदी की ओर भी जा सकती है। पहले से ही कई देश आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं और यदि ऊर्जा संकट बढ़ता है तो स्थिति और गंभीर हो जाएगी। भारत जैसे देश भी इस स्थिति से अछूते नहीं रह सकते, क्योंकि भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों का बड़ा हिस्सा आयात करता है। इसी खतरे को देखते हुए भारत सरकार ने ऊर्जा आपूर्ति, पेट्रोल-डीजल, गैस और उर्वरकों की उपलब्धता बनाए रखने को लेकर तैयारी शुरू कर दी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंत्रियों के साथ आपात बैठक कर ऊर्जा आपूर्ति को सुचारू बनाए रखने और संभावित संकट से निपटने की रणनीति पर चर्चा की। केवल केंद्र सरकार की तैयारी पर्याप्त नहीं होगी, राज्य सरकारों को भी इस स्थिति को समझते हुए ऊर्जा संरक्षण, आपूर्ति प्रबंधन और आवश्यक वस्तुओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की दिशा में कदम उठाने होंगे।

इस पूरे परिदृश्य में सबसे बड़ी चिंता यह है कि दुनिया युद्ध को रोकने के बजाय उसकी तैयारी ज्यादा कर रही है। युद्ध शुरू करना आसान होता है, लेकिन उसे रोकना बहुत कठिन होता है। इतिहास गवाह है कि कई युद्ध ऐसे हुए जो कुछ दिनों के लिए शुरू हुए लेकिन वर्षों तक चलते रहे और उन्होंने पूरी दुनिया को प्रभावित किया। आज भी यदि पश्चिम एशिया का युद्ध फैलता है तो यह केवल दो या तीन देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि बड़े देशों की भागीदारी से यह वैश्विक संघर्ष का रूप ले सकता है। इसलिए यह जरूरी हो गया है कि विश्व के बड़े देश आगे बढ़कर युद्ध विराम की पहल करें और वार्ता का रास्ता निकालें। अमेरिका की भूमिका इस पूरे संकट में बहुत महत्वपूर्ण है। यदि अमेरिका चाहे तो वह इजरायल पर दबाव डाल सकता है, ईरान के साथ वार्ता शुरू करा सकता है और संयुक्त राष्ट्र के माध्यम से युद्ध विराम की दिशा में कदम उठा सकता है। कूटनीति का रास्ता हमेशा युद्ध से बेहतर होता है, क्योंकि युद्ध में अंततः नुकसान सभी का होता है। युद्ध में सैनिक मरते हैं, नागरिक मरते हैं, शहर बर्बाद होते हैं, अर्थव्यवस्था टूटती है और आने वाली पीढ़ियां तक उसके दुष्परिणाम झेलती हैं। इसलिए आज दुनिया को हथियारों की दौड़ नहीं, शांति की दौड़ की जरूरत है।

हथियारों की होड़ का सबसे बड़ा नुकसान यह है कि इससे विकास रुक जाता है। दुनिया के कई देश ऐसे हैं जहां आज भी लोग गरीबी, भूख, बीमारी और अशिक्षा से जूझ रहे हैं, लेकिन सरकारें शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च बढ़ाने के बजाय हथियारों पर खर्च बढ़ा रही हैं। यह मानवता के साथ एक तरह का अन्याय है। यदि दुनिया का सैन्य बजट का एक छोटा हिस्सा भी शिक्षा और स्वास्थ्य पर खर्च कर दिया जाए तो दुनिया से गरीबी और भूख को काफी हद तक खत्म किया जा सकता है। लेकिन दुर्भाग्य से दुनिया की राजनीति अभी भी शक्ति संतुलन और सैन्य प्रभुत्व के इर्द-गिर्द घूम रही है। आज आवश्यकता इस बात की है कि विश्व नेतृत्व यह समझे कि असली शक्ति हथियारों में नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था, विज्ञान, शिक्षा और मानव विकास में होती है। जो देश अपने नागरिकों को बेहतर जीवन देता है, वही वास्तव में शक्तिशाली देश होता है। युद्ध और हथियार केवल विनाश लाते हैं, विकास नहीं। इसलिए दुनिया को यह तय करना होगा कि उसे हथियारों की दुनिया बनानी है या मानवता की दुनिया। यदि वर्तमान परिस्थितियों में युद्ध नहीं रुके और हथियारों की होड़ इसी तरह बढ़ती रही तो आने वाले वर्षों में दुनिया को महंगाई, बेरोजगारी, आर्थिक मंदी, ऊर्जा संकट और सामाजिक अस्थिरता जैसे अनेक संकटों का सामना करना पड़ सकता है। यह स्थिति पूरी मानवता के लिए खतरनाक होगी। इसलिए अब समय आ गया है कि विश्व के सभी देश अपने संकीर्ण राष्ट्रीय हितों से ऊपर उठकर वैश्विक हितों के बारे में सोचें और युद्ध के बजाय शांति, सहयोग और सहअस्तित्व का मार्ग अपनाएं। मानव सभ्यता का भविष्य हथियारों से नहीं, बल्कि शांति, संवाद और सहयोग से सुरक्षित हो सकता है। यही समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है और यही मानवता की सबसे बड़ी जिम्मेदारी भी।

युद्ध का अंधेरा मानवता को केवल विनाश, महंगाई, भय और अस्थिरता देता है, जबकि दुनिया को आज शांति, संवाद और स्थिरता का उजाला चाहिए, और इस दिशा में भारत की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो सकती है। आज वैश्विक परिदृश्य में भारत केवल एक उभरती अर्थव्यवस्था नहीं बल्कि एक नैतिक शक्ति के रूप में देखा जा रहा है, और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का व्यक्तित्व एक ऐसे विश्व नेता के रूप में उभरा है जो युद्ध नहीं, संवाद-संघर्ष नहीं, सहयोग और हिंसा नहीं, सहअस्तित्व की बात करता है। भारत बुद्ध, महावीर और गांधी की अहिंसा की परंपरा का देश है, इसलिए भारत यदि सक्रिय कूटनीतिक पहल करे, युद्धरत देशों के बीच संवाद का सेतु बने, संयुक्तराष्ट्र के मंच पर युद्ध विराम की ठोस पहल करे, तो वह विश्व राजनीति को नई दिशा दे सकता है। मोदी यदि शांति, अहिंसा, वैश्विक संवाद और आर्थिक सहयोग के चार सूत्रों पर विश्व को साथ लाने की पहल करें तो भारत वास्तव में विश्व शांति का मार्गदर्शक बन सकता है और युद्ध की दिशा में बढ़ती दुनिया को शांति और स्थिरता की दिशा में मोड़ने में ऐतिहासिक भूमिका निभा सकता है।

संपादकीय

देर से आए और दुरुस्त नहीं आए

21 मार्च को नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शाम साढ़े चार बजे के करीब सोशल मीडिया पर पोस्ट लिखी कि रुपये का डॉलर के मुकाबले कमजोर होकर 100 की तरफ बढ़ना और इंडस्ट्रियल फ्यूल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी - ये सिर्फ आंकड़े नहीं, आने वाली महंगाई के साफ संकेत हैं। सरकार चाहे इसे 'नॉर्मल' बताए, लेकिन हकीकत ये है कि उत्पादन और ट्रांसपोर्ट महंगे होंगे, लघु और अतिलघु उद्योगों (एमएसएमई) को सबसे ज्यादा चोट लगेगी, रोजमर्रा की चीजों के दाम बढ़ेंगे, विदेशी निवेशकों का पैसा और तेजी से बाहर जाएगा, जिससे शेयर बाजार पर दबाव बढ़ेगा, यानी हर परिवार की जेब पर इसका सीधा और गहरा असर पड़ना तय है। और यह सिर्फ वक्त की बात है - चुनाव के बाद पेट्रोल, डीजल, एलपीजी की कीमतें भी बढ़ा दी जाएंगी। राहुल गांधी ने आगे लिखा कि मोदी सरकार के पास न दिशा है, न रणनीति - सिर्फ बयानबाजी है। सवाल यह नहीं कि सरकार क्या कह रही है- सवाल यह है कि आपकी थाली में क्या बचा है। शनिवार को लिखी इस पोस्ट के बाद नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को आकर संसद में मध्यपूर्व में चल रहे युद्ध पर सरकार के नजरिए को सामने रखा। हालांकि युद्ध 28 फरवरी से चल रहा है और इस बीच संसद सत्र भी जारी ही था, तो प्रधानमंत्री के सामने पहले भी मौका था कि वे फौरन संसद से देश को संबोधित करते और बताते कि इस कठिन वक्त में वे देश को कौन सी राह पर आगे बढ़ाने वाले हैं। लेकिन यहां भी उन्हें संभवतः इंतजार था कि राहुल गांधी कुछ कहें तो वे आगे बढ़ें। हमेशा यही होता है। राहुल गांधी जिन मुद्दों को उठाते हैं, सरकार पहले उनका मजाक उड़ाती है, बाद में उसी पर आगे भी बढ़ती है। जाति जनगणना को स्वीकार करना या किसान आंदोलन में आखिरकार मानना कि कोई कमी रह गई है ये सब उसी के उदाहरण हैं। बहरहाल, प्रधानमंत्री ने सोमवार को जो कुछ संसद में कहा, उससे देश की मौजूदा समस्याओं के हल को लेकर कोई आस नहीं बंधी, दूसरी तरफ इस युद्ध को लेकर जो स्पष्ट नजरिया उन्हें रखना चाहिए था, उसमें भी वे चूक गए। युद्ध सही नहीं है या संवाद से समाधान निकालें, जैसे उपदेश देने का वक्त अब नहीं रहा। बल्कि नरेन्द्र मोदी के सामने पूरा मौका था कि वे अपनी संसद में, अपने ही लोगों के बीच, सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था के दायरे में अमेरिका और इजरायल को कहते कि ईरान पर युद्ध छेड़कर आपने ठीक नहीं किया। आपको किसी देश की संप्रभुता को चोट पहुंचाने का कोई हक नहीं है। नरेन्द्र मोदी ऐसा करते तो शायद आज विपक्ष भी उनके साथ ही खड़ा होता और इससे पूरी दुनिया में भारत की आवाज फिर से बुलंद होती।

चिंतन-मनन

अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है ज्ञान

बुद्धि अच्छी चीज है, पर कोरी बौद्धिकता ही सब कुछ नहीं है। इससे व्यक्ति के जीवन में नीरसता और शुष्कता आती है। ज्ञान अंतर्दृष्टि से अनुबंधित है, इसलिए यह अपने साथ सरसता लाता है। ज्ञानी व्यक्तियों के लिए पुस्तकीय अध्ययन की विशेष अपेक्षा नहीं रहती। भगवान महावीर ने कब पढ़ी थीं पुस्तकेंट आचार्य भिक्षु, संत तुलसी, संत कबीर अदि जितने ज्ञानवान पुरुष हुए हैं, उनमें कोई भी पंडित नहीं थे। अंतर्दर्शन उनकी ज्ञानमयी चेतना की स्फुरणा करता था। इसके आधार पर ही उन्होंने गंभीर तत्वों का विश्लेषण किया। वे यदि पुस्तकों के आधार पर प्रतिबोध देते तो संसार को कोई नया दृष्टिकोण नहीं दे सकते थे।

एक बात और ज्ञातव्य है। विद्वान बहुत पढ़े-लिखे होते हैं, पर वे आज तक भी किसी ज्ञानी को पराजित नहीं कर सके। इंद्रभूति महापंडित थे। उनका पांडित्य विश्रुत था। पर वे भगवान महावीर की ज्ञान चेतना का अनुभव करते ही पराभूत हो गए। इतिहास ऐसे उदाहरणों से भरा पड़ा है। ज्ञान और बुद्धि की परस्पर कोई तुलना नहीं है। बुद्धि कुंड का पानी है और ज्ञान कुएं का पानी है। कुंड का पानी जितना है उतना ही रहता है। वर्षा होती है तो पानी थोड़ा बढ़ जाता है। इसी प्रकार अनुकूल सामग्री और पुरुषार्थ का योग होता है तो बुद्धि बढ़ जाती है। अन्यथा उसके विकास की कोई संभावना नहीं रहती। कुएं से जितना पानी निकाला जाता है, नीचे से और आता रहता है। वह कभी चुकता नहीं है, उसमें नए अनुभव जुड़ते जाते हैं।

बुद्धि आवश्यक है किंतु उसके आधार पर कभी आत्म-दर्शन नहीं हो पाता। आत्म-दर्शन का पथ है ज्ञान। ज्ञान तब तक उपलब्ध नहीं होता जब तक ध्यान का अभ्यास न हो। जिस व्यक्ति को अंतर्दृष्टि का उद्घाटन करना है, ज्ञानी बनना है, उसे प्रेक्षाध्यान साधना का आलंबन स्वीकार करना होगा। ऐसा करके वह ज्ञान की श्रेष्ठता को प्रमाणित कर सकता है।

ऊर्जा ठिकानों पर हमले: दुनिया को मंदी की ओर धकेलता युद्ध

राज कुमार सिन्हा

ईरान के साऊथ पार्स गैस फील्ड पर इजरायली हमले के बाद मध्य पूर्व में तनाव चरम पर पहुंच गया है। साउथ पार्स गैस फील्ड पर यह हमला केवल एक सैन्य घटना नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर सीधा प्रहार है। आपूर्ति में रुकावट के कारण कई देशों को लंबे समय तक ऊर्जा की कमी का सामना करना पड़ सकता है। द इकोनॉमिक टाइम्स में प्रकाशित समाचार के अनुसार अंतराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी ने इतिहास का सबसे खराब वैश्विक ऊर्जा व्यवधान बताया है, जो 1973 के अरब तेल प्रतिबंध को भी पीछे छोड़ दिया है। मुख्य निवेश अधिकारी डैन पिकरिंग ने कहा कि आप ऊर्जा संरक्षण के जरिए इस समस्या से बच नहीं सकते। इसका नतीजा यह होगा कि कीमतें इतनी बढ़ जाएंगी कि लोग उपभोग करना बंद कर देंगें। यह पहली बार है जब खाड़ी क्षेत्र में ईरान के ऊर्जा ढांचे को सीधे निशाना बनाया गया है। 17 मार्च तक, अमेरिका और इजराइल ने खाड़ी में ईरान के ऊर्जा उत्पादन केंद्रों को निशाना बनाने से परहेज किया था। यहां तक कि जब अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने ईरान के 90 प्रतिशत तेल निर्यात के केंद्र खारग द्वीप पर हमला किया, तब भी केवल सैन्य ठिकानों को ही निशाना बनाया गया था। इजराइल द्वारा कतर के साथ साझा किए जाने वाले साऊथ पार्स गैस क्षेत्र पर हमले के बाद यह स्थिति बदल गई है। पार्स गैस फील्ड दुनिया के सबसे बड़े प्राकृतिक गैस भंडार का हिस्सा है, जिसे ईरान कतर के साथ साझा करता है। इस घटना को अमेरिका और इजराइल के साथ चल रहे युद्ध को बड़े ऊर्जा संकट के रूप में देखा जा रहा है। जवाब में ईरान ने सऊदी अरब, यूएई और कतर के ऊर्जा ठिकानों को निशाना बनाया। ईरान ने सऊदी अरब में तेल कंपनी अरामको की रिफाइनरी के साथ-साथ कतर और यूएई में गैस सुविधाओं पर ड्रोन और मिसाइलों से हमला किया। यह युद्ध का एक खतरनाक मोड़ साबित हो रहा है। साउथ पार्स गैस क्षेत्र, भारत सहित वैश्विक एलएनजी आपूर्ति की रीढ़ है। इजरायली हमले के बाद तेल और गैस की कीमतों में आई तत्काल वृद्धि से इसके महत्व का अंदाजा लगाया जा सकता है। ईरान द्वारा होर्मुज जलडमरूमध्य से जहाजों की आवाजाही पर रोक लगाने के कारण दुनिया पहले से ही कच्चे तेल की आपूर्ति में व्यवधान से जूझ रही है। ऐसे में उत्पादन सुविधाओं को होने वाली किसी भी क्षति का प्रभाव वर्षों तक बना रह सकता है। होर्मुज जलडमरूमध्य में चल रही बाधाओं ने यह दिखा दिया है कि एक छोटा समुद्री मार्ग भी वैश्विक सप्लाई चेन को हिला सकता है। कतर के रास लाफान औद्योगिक शहर, जो दुनिया का सबसे बड़ा एलएनजी निर्यात केंद्र है, ईरानी मिसाइल हमलों से तबाह हो गया है। रास लाफान पर हमलों के कारण कतर की कुल एलएनजी निर्यात क्षमता में लगभग 17 प्रतिशत की कमी आई है। कतर एनर्जी के अधिकारियों के अनुसार, इस नुकसान की मरम्मत में 3 से 5 साल का समय लग सकता है, जिससे यह एक दीर्घकालिक संकट बन गया है। इस हमले से कतर को प्रति वर्ष लगभग 20 अरब डॉलर के राजस्व का नुकसान होने का अनुमान है।

यह हमला केवल कतर तक सीमित नहीं है, बल्कि वैश्विक ऊर्जा सुरक्षा पर भी इसका बड़ा असर पड़ा है। भारत अपनी प्राकृतिक गैस जरूरतों का लगभग 40 से 50 प्रतिशत कतर से आयात करता है, इसलिए यह स्थिति भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौती है। मध्य पूर्व से चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया को तेल का लगभग 75 प्रतिशत और प्राकृतिक गैस का 59 प्रतिशत निर्यात होता है।

इन सभी अर्थव्यवस्थाओं को तेल-गैस की कमी का सामना करना पड़ रहा है। होटल, रेस्टोरेंट, पर्यटन और उत्पादन जैसे कई क्षेत्र प्रभावित हो रहे हैं। नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (एनआरएआई) ने कहा है कि खाध सेवा उद्योग का 75 फिसदी हिस्सा एलपीजी पर निर्भर है और लंबे समय तक इसकी कमी रहने से अर्थव्यवस्था को प्रतिदिन 12 से 13 हजार करोड़ रुपए नुकसान हो सकता है। युद्ध के कारण ब्रेंट क्रूड ऑयल की कीमतें 39 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 110 डॉलर प्रति बैरल के स्तर को पार कर गई हैं। ईंधन और प्राकृतिक गैस की बढ़ती कीमतों से दुनिया भर में माल ढुलाई और उत्पादन लागत बढ़ गई है, जिससे महंगाई बढ़ रही है। भारत में भी प्रीमियम पेट्रोल 2 रुपए और इंडस्ट्रियल डिजल 22 रुपए प्रति लीटर महंगी हो गई है। दुनिया भर में यूरिया की कुल आपूर्ति में कतर का लगभग 10 प्रतिशत योगदान है। लेकिन ईरानी हमले की वजह से कतर के कई प्लांट बंद हैं, जिससे भारत में भी खाद की किल्लत बढ़ सकती है। यदि यह संघर्ष लंबा चलता है, तो यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को मंदी की ओर धकेल सकता है। ऊर्जा और खाद्य कीमतों में वृद्धि ने वैश्विक मुद्रास्फीति को बढ़ाया है। अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष और विश्व बैंक ने वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान घटाए हैं। विकासशील देशों में पूंजी प्रवाह कम हुआ है। कई देशों ने अपने रक्षा बजट बढ़ा दिए हैं, जिससे सामाजिक और विकासात्मक खर्चों पर दबाव बढ़ा है। भारत सहित वैश्विक शेयर बाजारों में भारी गिरावट देखी गई है। भारतीय शेयर बाजार में पिछले तीन सप्ताह में 27 से 34 लाख करोड़ रुपये तक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पूंजी निकाल रहे हैं। मूडीज के अनुसार, ऊर्जा की कीमतें बढ़ती रहीं तो भारतीय रुपये पर दबाव और बढ़ेगा। खाडी देशों में 90 लाख भारतीय काम कर रहे हैं। युद्ध के कारण 50 हजार भारतीय वापस देश लौट चुके हैं। अगर युद्ध लंबा खिंच गया तो काम प्रभावित होगा और शेष भारतीय भी वापस लौटने को मजबूर होंगे। खाडी देशों में भारतीय काम करके अच्छा खासा रेमिटेंस भारत में भेजते हैं। जिससे भारतीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलती है। गोल्डमैन सैक्स का अनुमान है कि यदि संघर्ष जारी रहता है, तो कतर और कुवैत की जीडीपी में 14 प्रतिशत तक गिरावट आ सकती है। यह विदित है कि युद्ध के कारण अनिश्चितता बढ़ती है, जिससे निजी निवेश रुक जाता है और वित्तीय प्रणाली कमजोर होती है। युद्ध राष्ट्रीय ऋण में वृद्धि, उच्च मुद्रास्फीति, बुनियादी ढांचे के विनाश और दीर्घकालिक आर्थिक विकास में गिरावट का कारण बनता है। द्वितीय विश्व युद्ध के बाद हुए 100 से अधिक युद्धों के अध्ययन में यह पाया गया कि इन संघर्षों के कारण संबंधित देशों की अर्थव्यवस्थाओं पर गंभीर और दीर्घकालिक नकारात्मक प्रभाव पड़े। वर्तमान युद्धों ने वैश्विक अर्थव्यवस्था को बहुआयामी संकट में डाल दिया है। यदि यह संघर्ष जल्द समाप्त नहीं होता, तो यह 1990 के बाद के सबसे बड़े आर्थिक संकटों में से एक बन सकता है। यह संकट दुनिया भर के उपभोक्ताओं, व्यवसायों और नीति निमार्ताओं के लिए गंभीर चुनौती बनता जा रहा है और वैश्विक मंदी के जोखिम को बढ़ा रहा है।

ईंधन की कमी से जूझ रही दुनिया, हर देश के सामने संकट, पाबंदियों के चलते जनता बेहाल

नीरज कुमार दुबे

पश्चिम एशिया और मध्य पूर्व में बिगड़ते हालात के चलते दुनिया एक बार फिर उस मोड़ पर खड़ी है जहां तेल केवल ऊर्जा नहीं, बल्कि सत्ता, रणनीति और अस्तित्व का सवाल बन चुका है। ताजा हालात बता रहे हैं कि पेट्रोल की बढ़ती कीमतों ने देशों को झकझोर कर रख दिया है। ऑस्ट्रेलिया में कीमतें करीब बत्तीस प्रतिशत उछलीं, पाकिस्तान में पच्चीस प्रतिशत और अमेरिका में चौबीस प्रतिशत से अधिक बढ़ोतरी ने साफ कर दिया है कि यह संकट केवल आर्थिक नहीं, बल्कि वैश्विक अस्थिरता का संकेत है। जर्मनी, चीन, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन से लेकर जापान तक हर देश इस आग में झुलस रहा है।

सबसे चौंकाने वाली बात यह है कि सरकारें अब सीधे जनता की जिंदगी में दखल दे रही हैं। पाकिस्तान में स्कूल और कॉलेज बंद कर दिए गए, चार दिन का कार्य सप्ताह लागू किया गया और सरकारी कर्मचारियों के लिए आधा काम घर से करने का आदेश जारी हुआ। गैर जरूरी सरकारी वाहनों को सड़कों से हटाया गया और ईंधन आवंटन में पचास प्रतिशत कटौती कर दी गई। यह कदम साफ दिखाता है कि संकट कितना गहरा है।

श्रीलंका ने तो एक कदम आगे बढ़ते हुए सार्वजनिक अवकाश घोषित कर दिया। स्कूल, विश्वविद्यालय और गैर जरूरी दफ्तर बंद कर दिए गए। क्यूआर आधारित ईंधन पास फिर से लागू कर दिया गया, जिसमें निजी वाहनों के लिए साप्ताहिक सीमा तय कर दी गई। यह व्यवस्था बताती है कि सरकारें अब संसाधनों को नियंत्रित करने के लिए तकनीक का सहारा ले रही हैं। बांग्लादेश में विश्वविद्यालय और कोचिंग संस्थान बंद कर दिए गए और ऑनलाइन शिक्षा लागू की गई। पांच घंटे की बिजली कटौती ने आम जीवन को झकझोर दिया है। उर्वरक संयंत्र तक बंद करने पड़े, जिससे कृषि और खाद्य सुरक्षा पर सीधा खतरा मंडरा रहा है। भूटान में जमाखोरी रोकने के लिए जरी कैन में ईंधन बिक्री पर रोक लगा दी गई और आपात सेवाओं को प्राथमिकता दी जा रही है।

फिलीपींस और वियतनाम में भी हालात काबू से बाहर जाते दिख रहे हैं। सरकारी कर्मचारियों के लिए चार दिन का कार्य सप्ताह और निजी क्षेत्र को घर से काम करने की सलाह दी गई है। गैर जरूरी यात्राओं पर रोक लगाकर सरकारें साफ संकेत दे रही हैं कि अब हर बूंद की कीमत है।

अफ्रीका और दक्षिण पूर्व एशिया में संकट और भयावह है। म्यांमार ने निजी वाहनों के लिए विषम सम प्रणाली लागू कर दी। कंबोडिया में हजारों पेट्रोल पंप बंद हो गए। लाओस में सरकारी कर्मचारियों के लिए घर से काम और रोटेटिंग शिफ्ट लागू की गईं ताकि आवागमन कम हो। दक्षिण अफ्रीका में नियंत्रित आवंटन लागू हो चुका है, जबकि मिस्र में बाजार, रेस्तरां और सरकारी दफ्तरों के समय सीमित कर दिए गए और रोशनी वाले विज्ञापन बंद कर दिए गए।

वहीं केन्या ने ईंधन राशनिंग और निर्यात पर प्रभावी रोक लगा दी है। न्यूजीलैंड में हवाई सेवाएं प्रभावित हुईं और हजारों उड़ानें रद्द करनी पड़ीं। स्लोवाकिया और स्लोवेनिया जैसे यूरोपीय देशों में भी डीजल खरीद पर सीमा तय कर दी गई है। इस तरह यह संकट अब किसी एक क्षेत्र तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया को अपनी चपेट में ले चुका है।

देखा जाये तो यह तेल संकट केवल कीमतों का खेल नहीं, बल्कि वैश्विक शक्ति संतुलन का नया अध्याय है। ऊर्जा आपूर्ति पर नियंत्रण रखने वाले देश अब निर्णायक बढ़त हासिल कर रहे हैं। जो देश आत्मनिर्भर नहीं हैं, वे नीतिगत गुलामी की ओर बढ़ रहे हैं। वर्क फ्रॉम होम, राशनिंग और आवागमन पर नियंत्रण जैसे कदम बताते हैं कि सरकारें अब युद्धकालीन नीतियों को शांतिकाल में लागू कर रही हैं।

इसके अलावा, यह संकट आने वाले समय में कई बड़े बदलावों का संकेत दे रहा है। एक तो, ऊर्जा सुरक्षा अब राष्ट्रीय सुरक्षा का केंद्र बनेगी। इसके अलावा, डिजिटल निगरानी और संसाधन नियंत्रण बढ़ेगा, जिससे नागरिक स्वतंत्रता प्रभावित हो सकती है। साथ ही, आपूर्ति श्रृंखला टूटने से खाद्य संकट और महंगाई चरम पर पहुंच सकती है। सबसे अहम बात यह है कि यह संकट देशों को मजबूर कर रहा है कि वह वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों की ओर तेजी से बढ़ें। लेकिन जब तक यह बदलाव पूरी तरह नहीं होता, तब तक जनता को कड़े प्रतिबंध और कठिन फैसलों का सामना करना ही होगा। बहरहाल, तेल संकट ने दुनिया को आईना दिखा दिया है। यह साफ है कि आने वाले समय में ऊर्जा ही असली शक्ति होगी। सरकारें जितनी जल्दी इस सच्चाई को समझेंगी, उतना ही बेहतर होगा। लेकिन फिलहाल, हालात यह कहते हैं कि दुनिया एक लंबे संघर्ष की ओर बढ़ रही है, जहां हर देश अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रहा है।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल की नदी में दो भारतीय किशोर लापता

पालपा, एजेंसी। नेपाल के पालपा जिले में रविवार को एक नदी में तैरते समय भारत के दो किशोर कथित तौर पर बह गए। उत्तर प्रदेश के संत कबीर नगर के रहने वाले 17 वर्षीय फरान अंसारी और अमन अंसारी तिनाऊ नदी में तैरते समय लापता हो गए। सरकारी दैनिक गोरखापत्र ने पालपा जिला पुलिस सूत्रों के हवाले से यह खबर दी है। ये दोनों किशोर भारत से आए सात युवकों के एक समूह का हिस्सा थे, जो तानसेन नगरपालिका के तिनाऊ नदी तट पर आए थे। जिला पुलिस कार्यालय के सूचना अधिकारी होम प्रकाश चौधरी ने बताया कि उनमें से दो नदी के बहाव में बह गए। तलाशी अभियान शुरू किया गया लेकिन रविवार शाम तक कोई नहीं मिला। यह नदी नेपाल और भारत के तैराकों के बीच प्रसिद्ध है और कई लोग यहां मनोरंजन के लिए आते हैं। स्थानीय लोगों के अनुसार, इस नदी में इस तरह की दुर्घटनाएं अक्सर होती रहती हैं।

इस्तांबुल में गैस विस्फोट के कारण दो इमारतें ढहने से एक शख्स की मौत

फातिह, एजेंसी। इस्तांबुल के मध्य फातिह जिले में प्राकृतिक गैस विस्फोट के कारण रविवार को दो इमारतें ढह गईं, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई। इस्तांबुल के गवर्नर कार्यालय द्वारा जारी एक बयान के अनुसार खोज और बचाव कर्मियों ने 10 घायलों को बाहर निकाला, जिन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनमें से एक की हालत गंभीर है। राज्यपाल दावुत गुल ने विस्फोट स्थल का दौरा किया और अस्पताल में बचे लोगों का हालचाल पूछा।

वेस्ट बैंक में चार फलस्तीनियों की मौत के बाद गाड़ियां में तोड़फोड़ और आगजनी

वेस्ट बैंक , एजेंसी। इस्राइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक में इस्राइली बस्तियों में रहने वालों ने शनिवार की रात और रविवार की सुबह कई फलस्तीनी गांवों में उत्पात मचाया। इन लोगों ने कारों को तोड़ा, उनमें आग लगाई और कई लोगों को घायल कर दिया। फलस्तीनी आधिकारिक समाचार एजेंसी वाफा ने रविवार को कम से कम छह समुदायों में हुए हमलों की सूचना दी। फलस्तीनी रेड क्रिसेंट सोसाइटी ने बताया कि जलुद गांव में कम से कम तीन फलस्तीनियों को मारपीट से सिर में चोटें आईं और उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। उन्होंने बस्तीवासियों का सामना किया, जिनमें से कुछ घायल हो गए। यह हिंसक घटना उस दिन के एक दिन बाद हुई जब दो गांवों के पास के इलाके में एक फलस्तीनी वाहन से टक्कर में 18 वर्षीय इस्राइली निवासी की मौत हो गई थी। पुलिस ने कहा कि वे निवासियों के इस दावे की जांच कर रहे हैं कि टक्कर जानबूझकर की गई थी।गौरतलब है कि इस्राइली सरकार वेस्ट बैंक में नई बस्तियां बसाने का काम भी आगे बढ़ा रही है। ईरान युद्ध शुरू होने के बाद से हिंसा में व्यापक वृद्धि के साथ-साथ बस्तियों में बसने वालों के हमले भी तेज हो गए हैं। इससे पहले अस्पताल अधिकारियों ने बताया कि रविवार को गाजा पट्टी में इस्राइली हमलों में चार फलस्तीनी मारे गए।

हमलों के बीच ईरान का बयान: होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं, पर सुरक्षा नियम सख्त

तेहरान , एजेंसी। अमेरिका और इजरायल के लगातार हमलों के बीच ईरान के विदेश मंत्रालय ने कहा है कि होर्मुज स्ट्रेट बंद नहीं है और इस जलमार्ग में नौवहन जारी है। हालांकि, उसने कहा कि युद्ध जैसी परिस्थितियों के कारण जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। समाचार एजेंसी शिन्हुआ के अनुसार, ईरानी विदेश मंत्रालय ने कहा कि ईरान ने हमेशा नौवहन की स्वतंत्रता, समुद्री सुरक्षा और बचाव का सम्मान किया है। उसने सालों से इन सिद्धांतों को बनाए रखने के लिए काम किया है। मंत्रालय ने कहा कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी और इजरायली सैन्य हमलों के बाद खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट पर एक खतरनाक स्थिति पैदा हो गई है, जिसका सीधा असर क्षेत्रीय समुद्री सेफ्टी और सिक्योरिटी पर पड़ रहा है। आत्मरक्षा के अपने कानूनी अधिकार का दावा करते हुए ईरान ने कहा कि उसने क्षेत्र में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और सुविधाओं को निशाना बनाया है। साथ ही, उसने यह सुनिश्चित करने के लिए कई कदम उठाए हैं कि आक्रमणकारी और उनके समर्थक देश के खिलाफ अपने मकसद को पूरा करने के लिए स्ट्रेट का गलत इस्तेमाल न कर सकें। ईरानी विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की कि उसने आक्रमणकारियों से जुड़े या उनके साथ संबद्ध जहाजों के गुजरने को अंतरराष्ट्रीय कानून के स्थापित सिद्धांतों के तहत रोका है। उसने कहा कि दूसरे देशों के या उनसे जुड़े गैर-दुश्मन जहाज, ईरानी अधिकारियों के साथ कोऑर्डिनेशन में स्ट्रेट से सुरक्षित रास्ता बना सकते हैं, बशर्ते उन्होंने ईरान के खिलाफ आक्रामक कार्रवाइयों में हिस्सा न लिया हो या उनका समर्थन न किया हो, साथ ही बताए गए सेफ्टी और सिक्योरिटी रेगुलेशन का पालन किया हो। मंत्रालय ने कहा कि स्ट्रेट में स्थायी सुरक्षा और स्थिरता की बहाली के लिए जरूरी है कि ईरान विरोधी सैन्य हमले और धमकियां बंद हों, अमेरिका और इजरायल की अस्थिर करने वाली गतिविधियां रुकें, और ईरान के वैध हितों का पूरा सम्मान किया जाए।

नाटो प्रमुख ने अमेरिकी हमलों का समर्थन किया,

ईरान के खतरे को लेकर चेतावनी दी

वॉशिंगटन, एजेंसी। नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे ने ईरान के खिलाफ अमेरिका की कार्रवाई का समर्थन किया और चेतावनी दी कि ईरान ऐसी मिसाइल क्षमताएं विकसित करने के 'बहुत करीब' है जो यूरोप के लिए खतरा बन सकती हैं। उन्होंने यह बयान उस समय दिया जब नाटो हिंद महासागर में स्थित एक अमेरिका-ब्रिटेन सैन्य अड्डे पर लंबी दूरी के हमले की रिपोर्टों का आकलन कर रहा है। नाटो के महासचिव मार्क रुट्टे ने फेस द नेशन पर बोलते हुए कहा कि नाटो अभी इस दावे की पुष्टि नहीं कर सका है कि ईरान ने डियागो गार्शिया पर मिसाइल दागी है लेकिन यदि यह सच साबित होता है तो इसके गंभीर निहितार्थ होंगे। उन्होंने कहा, 'हम इस समय इसकी पुष्टि नहीं कर सकते, इसलिए हम इसकी जांच कर रहे हैं। लेकिन अगर यह सच हुआ, तो यह इस बात का और सबूत होगा कि राष्ट्रपति ट्रंप जो कर रहे हैं... वह बेहद महत्वपूर्ण है। 'रुट्टे ने कहा कि ईरान प्रमुख यूरोपीय शहरों पर हमला करने की क्षमता के करीब पहुंच रहा है। 'हमें यह निश्चित रूप से पता है कि वे उस क्षमता के बहुत करीब हैं,' उन्होंने ईरानी मिसाइलों की संभावित मारक क्षमता का जिक्र करते हुए कहा।

उन्होंने चेतावनी दी कि यदि ईरान के पास परमाणु और मिसाइल दोनों क्षमताएं हो गईं, तो यह वैश्विक स्तर पर गंभीर खतरा बन जाएगा। 'अगर ईरान के पास परमाणु क्षमता होती है और वह मिसाइल क्षमता के साथ जुड़ जाती है, तो यह इज़राइल, क्षेत्र, यूरोप और वैश्विक स्थिरता के लिए एक सीधा और अस्तित्वगत खतरा होगा,' उन्होंने कहा।

नाटो प्रमुख ने ईरान की सैन्य क्षमताओं को कमजोर करने के अमेरिकी प्रयासों का समर्थन करते हुए कहा कि देरी महंगी साबित हो सकती है। उत्तर कोरिया का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा, 'अगर हम बहुत लंबी बातचीत करते रहे, तो वह समय निकल सकता है जब इसे रोका जा सकता था।'

उनकी ये टिप्पणियां उस समय आईं जब डोनाल्ड ट्रंप ने नाटो सहयोगियों की आलोचना की थी कि वे अमेरिकी अभियानों, खासकर होर्मुज जलडमरूमध्य में समुद्री मार्गों की सुरक्षा में पर्याप्त योगदान नहीं दे रहे हैं।

रुट्टे ने इस नाराज़गी को स्वीकार किया लेकिन कहा कि अब सहयोगी देशों के बीच समन्वय शुरू हो गया है। उन्होंने बताया कि 22 देशों जिनमें नाटो सदस्य और साझेदार जैसे जापान, दक्षिण कोरिया, आस्ट्रिलया और खाड़ी देश शामिल हैं, ने इस जलडमरूमध्य में सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की पहल में हिस्सा लिया है।

उन्होंने कहा, 'इन तीन सवालों पर काम हो रहा ह-हमें क्या चाहिए, कब चाहिए और कहां चाहिए ताकि जलडमरूमध्य में स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित की जा सके।'

रुट्टे ने यह भी बताया कि सैन्य तैनाती की समयसीमा अभी चर्चा में है और योजनाकार इस पर काम कर रहे हैं। 'सबसे महत्वपूर्ण सवालों में से एक है-कब,' उन्होंने कहा।

जब उनसे पूछा गया कि क्या अमेरिकी दबाव नाटो की एकता को प्रभावित कर सकता है, तो रुट्टे ने कहा कि संकट के समय गठबंधन हमेशा एकजुट हुआ है। उन्होंने यूक्रेन के मुद्दे पर सहयोग और रक्षा खर्च बढ़ाने के फैसलों का भी उल्लेख किया।

यूक्रेन के मुद्दे पर, उन्होंने अमेरिकी कूटनीति का बचाव करते हुए कहा कि अमेरिका विभिन्न हितों के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है और युद्ध के समाधान की दिशा में प्रयास कर रहा है।

'उन्हें इन सभी अलग-अलग हितों के बीच संतुलन बनाना होता है। यूक्रेन युद्ध को सफलतापूर्वक समाप्त करने का उनका प्रयास बेहद महत्वपूर्ण है,' रुट्टे ने कहा।

शहबाज सरकार ने लग्जरी वाहनों में इस्तेमाल होने वाले ईंधन पर टैक्स बढ़ाने को मंजूरी दी

इस्लामाबाद, एजेंसी। पश्चिम एशिया में छिड़े संघर्ष की वजह से होर्मुज जलडमरूमध्य में ऊर्जा संसाधनों से लदे कई वाणिज्यिक जहाज फंसे हुए हैं। इस बीच पाकिस्तान ने हाई-ऑक्टेन ईंधन की कीमत में भारी बढ़ोतरी करते हुए इसे 100 पाकिस्तानी रुपये से बढ़ाकर 300 रुपये प्रति लीटर कर दिया है। एआरवाई न्यूज के अनुसार, पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने लग्जरी वाहनों में इस्तेमाल होने वाले इस ईंधन पर टैक्स बढ़ाने को मंजूरी दे दी है।

यह फैसला रविवार को एक उच्च स्तरीय बैठक में लिया गया, जिसकी अध्यक्षता खुद प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की। बैठक में ईंधन कीमतों और आर्थिक राहत से जुड़े मुद्दों की समीक्षा की गई। इसमें कानून एवं न्याय मंत्री आजम नजीर तरार, वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब, सूचना एवं प्रसारण मंत्री अत्ताउल्लाह तरार और पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

पाकिस्तान में फूटा महंगाई बम : रिपोर्ट के अनुसार, हाई-ऑक्टेन ईंधन की कीमत में इस बढ़ोतरी का असर सार्वजनिक परिवहन और हवाई यात्रा के किराए पर नहीं पड़ेगा। पाकिस्तान सरकार ने इससे पहले 6 मार्च को भी वैश्विक तेल कीमतों में उछाल के चलते पेट्रोल और डीजल की कीमतों में 55 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की थी।

यह उछाल अमेरिका-इस्राइल और ईरान के बीच जारी युद्ध के कारण घरेलू ऊर्जा लागत पर दबाव बढ़ने से आया था। उस समय पेट्रोल की कीमत 266.17 रुपये से बढ़ाकर 321.17 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी, जबकि डीजल की कीमत 280.86 रुपये से बढ़ाकर 335.86 रुपये प्रति लीटर कर दी गई थी।

सरकार पहले भी बढ़ा चुकी है तेल की कीमतें : इस बढ़ोतरी की घोषणा पेट्रोलियम मंत्री अली परवेज मलिक ने उप प्रधानमंत्री इशाक डार और वित्त मंत्री मुहम्मद औरंगजेब के साथ एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में की थी। वहीं, 10 मार्च को जेट फ्यूल की कीमतों में बढ़ोतरी के बाद पाकिस्तानी एयरलाइंस ने भी किराया बढ़ा दिया था। एयरलाइन सूत्रों के मुताबिक, घरेलू उड़ानों के टिकट में 2800 से 5000 रुपये तक की बढ़ोतरी हुई, जो कराची से लाहौर, इस्लामाबाद और अन्य शहरों के लिए लागू है।

उड़ान के दौरान महिला की मौत, 13 घंटे शव के साथ यात्रा को मजबूर हुए यात्री

लंदन, एजेंसी। हांगकांग से लंदन जा रहे ब्रिटिश एयरवेज की उड़ान में रविवार को एक महिला यात्री की मौत हो गई। उसकी उम्र 60 वर्ष के आसपास थी। महिला के शव को विमान के पीछे हिस्से में रख दिया गया जहां की फर्श गर्म थी। 13 घंटे से अधिक की उड़ान में शव से बदबू आने लगी। इससे यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ा लेकिन पायलट ने आपात लैंडिंग कराने के बजाय यात्रा जारी रखी।

ब्रिटिश एयरवेज की फ्लाइट बीए32 के हांगकांग से उड़ान भरने के एक घंटे बाद ही महिला यात्री की मौत हो गई। फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, एयरबस ए350-1000 में चालक दल के सदस्यों के साथ 331 यात्री सवार थे। महिला की मौत के बावजूद पायलटों ने मार्ग बदलने या हांगकांग लौटने के बजाय हीथ्रो हवाईअड्डे तक यात्रा जारी रखने का फैसला किया। चालक दल के सदस्यों ने पहले शव को शौचालय में रखने पर विचार किया। बाद में शव को पीछे रसोई घर में ले जाया गया।

लैंडिंग के बाद 45 मिनट पुलिस ने की विमान की जांच : सूत्र के हवाले से फॉक्स न्यूज ने अपनी रिपोर्ट में बताया, कर्मचारियों ने इस तथ्य को नजरअंदाज कर दिया कि रसोई घर का फर्श गर्म था। आरोप है कि गर्मी के कारण तीखी गंध उत्पन्न हुई और उड़ान के दौरान केबिन के पिछले हिस्से में फैल गई। कई यात्रियों ने विमान के उस हिस्से से दुर्गंध आने की शिकायत की। लैंडिंग के बाद पुलिस विमान में चढ़ी और सभी यात्रियों को अपनी सीटों पर बैठे रहने के लिए कहा। लगभग 45 मिनट तक पुलिस ने विमान की जांच की।

यात्री की मौत को नहीं माना जाता चिकित्सा आपातकाल : यात्री की मृत्यु को आमतौर पर चिकित्सा आपातकाल नहीं माना जाता है। शव को आमतौर पर बॉडी बैग में रखा जाता है या गर्दन तक कंबल से ढक दिया जाता है। यदि संभव हो तो शव को विमान के किसी कम महत्वपूर्ण क्षेत्र में, जैसे कि खाली सीट या किसी अन्य अनुभाग में ले जाने का प्रयास किया जाता है। यदि उड़ान पूरी तरह से भरी हुई है तो शव को उसकी मूल सीट पर वापस रखा जा सकता है।

इमरान खान से बेटे कासिम ने की जेल में मुलाकात

पूर्व पीएम का सुनाया संदेश, कहा जजों को शर्म आनी चाहिए

इस्लामाबाद, एजेंसी। जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर तमाम आशंकाओं के बीच उनके बेटे कासिम खान ने जेल में मुलाकात की है। उनकी सेहत बिगड़ने की खबरों के बीच इमरान खाने के बेटे सुलेमान और कासिम खान ने सरकार पर मानवाधिकारों के हनन का आरोप लगाया था। अब जेल में मुलाकात करने के बाद कासिम खान ने एक सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए अपने पिता का संदेश लोगों के सामने रखा है।

इमरान खान का संदेश

कासिम ने इमरान खान का संदेश बताते हुए लिखा, इस देश में जजों को शर्म आनी चाहिए। हम कई बार न्यायपालिका के पास गए लेकिन वे तो अपनी आत्मा बेच चुके हैं। उन्हें एकता और अखंडता की कोई परवाह नहीं है। उन्हें पता है कि वे मुझे नहीं तोड़ सकते थे और इसलिए मेरी पत्नी को टारगेट करने लगे। इस तरह से आखिर बूशरा बीबी के साथ अमानवीय व्यवहार कैसे किया जा सकता है। यह सब मुझे ब्लैकमेल करने के लिए किया जा रहा है।

इमरान खाने के हवाले से कासिम ने लिखा, मुझसे 30 मिनट की मुलाकात के लिए उन्हें 24 घंटे आइसोलेशन में रहना पड़ता है। किसी भी महिला को नुकसान पहुंचाना इस्लाम के खिलाफ है। लेकिन उन लोगों का उद्देश्य हमें पता है। जिन जजों पर समाज में न्याय की जिम्मेदारी है, वही गद्दारी कर रहे हैं। उन्हें खुद पर शर्म आनी चाहिए।

बता दें कि इमरान खान के दोनों बेटे लंदन में रहते हैं। उन्होंने दावा किया था कि उनके पिता की दाहिनी आंख की रोशनी बेहद कम हो गई है और जेल प्रशासन उनका इलाज भी नहीं करवा रहा है। उन्होंने रॉयटर्स को दिए इंटरव्यू में यहां तक कहा था कि उनका वीजा भी क्लियर नहीं हो रहा है। वह पाकिस्तान जाना चाहते हैं लेकिन सरकार को डर है कि इससे दुनिया का ध्यान इमरान खान की ओर चला जाएगा। हालांकि बाद में कासिम खान को पाकिस्तान का वीजा मिल गया और वह जेल में इमरान खान से मुलाकात कर पाए।

बीते दिनों पाकिस्तान-तहरीक-ए-इंसाफ पार्टी के वकील लतीफ खोसा ने इस्लामाबाद हाई कोर्ट में खान को रावलपिंडी की अदियाला जेल से इस्लामाबाद के शीफा अंतरराष्ट्रीय अस्पताल में आंखों के उपचार के लिए स्थानांतरित करने की मांग की थी। खान पिछले साल अक्टूबर से दाहिनी आंख की बीमारी से पीड़ित बताए जा रहे हैं और उनका उपचार चल रहा है। सरकार के अनुसार, चिकित्सा उपचार के बाद उनकी आंख और दृष्टि दोनों में सुधार हुआ है। 72 वर्षीय खान अगस्त 2023 से जेल में हैं और अल कादिर ट्रस्ट भ्रष्टाचार मामले में अदियाला जेल में सजा काट रहे हैं।

न्यूयॉर्क के एयरपोर्ट पर विमान और ट्रक की टक्कर

न्यूयॉर्क , एजेंसी। अमेरिका के न्यूयॉर्क में ला गार्डिया एयरपोर्ट पर एक बड़ा हादसा हो गया, जिसके बाद एयरपोर्ट को बंद करना पड़ा। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, एयर कनाडा एक्सप्रेस का एक विमान लैंडिंग के समय रनवे पर एक फायर ट्रक से टकरा गया। यह फ्लाइट मॉन्ट्रियल से आ रही थी।

हादसे में कई लोग घायल हुए हैं। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, कुछ फायरफाइटर्स और विमान में सवार यात्री घायल हुए, जिनमें कुछ की हालत गंभीर है। हालांकि अभी पूरी जानकारी साफ नहीं है। हादसे से पहले एयर ट्रैफिक कंट्रोल ने विमान और ग्राउंड वाहन दोनों को रुकने के लिए कहा था, लेकिन फिर भी टक्कर हो गई।

इस घटना के बाद फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एयरपोर्ट पर सभी फ्लाइट्स रोक दीं और जांच शुरू कर दी गई है। जानकारी के मुताबिक सोमवार देर रात विमान ट्रक से टकराया। हादसे के बाद तुरंत लोगों को निकालने का अभियान चलाया गया। नोटिस के मुताबिक यूएस फेडरल एविएशन एडमिनिस्ट्रेशन ने एयरपोर्ट पर सभी विमानों के लिए ग्राउंड स्टॉप जारी कर दिया।अब सवाल है कि आखिर इतने सुरक्षित एयरपोर्ट पर इस तरह का हादसा कैसे हो गया। एएफपी की रिपोर्ट के मुताबिक इस घटना की जानकारी भी फायर फाइटर्स ने ही सबसे पहले दी थी। इस घटना के बाद सोशल मीडिया पर कई वीडियो वायरल हो रहे हैं।

लैंडिंग के वक्त हुआ हादसा : शुरुआती जानकारी के मुताबिक एयर कनाडा का विमान एयरपोर्ट पर उतर रहा था। तभी रनवे पर खड़े एक ग्राउंड वाहन से उसकी टक्कर हो गई। हादसे के बाद ही ग्राउंड स्टाफ और एयरपोर्ट पर अफरा-तफीर मच गई। तुरंत राहल बचाव दल मौके पर पहुंचा और घायलों को अस्पताल ले जाया गया।

आखिर कैसे हुआ हादसा? : अब जांच अधिकारी पता लगाने की कोशिश कर रहे हैं कि आखिर इस तरह का हादसा कैसे हो गया। जाहिर सी बात है कि रनवे पर फायर ट्रक की मौजूदगी और उधर विमान का लैंड करना एक असामान्य घटना है। अधिकारियों का कहना है कि पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि किसी चूक की वजह से ऐसा हुआ या फिर किसी की लापरवाही की वजह से।एयर कनाडा, एफएए और न्यूयॉर्क फायर डिपार्टमेंट ने फिलहाल इस हादसे पर कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है। बता दें कि ला गार्डिया एयरपोर्ट न्यूयॉर्क का एक बड़ा एयरपोर्ट है जहां से बड़ी संख्या में घरेलू विमानों का संचालन होता है। इस एयरपोर्ट के कुछ समय के लिए बंद होने से भी हवाई यातायात पर बड़ा फर्क पड़ेगा।

यूएस ने दी ग्लोबल वॉर्निंग, ईरान समर्थक बना सकते हैं अमेरिकियों को निशाना

वाशिंगटन , एजेंसी। ईरान के साथ जारी युद्ध के बीच अमेरिका ने अपने नागरिकों के लिए चेतावनी जारी की है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने आगाह किया है कि ईरान समर्थक अमेरिका के नागरिकों पर हमला कर सकते हैं। यह बयान ऐसे समय पर आया है, जब अमेरिका ने संकेत दिए हैं कि वह युद्ध से पीछे नहीं हटेगा। वहीं, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने स्ट्रेट ऑफ होर्मुज को लेकर ईरान को 48 घंटे का अल्टीमेटम दिया है।

क्या है चेतावनी : अमेरिका के विदेश मंत्रालय ने लिखा, 'विदेश मंत्रालय दुनिया भर में, और विशेष रूप से मिडल ईस्ट में रहने वाले अमेरिकियों को अत्यधिक सावधानी बरतने की सलाह देता है। विदेश में रह रहे अमेरिकियों को पास के अमेरिकी दूतावास या वाणिज्य दूतावास द्वारा जारी सुरक्षा चेतावनियों का पालन करना चाहिए। हवाई क्षेत्र के समय-समय पर बंद होने के कारण यात्रा में बाधाएं आ सकती हैं।' आगे कहा गया, 'मिडल ईस्ट के बाहर स्थित अमेरिकी राजनयिक केंद्रों को भी निशाना बनाया गया है। ईरान समर्थक समूह दुनिया भर में अन्य अमेरिकी हितों, ठिकानों या अमेरिकियों को निशाना बना सकते हैं।'

युद्ध चलते रहने के संकेत : अमेरिकी वित्त मंत्री स्कॉट बेसेंट के बयान से संकेत मिलते हैं कि अमेरिका इस युद्ध से पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने रविवार को कहा कि ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले स्ट्रेट ऑफ होर्मुज पर उसकी किलेबंदी को तबाह करना है। ट्रंप अमेरिका के लक्ष्यों को हासिल करने के लिए जो भी कदम उठाने जरूरी होंगे, उठाएंगे।

बेसेंट ने रविवार को एनबीसी के 'मीट द प्रेस' कार्यक्रम में कहा कि इन लक्ष्यों में ईरान की वायुसेना और नौसेना को नष्ट करना, उसे परमाणु हथियार बनाने से रोकना और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शक्ति प्रदर्शन करने की उसकी क्षमता को खत्म करना शामिल है।

बेसेंट ने कहा, होर्मुज के किनारे ईरानी किलेबंदी को कमजोर करने के लिए सैन्य संपत्तियों का उपयोग करने का अभियान तब तक जारी रहेगा जब तक वे पूरी तरह से ध्वस्त नहीं हो जाते। कभी-कभी आपको तनाव कम करने के लिए तनाव बढ़ाना पड़ता है।

तेल की कीमतें बढ़ेंगी : युद्ध के चौथे सप्ताह में कच्चे तेल की ऊंची कीमतें अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रही हैं। अमेरिका में नियमित गैसोलीन की औसत कीमत एक महीने पहले की तुलना में 34% अधिक है। यूनाइटेड एयरलाइंस के सीईओ ने चेतावनी दी है कि तेल की कीमतें 175 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकती हैं।

बेसेंट ने कहा कि चलिए मान लेते हैं कि 50 दिनों तक कीमतें अस्थायी रूप से बढ़ी रहेंगी। लेकिन इसके बदले में 50 वर्षों तक परमाणु हथियार वाले ईरानी शासन का खतरा नहीं रहेगा। कीमतें फिर कम हो जाएंगी। तेल की कीमतें कब तक कम होंगी, इस बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि, मुझे नहीं पता कि इसमें 50 दिन लगेंगे या सौ दिन लगेंगे?

युद्ध के बीच ट्रंप-नेतन्याहू से बोले पहलवी: ईरान इस्लामी गणराज्य नहीं, मौजूदा शासन को उखाड़ फेंके

तेहरान, एजेंसी। ईरान के निर्वासित राजकुमार रजा पहलवी ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि ईरान इस्लामिक गणराज्य नहीं हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि ईरान में मौजूदा शासन को पूरी तरह खत्म किया जाना चाहिए। पहलवी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू से एक खास अपील की। उन्होंने कहा कि वे केवल शासन और दमन करने वाले तंत्र को ही निशाना बनाएं। उन्होंने अनुरोध किया कि आम जनता की सुविधाओं और बुनियादी ढांचे को कोई नुकसान न पहुंचाया जाए।

क्या बोले रजा पहलवी ?

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपनी पोस्ट में पहलवी ने लिखा कि ईरान का बुनियादी ढांचा वहां के लोगों का है। यह आजाद ईरान के भविष्य के लिए बहुत जरूरी है। उन्होंने कहा इस्लामी गणराज्य का ढांचा दमन और आतंक का वह तंत्र है जिसका इस्तेमाल उस भविष्य को साकार होने से रोकने के लिए किया जाता है। ईरान की रक्षा की जानी चाहिए। इस शासन को उखाड़ फेंकना होगा।

पहलवी ने आगे कहा मैं राष्ट्रपति ट्रम्प और प्रधानमंत्री नेतन्याहू से आग्रह करता हूं कि वे शासन और उसके दमनकारी तंत्र को निशाना बनाना जारी रखें, जबकि ईरानियों को अपने देश के पुनर्निर्माण के लिए आवश्यक नागरिक ढांचे को बख्श दें। अमेरिका और इस्राइल के समर्थन से, और सबसे बढ़कर ईरानी

देशभक्तों के बलिदान से, ईरान की स्वतंत्रता का समय निकट है। ईरान जिंदाबाद!

कुवैत पर मिसाइल और ड्रोन से हमले

इसी बीच, खाड़ी देश कुवैत ने भी मिसाइल और ड्रोन हमलों पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। अल जजीरा के अनुसार, कुवैत की सेना ने एक बयान जारी कर बताया कि वहां सुनाई दे रहे धमाकों की आवाजें मिसाइलों को हवा में नष्ट करने की वजह से आ रही हैं। सेना ने आम लोगों से अपील की है कि वे अधिकारियों के निर्देशों का पालन करें।

इस्राइली सेना ने बरामद किए टैंक रोधी मिसाइल

दूसरी तरफ, इस्राइली सेना ने दक्षिणी लेबनान में बड़ी कार्रवाई की जानकारी दी है। इस्राइली सेना ने बताया कि उनके सैनिकों ने वहां एक टैंक रोधी मिसाइल पोस्ट और भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। सेना ने सोशल मीडिया पर इन हथियारों की तस्वीरें भी साझा की हैं।

यूएई पर भी जारी हैं हमले

ईरान की तरफ से हुए मिसाइल हमलों के बाद इस्राइल के दक्षिणी और मध्य इलाकों में मिसाइलों के टुकड़े गिरने की खबरें मिली हैं। अल जजीरा की रिपोर्ट के मुताबिक, कई जगहों पर यह मलबा गिरा है। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) का रक्षा मंत्रालय भी ईरान की तरफ से आने वाली मिसाइलों और ड्रोनों का सामना कर रहा है। मंत्रालय ने पुष्टि की है कि देश के अलग-अलग हिस्सों में सुनाई देने वाली आवाजें मिसाइलों को रोकने की वजह से हैं। उनके लड़ाकू विमान और रक्षा प्रणालियां इन खतरों को लगातार नाकाम कर रही हैं।

स्क्रबिंग से पाएँ रेशमी त्वचा

सुंदर दिखने की पहली शर्त है स्वस्थ-सुंदर त्वचा। चाहे आप कामकाजी हों या घरेलू, आप की त्वचा को वातावरण के प्रदूषण, धूल-मिट्टी इत्यादि का सामना करना ही पड़ता है। उनके कारण त्वचा मुरझाई-सी दिखने लगती है। ऐसी त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है। इससे त्वचा हेल्दी एवं ग्लोइंग नजर आती है।

फेस स्क्रब का इस्तेमाल 25 साल की उम्र के बाद जरूर करना चाहिए। संवेदनशील त्वचा या पिंपलयुक्त स्किन पर स्क्रबिंग न करना ही ठीक होगा। यूँ तो बाजार में कई तरह के फेस स्क्रब मिलते हैं लेकिन आप घर पर भी बढ़िया स्क्रब तैयार कर सकती हैं। आइए जानें कैसे-

राइस स्क्रब :

इसे बनाने के लिए 1/2 कप दही में 2 टेबलस्पून चावल का आटा मिलाएँ। नहाने के पहले इसे शरीर पर लगाएँ फिर धो दें। आप तरोताजा महसूस करने लगेंगी।

बादाम का स्क्रब :

1 टेबलस्पून पिसे बादाम में दूध मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे चेहरा स्क्रब करें। कुछ देर बाद ठंडे पानी से धोएँ। आप की त्वचा मुलायम हो जाएगी चाहे तो इसमें वॉलनट पाउडर भी मिले लें।

लेंटिल स्क्रब :

1/4 कप लाल मसूर दाल को पीसकर पावडर बना लें। इसमें 1 टेबलस्पून चंदन का चूरा और संतरे का रस मिलाकर स्क्रब तैयार करें।

सी सॉल्ट स्क्रब :

समुद्री नमक को दरदरा पीस लें व इसमें थोड़ा पानी मिलाकर पेस्ट बनाएँ। इससे शरीर की, विशेषकर घुटने, कुहनियों की स्क्रबिंग करें। आपकी त्वचा साफ, मुलायम हो जाएगी।

ऑरेंज पील स्क्रब :

ऑरेंज पील पावडर में कुछ बूँदे एसेंशियल ऑइल एवं दूध मिलाकर तैयार पेस्ट से चेहरे की स्क्रबिंग करें। इससे त्वचा साफ-सुंदर हो जाएगी।

ऑरेंज पैन केक

सामग्री पैन केक के लिए : 1 कप मैदा, 2 बड़े चम्मच बटर, 1/2 कप दूध, छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड और 1/4 छोटा चम्मच सोडा बाइकार्बोनेट।

सामग्री ऑरेंज सॉस के लिए : 1 कप ऑरेंज जूस, 1 छोटा चम्मच कॉर्नफ्लोर, 1 छोटा चम्मच चीनी, 1 छोटा चम्मच शहद, थोड़े से ऑरेंज स्लाइस, थोड़ी-सी चेरी और 1/2 छोटा चम्मच ऑरेंज रिंड (संतरे के छिलके का सफेद भाग खुरच कर निकाल दें व छिलका बारीक काटें)।

विधि : सॉस की सभी सामग्री मिलाएं और गाढ़ा होने तक पकाएं। पैन केक की सामग्री मिलाएं। पैन में बटर गर्म करें, एक कलछी से पैन केक का मिश्रण डाल कर फैलाएं। दोनों ओर से सेंकें और ताजा ऑरेंज सॉस के साथ परोसें।

शादी लगे खूबसूरत जब दोनों बढ़ें साथ

सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

आप अपने जीवनसाथी के साथ वर्षों से रह रहे हैं तो इसका मतलब यह कदापि नहीं है कि आप एक खुशनुमा वैवाहिक जीवन का लुत्फ ले रहे हैं। अधिकांशत: वैवाहिक जोड़े बच्चों, सामाजिक प्रतिष्ठा या अन्य कारणों के चलते साथ रहते हैं, लेकिन क्या पति-पत्नी के साथ रहने के लिए ये वजहें काफी हैं? स्टेट यूनिवर्सिटी (न्यूयॉर्क) में साइकोलॉजी के प्रोफेसर और लेखक आर्थर आरन का कहना है कि लंबे वैवाहिक जीवन का राज संप्रेषण कौशल, मानसिक स्वास्थ्य, सामाजिक सहयोग और तनाव संबंधी बातों से जुड़ा है। अर्थात विवाह के पश्चात पति-पत्नी दोनों मानसिक रूप से खुश रहें, दोनों के बीच बेहतर संवाद हो, तनाव न हो और दोनों को एक-दूसरे का सपोर्ट मिले, लेकिन यह भी जरूरी नहीं है कि इससे आपको आपकी जिन्दगी अर्थपूर्ण और खुशगवार लगे ही।

कहा जाता है कि सबसे सफल शादियाँ वे होती हैं, जिनमें व्यक्तिगत रूप से दोनों को संतुष्टि हो, जिसमें दोनों की हर स्तर पर तरक्की हो, लेकिन यहाँ एक विरोधाभास है। हम यह भी तो कहते हैं कि विवाह की कामयाबी के लिए अपनी खुशी के ऊपर वैवाहिक रिश्ते को प्रमुखता देना जरूरी है!

गढ़ें एक-दूजे को

शताब्दियों से विवाह का आर्थिक और सामाजिक महत्व रहा है। विवाह को कायम रखने के लिए हमेशा भावनात्मक और बौद्धिक जरूरत को दोयम माना जाता रहा है। बदलते दौर में इस सोच में बदलाव आया है। अब युवक-युवतियाँ विवाह के लिए ऐसा साथी चाहते हैं, जो उनकी जिंदगी को और मनोहर बना सके। यूनिवर्सिटी ऑफ ब्रिज (एमस्टर्डम) की शोधकर्ता कैरिल रसबल्ट इसे 'माइकल एंजेलो प्रभाव' का नाम देती हैं। अर्थात विवाह वह है, जिसमें दोनों पार्टनर एक-दूसरे को गढ़ते हैं, बनाते हैं और अपने लक्ष्यों को प्राप्त करते हैं।

यदि आप आत्मविकास चाहते हैं और अपने पार्टनर की मदद से उसे पाते हैं, तो आपके जीवन में आपके पार्टनर का महत्व स्वत: ही बढ़ जाता है, साथ ही पार्टनर की मदद करके आपको भी संतुष्टि होती है। इस प्रकार आपका वैवाहिक संबंध मजबूत होता जाता है।

अगर आपका साथी कुछ रचनात्मक कार्यों से जुड़ा है अथवा वह मजाकिया है तो आप भी निश्चित ही पहले से कुछ बदल जाते हैं, अगर आप कुछ सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं तो आपके साथी के लिए भी इस दिशा में कार्य करने के रास्ते खुल जाते हैं। शोधों का यह भी कहना है कि कालांतर में आप अपने साथी की विशेषताओं को ग्रहण करने लगते हैं।

एक शोध में पाया गया कि जब पार्टनर एक-दूसरे के अत्यधिक करीब थे, तो उनके मस्तिष्क ने यह बात पहचानने में अधिक समय लगाया कि उनकी और उनके पार्टनर की अलग-अलग विशेषताएँ क्या हैं, जबकि जो विशेषताएँ दोनों में मौजूद थीं, उन्हें झट पहचान लिया गया। इसका मतलब यह नहीं है कि ये जोड़े अपनी शादी के बाद अपनी व्यक्तिगत विशेषता पूरी तरह खो चुके हैं, अपितु वे आगे बढ़े हैं। अब जो उनके लक्षण हैं, कार्य हैं, व्यवहार है, वह इस रिश्ते से पहले नहीं हुआ करते थे, लेकिन अब वे उनकी जिंदगी का एक अहम हिस्सा हैं। यह उनके भविष्य की खुशियों का परिचायक भी है। अगर आपका पार्टनर आपको एक अच्छा व्यक्ति बनने में मदद कर रहा है तो आप इस रिश्ते से प्रसन्न और संतुष्ट रहते हैं।

आकर्षक फिगर हेतु कुछ टिप्स

- तंदुरूस्त रहने हेतु रोजाना कम से कम 15-20 मिनट व्यायाम अवश्य करें। इससे शरीर हृष्ट-पुष्ट होगा व चेहरे पर भी चमक आएगी।
- तैराकी एक अच्छा व्यायाम है इसलिए तैरना शुरू करें। सप्ताह में 5 दिन तैरने का नियम बनाएं।
- अगर आप शारीरिक रूप से पूरी तरह फिट हैं तो आपको बहुत अधिक खुराक की जरूरत नहीं होती। अपने एक समय के मुख्य भोजन में से अनाज को निकाल दें। इसकी बजाय दूध, सूप, दाल व सब्जियों का सेवन करें।
- अधिक मीठे पदार्थों का सेवन न करें। ये आपके फिगर के लिए ठीक नहीं हैं। इन्हें खाने से आपको मोटापा आ सकता है इसलिए इनका लोभ छोड़ दें।
- अगर आपके पास व्यायाम करने का समय नहीं हो तो कुछ हाथों द्वारा करने वाली एक्सरसाइज करें जिन्हें आप अपने काम के दौरान ही कर सकते हो।
- अधिक तले-भुने पदार्थ आपके फिगर को अनाकर्षक बनाने में सहायक होते हैं। अत: इनका सेवन कम से कम करें।
- बैठने, उठने व खड़े होने का सही ढंग अपनाएं। इससे भी फिगर पर असर पड़ता है।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ)

योजना क्रियान्वयन के लिए समय अच्छा व सकारात्मक परिणाम देने वाला बन रहा है। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। जीवन साथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। आत्मचिंतन करे। बिगड़ा कार्य बनेगा। शुभांक-5-7-9

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो)

व्यवसाय में प्रतिद्वंद्वी परेशान कर सकते है। समय व्ययकारी सिद्ध होगा। ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं। दिमाग में निर्मूल तर्क-कुतर्क पैदा होंगे। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शुभांक-4-6-8

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा)

लाभदायक कार्यों की चेष्टाएं प्रबल होंगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। धार्मिक यात्रा का योग बना है। शुभांक-5-7-9

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो)

सैर-सपाटे में समय व्यतीत होगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सबेरे ही निपटा लें। पुराने मित्र के कारण कार्य बाधा हटेगी। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। आर्थिक लाभ हेतु किये गए कार्यों का तत्काल प्रतिफल मिलेगा। शुभांक-2-5-8

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे)

अपने हितैषी ही पीठ पीछे नुकसान पहुंचाने की कोशिश करेंगे। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। किसी से वाद-विवाद अथवा कहासुनी होने का भय रहेगा। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। जल्दबाजी में कोई भूल संभव है। आय-व्यय की स्थिति समान्य रहेगी। शुभांक-1-3-5

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो)

बुरी संगति से बचे। आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। स्वास्थ्य मध्यम रहेगा। लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नही। दूसरों के कार्यों में अनावश्यक हस्तक्षेप न करें। निर्मूल शंकाओं के कारण मनस्ताप भी पैदा हो सकते है। भय तथा शत्रुहानि की आशंका रहेगी। यात्रा का योग बन रहा है। शुभांक-3-5-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते)

कारोबार के विस्तार का मानस बनेगा। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। मन प्रसन्न रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। शुभांक-3-5-8

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू)

नये-नये व्यापारिक अनुबंध होंगे। मित्रों से सावधानी रखें तो ज्यादा उत्तम है। व्यसनों का त्याग करें. संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। कामकाज में अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। हरि करे सो खरी इसीलिए पूरे मनोयोग से कार्य करें। शुभांक-6-7-8

धनु (ये यो भा भी भू धा फा ढा भे)

कार्यक्षेत्र में खुशनुमा माहौल बनेगा। मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा। कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी। लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने के प्रयास होंगे। परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। पैतृक सम्पत्ति से लाभ होगा। शुभांक-1-4-6

मकर (भे जा जी खी खू खे खो गा गी)

भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। शुभांक-4-6-7

कुंभ (गू गे गो सा सी सू से सो दा)

जीवनसाथी अथवा यार-दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा। एकाकी वृत्ति त्यागें। हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी। अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे। साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-4-6

मीन (दी दू थ झ ञ दे दो चा ची)

मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यों से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। परिवारजनों का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा। शुभांक-5-7-9

काकुरो पहेली - 2029

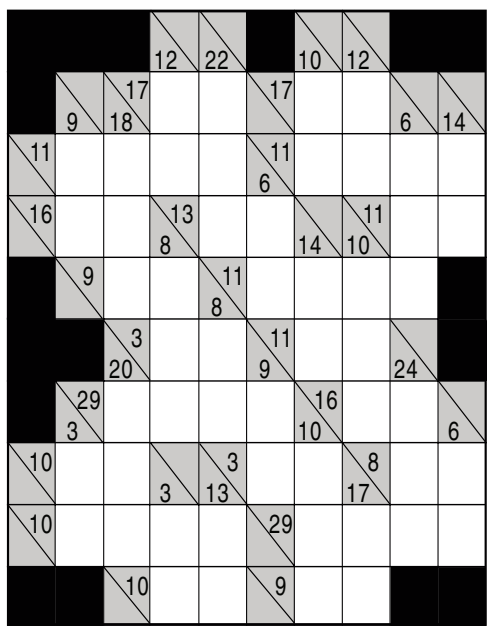

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए.किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः

काकुरो - 2028 का हल

लॉफिंग ज़ोन

प्रेमी पति (पत्नी को खुश करने के लिए बोला)- डार्लिंग! अब झगड़ा बंद भी करो, मैं शांति के साथ रहना चाहता हूँ।

पत्नी- हाँ-हाँ, तो जाओ ना। रहो तुम अपनी शांति के साथ...! मैं भी अब अपने रमन के साथ रहना चाहती हूँ।

□ □ □

प्रेमी (पत्नी से)- आज तुम्हें मेरा बाँसुरी बजाना बुरा लगता है, लेकिन एक दिन मेरे बाँसुरी बजाने पर ही रीझ कर तुमने मुझसे शादी की थी।

पत्नी गुस्से से बोली- हाँ... की थी, लेकिन बाँसुरी बजाने पर रीझ कर नहीं, बल्कि यह सोच कर शादी की थी कि जिस तरह तुम बाँसुरी में फूँक मारते हो, उसी तरह मेरे घर का चूल्हा भी अच्छी तरह फूँकोगे।

□ □ □

कवि (पत्नी से), ''तुम्हे पता होना चहिए कि मैं वीर रस का कवि हूं और लोग मेरे बारे कहते हैं कि मैं अपनी कविताओं से संसार में आग लगा सकता हूं।''

पत्नी, अब अपनी प्रशंसा करना बंद करें और प्लीज जरा चूल्हे में आग जला दें।

फिल्म वर्ग पहेली - 2029

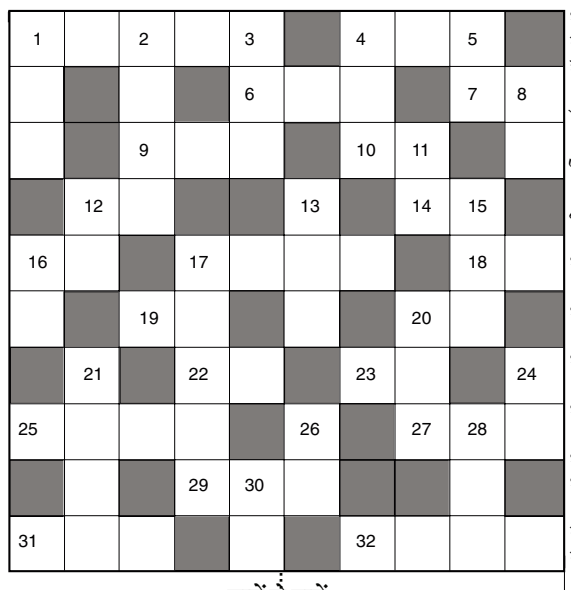

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, शशि, नीतू की 'एक रास्ता है जिंदगी' गीत वाली फिल्म-२,३
४. 'ये नैन डरे डरे' गीत वाली विश्वजीत, वहीदा रहमान की फिल्म-३
६. 'पहला पहला प्यार' गीत वाली सनी, तब्बू, रीमासेन की फिल्म-३
९. संजयदत्त, पूजा भट्ट की 'रहने को घर नहीं है' गीत वाली फिल्म-३
१०. 'कुछ लोग मुहब्बत करके' गीत वाली राजीव कपूर, डिम्पल की फिल्म-२
१२. अजय देवगन, ट्विंकल खन्ना की जोड़ी वाली पहली फिल्म-२
१४. 'डाकिया रोज गली पर' गीत वाली मिथुन, स्वाति, मानसी की फिल्म-२
१६. आमिर खान, माधुरी की 'हम प्यार करने वाले' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'थोड़ा है थोड़े की जरूरत' गीत वाली राकेश रोशन, बिंदिया की फिल्म-२,२
१८. अमिताभ, जया भादुड़ी की 'मैंने कहा फूलों से' गीत वाली फिल्म-२
१९. सनी देओल, सुनील शेट्टी, अजय जडेजा, सेलिना जेटली की फिल्म-२
२०. 'डकैत' में मीनाक्षी का नायक ?-२
२२. फिल्म 'परिंदा' में 'अन्ना' के चरित्र की भूमिका किसने की थी ?-२
२३. अमिताभ, जीनत की 'ई है बंबई नगरिया' गीत वाली फिल्म-२
२५. 'बीती ना बिताई रैना' गीत वाली जीतेंद्र, जया भादुड़ी की फिल्म-४
२७. जीतेंद्र, श्रीदेवी, जयाप्रदा की 'झोंपड़ी में चारपाई' गीत वाली फिल्म-३
२९. 'कितना बेचैन होके' गीत वाली आफताब, लिसा रे की फिल्म-३
३१. संजीव कुमार, राखी की 'मन मेरा तुझको मांगे' गीत वाली फिल्म-३
३२. 'तारे हैं बाराती' गीत वाली अनिल कपूर, तब्बू की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'कितना प्यारा वादा' गीत वाली फिल्म-३
२. सुनील, किशोर सायरा की फिल्म-४
३. सुनील शेट्टी, करिश्मा, रवीना, सोनाली की 'सुंदरा सुंदरा' गीत वाली फिल्म-३
४. 'देखा तुझे तो' गीत वाली फिल्म जिसमें शाहरूख ने गूँगे की भूमिका की थी-३
५. 'नजरें मिलीं दिल धड़का' गीत वाली संजयकपूर, माधुरी की फिल्म-२
८. अनिलकपूर, श्रीदेवी की 'कभी मैं कहूँ' गीत वाली फिल्म-२
११. 'अबके बरस ये हाल है' गीत किस म्यूजिक एलबम का है-२
१२. विश्वजीत, माला सिन्हा की 'मिजाजे गिरामी दुआ है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'टक टका टक' गीत वाली संजय कपूर, शिल्पा शेट्टी की फिल्म-३
१५. ऋषि, सनी, मीनाक्षी की 'बिन साजन झूला झूलूँ' गीत वाली फिल्म-३
१६. फिल्म 'शोला और शबनम' की नायिका-२
१७. जैकी श्राफ, संजयदत्त, माधुरी की 'पालकी में होके सवार' गीत वाली फिल्म-५
२०. संजय, विवेकमुशरान, मनीषा की फिल्म-३
२१. जीतेंद्र, नंदा की 'देखते ही तुझे मेरे दिलने कहा' गीत वाली फिल्म-४
२४. 'सजना साथ निभाना' गीत वाली राजेश खन्ना, बबीता की फिल्म-२
२६. लक्की अली, गौरी कार्णिक की फिल्म-२
२८. 'एक बेचारा प्यार का मारा' गीतवाली फिल्म-३
३०. मिलिंद, राहुल देव, नतान्या सिंह की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली - 2028

ए	क	रि	श्ता		जा	न	की	बा	जी
क		श्ते		आ	न		र्ति		व
बे	टा		ल		व	ध		कौ	न
चा		अ	व	ता	र		माँ		यु
श	जा	जी		ल		श		यु	द्ध
	नू	त	न		स	नी		गां	
क			म	ह	ल		अ	ध	र्म
वि	ना	श	क		मा	या		र	
ता		र्मि		शा		रा	ज		धुं
	मे	ला		दी	वा	ना		क्रो	ध

सूडोकु -2029

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु - 2028 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

शब्द पहेली - 2029

बाएँ से दाएँ

1. पवनपुत्र,हनुमान-3,3
5. मजार-4
8. बगीचा (अंग्रेजी में-2)
9. तहजीब,तमीज-3
10. सत्य,तेज-2
11. पतंगा-4
12. ईसाई साध्वी-2
14. इंकार करना-4
16. उत्तम,आदर्शवादी-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
20. पागलपन,सनक-5
23. पालन-पोषण-5
26. आनंद लेना-2,2
27. बेईमानी,अमानत में खयानत-3
29. अप्रधान,गौण-4
30. ठाठ-बाट-2
32. अति काला,एक प्रकार की लकड़ी-4
33. रहस्य-2
35. गरुड़ जो रावण से लड़ा था-3
36. कमरा,रूम-2
37. जल में रहने वाला-4
38. धर्म के उपदेश देनेवाला-6

ऊपर से नीचे

1. पलायन करने वाला-6
2. जंगल-2
3. दांत से छोटे टुकड़े करना-4
4. जिव्हा,जीभ-3
5. घर,भवन-3
6. यात्री गाड़ी-2
7. चौबीस घंटे का समय-4
11. परीक्षण करना-4
13. भीगा हुआ-2
15. खोजना-4
17. उपस्थिती-3
18. रोमांच,उद्वेग-4
19. संपत्ति-2
21. उचित,सही-3
22. पंख,पराया-2
24. देश निर्वासन-4
25. अंगरक्षक-3,3
27. हाथी-4
28. मद,सरूर-2
29. अनुसार,समान-4
31. निगाह,दृष्टि-3
32. हथियार-3
34. पानी,नीर-2
36. सिगरेट का धुआं खींचना,सुट्टा-2

शब्द पहेली -2028 का हल

उ	प	चा	र		नि		बि	रा	स	त
	र		घु		ग	द	र		ही	न
क			व	रा	ह		ह			हा
म	हा	वी	र		बा	ल		क	मा	ई
जो		रा		ना	न		श		ख	
र	म	णी	य	ता		भा	व	ही	न	ता
	न		म		ज	ल		ट		र
अ	का	ल		शू	ल		नी	र	व	ता
प			न		प्र	ख	र			र
रा	ल		म	हु	वा		स		मी	
ध	ड़	क	न		ह		ता	र	त	म्य

आरएसएस के नाम पर फर्जी पोस्ट के खिलाफ असम और दिल्ली की साइबर सेल में शिकायत दर्ज

एजेंसी

गुवाहाटी। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस), उत्तर असम प्रांत के नाम पर एआई से तैयार सोशल मीडिया पर एक फर्जी पोस्ट जारी किया गया है। इस मामले में आरएसएस के गुवाहाटी महानगर संचालक गुरु प्रसाद मेधी ने सोमवार को इस संबंध में गुवाहाटी स्थित असम साइबर सेल और नई दिल्ली के रोहिणी साइबर सेल में लिखित प्राथमिकी दर्ज कराई है। उन्होंने कहा है कि आरएसएस की छवि को लोगों के मन में खराब करने और लोगों को गलत दिशा में ले जाने के लिए किसी दुष्ट चक्र ने इस तरह की झूठी जानकारी वाला पोस्ट सोशल मीडिया पर शेयर किया है। इस प्रकार की झूठी जानकारी वाले पोस्ट के प्रचार से समाज की कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब और समाज की एकता-भाईचारे के प्रति खतरा पैदा हो सकता है। इसके खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने के लिए असम की क्राइम ब्रांच के साइबर सेल में लिखित शिकायत दर्ज कराते हुए आरएसएस की गुवाहाटी महानगर समिति ने पुलिस प्रशासन से कड़ी कार्रवाई की अपील की है। वहीं दूसरी ओर, इस मामले में नई दिल्ली के रोहिणी साइबर पुलिस चौकी में भी एक प्राथमिकी दर्ज करायी गयी है। नई दिल्ली के रोहिणी के सेक्टर 9, लाल ज्योति अपार्टमेंट निवासी अक्षय अग्रवाला ने रोहिणी सेक्टर 17 स्थित साइबर सेल पुलिस चौकी में 21 मार्च को एक प्राथमिकी दर्ज करायी है।

मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्था हैं: शिवराज

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि गुजरात के मुख्यमंत्री और अब देश के प्रधानमंत्री के तौर पर सरकार प्रमुख के रूप में नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 8,931 दिन पूरे कर लिए हैं। उन्होंने कहा कि मोदी सिर्फ एक व्यक्ति नहीं बल्कि एक विचार, एक संस्था हैं। दिन-रात काम करना और उनकी परिश्रम की परिकाष्ठा ने इसका एक ऐसा उदाहरण प्रस्तुत किया है कि मन गर्व और आनंद से भर जाता है। शिवराज ने भारतीय जनता पार्टी के मुख्यालय में संवाददाता सम्मेलन में कहा कि मोदी प्रधानमंत्री बने और इसके बाद देश के विकास के एक नए युग का प्रारंभ हुआ। मोदी के लिए राष्ट्र सर्वोपरि है। वो राष्ट्र के आराधक और जनता के सेवक हैं। यही उनके कार्यों की मूल प्रेरणा है। बीते दिनों की यादें ताजा करते हुए उन्होंने कहा कि जिस दिन उनकी माताजी का स्वर्गवास हुआ था, बेहद सादगीपूर्ण तरीके से अंतिम संस्कार संपन्न हुआ और हमने देखा कि जो प्रधानमंत्री मोदी का पूर्व निर्धारित कार्यक्रम था और वो रेलवे के उस कार्यक्रम में सम्मिलित होकर झंडी दिखा रहे थे। ये अपने आप में अद्भुत घटना है। उन्होंने कहा कि साल 2011, 2012, 2013 के वो काले दिन थे, जब चारों तरफ घोटालों का शोर सुनाई पड़ता था।

पश्चिम बंगाल-असम में भाजपा की जीत तय, तमिलनाडु में भी राजग सत्ता में आएगा : प्रह्लाद जोशी

बागलकोट। केंद्रीय खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री प्रह्लाद जोशी ने दावा किया है कि पश्चिम बंगाल और असम में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की जीत सुनिश्चित है। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल में ममता बनर्जी को हार का सामना करना पड़ेगा, जबकि असम में भाजपा फिर से सत्ता में आएगी। इसके अलावा, उन्होंने तमिलनाडु में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सत्ता में आने का भी भरोसा जताया। कर्नाटक के बागलकोट विधानसभा क्षेत्र के उपचुनाव में भाजपा उम्मीदवार वीरन्ना चरंतीमठ के समर्थन में आयोजित रोड शो के दौरान उन्होंने यह बयान दिया। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि इस राज्य में भी भाजपा के पक्ष में माहौल बन रहा है और पार्टी उपचुनाव में जीत हासिल करेगी। सार्वजनिक सभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल और असम में 'कट्टरपंथियों का खेल' समाप्त हो रहा है। साथ ही कर्नाटक में 'तुष्टिकरण की राजनीति' खत्म करने की जरूरत बताते हुए लोगों से कांग्रेस सरकार को सत्ता से हटाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि चुनावों में भाजपा के पक्ष में लहर दिखाई दे रही है और जनता का समर्थन पार्टी के लिए मजबूत आधार बनेगा। साथ ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जनकल्याणकारी योजनाएं और सरकार के विकास कार्य भाजपा की जीत सुनिश्चित करेंगे।

ओम बिरला ने श्रीलंकाई प्रतिनिधिमंडल से की मुलाकात, सहयोग और संबंधों पर दिया जोर

नई दिल्ली। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने श्रीलंका की संसद की मूलभूत ढांचा और सामरिक मुद्दों पर निगरानी समिति के अध्यक्ष एसएम मारिक्कर के नेतृत्व में आए संसदीय प्रतिनिधिमंडल से मुलाकात कर संसदीय सहयोग, द्विपक्षीय संबंधों और मूलभूत ढांचा क्षेत्र में साझेदारी को विस्तार देने पर जोर दिया। संसद भवन में मुलाकात के दौरान ओम बिरला ने कहा कि भारत और श्रीलंका के रिश्ते केवल पड़ोसी देशों के नहीं हैं, बल्कि साझा संस्कृति और विरासत से जुड़े आत्मीय संबंध हैं। भारतीय संसद का बजट सत्र देश के विकास से जुड़ी योजनाओं पर विस्तार से चर्चा का अवसर देता है, जहां सरकार के खर्च और नीतियों की गहन समीक्षा कर भविष्य की दिशा तय की जाती है। लोकसभा अध्यक्ष ने संसदीय समितियों को 'मिनी संसद' बताते हुए कहा कि इन समितियों में मुद्दों पर विस्तार से विचार-विमर्श कर ठोस और प्रभावी निर्णय तैयार किए जाते हैं। उन्होंने भारत-श्रीलंका संसदीय मैत्री समूह को द्विपक्षीय संबंधों में नई ऊर्जा देने वाला कदम बताया और सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया। बिरला ने कहा कि यह संवाद दोनों देशों के संसदीय संबंधों को नई ऊंचाई देगा और साझा प्रगति का मार्ग प्रशस्त करेगा। मुलाकात के दौरान दोनों पक्षों ने मूलभूत संरचना के क्षेत्र में सहयोग विस्तार पर भी सहमति जताई।

संजय राउत ने अपनी पुस्तक 'अनलाइकली पैराडाइज' का किया लोकार्पण, विपक्ष ने सरकार पर साधा निशाना

नई दिल्ली। शिवसेना (यूबीटी) नेता संजय राउत ने अपनी पुस्तक 'अनलाइकली पैराडाइज' का यहां संविधान क्लब में विमोचन किया। कार्यक्रम में विभिन्न विपक्षी दलों के वरिष्ठ नेताओं ने हिस्सा लिया और केंद्र सरकार की नीतियों तथा जांच एजेंसियों को लेकर आलोचना की। कार्यक्रम में पूर्व केंद्रीय मंत्री कपिल सिब्बल, आम आदमी पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल, टीएमसी संसद डेरेक ओब्रायन, कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह और आम आदमी पार्टी नेता संजय सिंह मौजूद रहे।

संजय राउत ने कहा कि यह पुस्तक उनके संघर्ष का हिस्सा है। मराठी भाषा में यह पुस्तक पिछले छह महीने से लगातार बिक रही है। यह केवल व्यक्तिगत अनुभव नहीं, बल्कि विपक्ष की सामूहिक लड़ाई को दर्शाती है। सत्तापक्ष ने विपक्षी नेताओं को निशाना बनाकर उन्हें

जेल में डालने का काम किया। निर्वाचित मुख्यमंत्रियों तक को जेल भेजा गया, लेकिन विपक्ष ने कभी झुकने का काम नहीं किया और लगातार संघर्ष जारी रखा। तृणमूल कांग्रेस के सांसद डेरेक ओब्रायन ने कहा कि एक समय ऐसा माहौल बन गया था जब कई नेता गिरफ्तारी की आशंका में जी रहे थे। संसद के दौरान रोज ऐसे लोगों से मुलाकात होती थी जो किसी भी समय जेल भेजे जाने की आशंका जता रहे थे। पूर्व केंद्रीय मंत्री और वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि यह पुस्तक जेल की वास्तविक परिस्थितियों को समझने का अवसर देती है। जांच एजेंसियां स्वतंत्र रूप से काम नहीं कर रहीं और उनका इस्तेमाल राजनीतिक उद्देश्यों के लिए किया जा रहा है। उन्होंने सभी विपक्षी दलों से एकजुट होकर न्यायालय में संयुक्त याचिका दायर करने की अपील की। आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने कहा कि देश में राजनीतिक परिस्थितियां बदल रही हैं और सरकार के प्रति असंतोष बढ़ रहा है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया और एजेंसियों के उपयोग को लेकर भी सवाल उठाए। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह ने कहा कि जांच एजेंसियां विपक्षी नेताओं पर दबाव बनाने का माध्यम बन गई हैं।

आंध्र प्रदेश में सोशल मीडिया पर आतंकी विचार वाली सामग्री प्रसारित करने में तीन संदिग्ध गिरफ्तार

एजेंसी

हैदराबाद। आंध्र प्रदेश पुलिस ने सोशल मीडिया पर कथित रूप से उग्रवादी विचारधारा का समर्थन करने और आतंकी नेटवर्क से जुड़े होने की आशंका में विजयवाड़ा से तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर तीनों से पूछताछ कर रही है।

एक पुलिस अधिकारी ने मंगलवार को इनकी गिरफ्तारी की पुष्टि की है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि खुफिया अधिकारियों ने एक संयुक्त अभियान में विजयवाड़ा के टू टाउन इलाके से रहमतुल्ला शरीफ (23), मिर्जा सोहैल बेग (23) और मोहम्मद दानिश (27) को गिरफ्तार किया गया है। इन लोगों पर एक धर्मविशेष की आतंकी विचार वाली सामग्री को सोशल मीडिया पर प्रचारित-प्रसारित करने का आरोप है। उन्होंने बताया कि तीनों संदिग्ध आरोपितों के संपर्क और उनकी गतिविधियों की जांच की जा रही है।

पुलिस अधिकारी ने बताया कि ईरान-इजराइल युद्ध को देखते हुए पुलिस और खुफिया एजेंसियां आजकल सोशल प्लेटफार्मों और अन्य ऑनलाइन गतिविधियों पर कड़ी निगरानी रख रही हैं। इसी दौरान ये लोग भी पुलिस के रडार पर आए हैं। प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि यह समूह देशभर में सक्रिय लगभग 10 सदस्यों के नेटवर्क का हिस्सा हैं, जो कथित रूप से युवाओं को प्रभावित कर उन्हें आतंकी गतिविधियों की ओर मोड़ने का प्रयास कर रहा था। पुलिस आरोपितों के आतंकवादी संगठनों से संभावित संबंधों और उनकी ऑनलाइन गतिविधियों की प्रकृति का पता लगाने के लिए जांच पड़ताल कर रही है। पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है।

तमिलनाडु चुनाव: राजग में सीटों का बंटवारा तय, भाजपा को 27 सीटें

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु विधानसभा चुनाव को लेकर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में सीटों के बंटवारे का फॉर्मूला तय हो गया है। चेन्नई स्थित अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (अन्नाद्रमुक) के मुख्यालय में आयोजित एक महत्वपूर्ण बैठक में इस समझौते पर अंतिम मुहर लगाई गई। बैठक में अन्नाद्रमुक के महासचिव और राज्य पूर्व मुख्यमंत्री एडप्पाडी के. पलानीस्वामी और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल मौजूद रहे। लंबे समय से चल रही बातचीत और कई दौर की बैठकों के बाद गठबंधन के प्रमुख दलों के बीच सहमति बनी।

कुल 234 सदस्यीय तमिलनाडु विधानसभा के लिए हुए इस समझौते के तहत अन्नाद्रमुक के नेतृत्व वाले गठबंधन में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) को 27 सीटें आवंटित की गई हैं। वहीं अंबुमणि रामदास के नेतृत्व वाली पाट्टाली मक्कल काची (पीएमके) को 18 सीटें और टी.टी.वी. दिनाकरन की अम्मा मक्कल मुनेत्र कड़गम (एएमएमके) को 11 सीटें दी गई हैं। अन्य सहयोगी

दलों के साथ सीटों के बंटवारे पर बातचीत जारी है। अन्नाद्रमुक नेता एडप्पाडी के. पलानीस्वामी ने इस मौके पर बताया कि शेष सहयोगी दलों के साथ बातचीत चल रही है और जल्द ही पूरी सीट साझेदारी की औपचारिक घोषणा की जाएगी।

वहीं भाजपा नेता तमिलिसाई सौंदरराजन ने गठबंधन को मजबूत बताते हुए भरोसा जताया कि यह गठबंधन आगामी चुनाव में जीत हासिल करेगा। इससे पहले केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल चेन्नई पहुंचे और राज्य भाजपा अध्यक्ष नयिनार नागेंद्रन के साथ अन्नाद्रमुक नेतृत्व से मुलाकात की। इसके बाद उन्होंने गठबंधन के अन्य प्रमुख नेताओं से चर्चा कर सीट बंटवारे पर अंतिम सहमति बनाई।

टीवी सेटों में सूक्ष्म सेट टॉप बॉक्स लगा हुआ मिलेगा, 450 चैनल मुफ्त देख सकेंगे

एजेंसी

नई दिल्ली। सरकार ने आज ऐसी तीन पहलों की शुरूआत की जिनके तहत देश में बनने वाले सभी टेलीविजन सेटों में अनिवार्य रूप से सेट टॉप बॉक्स लगा हुआ आएगा जिससे चार सौ से अधिक टीवी चैनल निःशुल्क देखे जा सकेंगे। राष्ट्रीय आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कौशल पहल के तहत कंटेट निर्माण करने वालों को 15 हजार लैब्स के माध्यम से कंटेट रचनात्मक ऑडियो विजुअल कंटेंट के निर्माण में एआई के प्रयोग का प्रशिक्षण कार्यक्रम के साथ-साथ प्रदर्शन के लिए डिजीटल प्लेटफॉर्म का शुभारंभ किया गया। रेल, सूचना प्रसारण, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां रेल भवन में आयोजित एक संक्षिप्त कार्यक्रम में माईवेब्स डिजिटल प्लेटफॉर्म, टीवी ट्यूनर एवं एडवांस ईपीजी तथा नेशनल एआई स्किलिंग इनीशिएटिव कार्यक्रमों का शुभारंभ किया। इस मौके पर सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू, प्रसार भारती के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गौरव द्विवेदी, यूट्यूब इंडिया एवं गूगल इंडिया के अधिकारी उपस्थित थे।

इस मौके पर अश्विनी वैष्णव ने कहा कि ये तीनों पहल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विज़न को बल प्रदान करतीं हैं जिसमें वह तकनीक एवं तकनीकी मंच के लोकतंत्रीकरण को आवश्यक बताते हैं। प्रधानमंत्री की सोच है कि सभी घरों में निःशुल्क उच्च गुणवत्ता वाला कंटेंट पहुंचे। उन्होंने कहा कि अब टेलीविजन पर विभिन्न चैनलों को देखने के लिए सेट टॉप बॉक्स लगाने की कोई जरूरत नहीं होगी। देश के सभी टेलीविज़न सेट विनिर्माताओं ने सैकड़ों टीवी सेट बाजार में उतार दिये हैं जिनमें सेट टॉप बॉक्स की जगह एक बहुत छोटा का टीवी ट्यूनर कार्ड लगा है और उससे करीब साढ़े चार सौ चैनल निःशुल्क देखे जा सकेंगे।

वैष्णव ने कहा कि इसी प्रकार से माईवेब्स डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से भारत में ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने की पहल को बल मिलेगा। भारतीय रचनात्मक प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईसीटी) के सहयोग से देश में 15000 लैब खोली जाएंगी जिनमें उद्योग, विद्यार्थी और आईआईसीटी, तीनों को एकसाथ लाकर गुणवत्तापूर्ण कंटेट क्रियेशन को बढ़ावा देने एवं उन्हें डिजिटल बाज़ार उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हाल में शुरू की गई क्रियेटर्स कॉर्नर की पहल सफल रही है तथा जल्द ही ऑडियो कंटेट बनाने वाले क्रियेटर्स के लिए आकाशवाणी एवं अन्य डिजीटल प्लेटफॉर्म्स पर मौका उपलब्ध कराया जाएगा। सूचना प्रसारण सचिव संजय जाजू ने कहा कि तीन मुख्य पहलें- नेशनल एआई स्किलिंग इनिशिएटिव, माईवेब्स प्लेटफॉर्म और टीवी ट्यूनर के साथ एडवांस्ड ईपीजी–सरकार के व्यापक लक्ष्यों के अनुरूप हैं। उन्होंने एआई स्किलिंग पहल में अपनी साझीदारी के लिए यूट्यूब और गूगल का आभार व्यक्त किया।

कृषि नवाचारों का महाकुंभ : राष्ट्रीय कृषि उदय एक्सपो-2026 का आगाज

एजेंसी

नई दिल्ली। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान मंगलवार को 'राष्ट्रीय कृषि उदय एक्सपो-2026' का दौरा करेंगे। केंद्रीय कृषि यंत्रीकरण एवं परीक्षण प्रशिक्षण संस्थान बुदनी में शुरु हुए इस कार्यक्रम में वे किसानों एवं कृषि उद्योग से जुड़े प्रतिनिधियों के साथ सीधा संवाद स्थापित करेंगे तथा उनकी समस्याओं, सुझावों एवं अनुभवों से अवगत होंगे।

इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य किसानों को उन्नत तकनीकों से जोड़ना, कृषि उत्पादकता में वृद्धि करना तथा कृषि क्षेत्र में नवाचार को प्रोत्साहित करना है। कृषि मंत्रालय के अनुसार कृषि मंत्री शिवराज सिंह के इस प्रस्तावित दौरे के दौरान अनेक महत्वपूर्ण एवं किसान-केंद्रित पहलों का क्रियान्वयन किया जाएगा। इस अवसर पर नई अत्याधुनिक प्रयोगशालाओं एवं उन्नत सुविधाओं का लोकार्पण किया जाएगा, जो कृषि अनुसंधान एवं प्रशिक्षण को नई दिशा प्रदान करेंगी। साथ ही, विभिन्न टूलकिट का वितरण किया जाएगा, जिससे उनकी कार्यक्षमता एवं उत्पादकता में वृद्धि होगी। पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देने हेतु वृक्षारोपण

प्रतिष्ठित संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे, जिससे तकनीकी सहयोग, कौशल विकास एवं नवाचार को प्रोत्साहन मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, किसानों को आधुनिक कृषि उपकरणों से युक्त कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। इसी क्रम में लगभग 5 हेक्टेयर क्षेत्र में स्थापित उन्नत 'पिवोट सिंचाई प्रणाली ' का उद्घाटन किया जाएगा, जो जल प्रबंधन एवं आधुनिक सिंचाई तकनीकों का उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत करेगा। यह तीन दिवसीय कृषि प्रदर्शनी किसानों, कृषि वैज्ञानिकों, उद्योग प्रतिनिधियों तथा विभिन्न संस्थानों के लिए आधुनिक कृषि तकनीकों, यंत्रीकरण एवं नवाचारों को समझने एवं अपनाने का एक प्रभावी मंच प्रदान कर रही है।

एक्सपो में आधुनिक कृषि यंत्रों, ड्रोन तकनीक, फसल प्रबंधन, प्रसंस्करण तकनीकों तथा कृषि यंत्रीकरण से संबंधित नवीनतम उपकरणों का प्रदर्शन किया जा रहा है। साथ ही, किसानों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, तकनीकी नवाचारों एवं स्वरोजगार के अवसरों के संबंध में विस्तृत जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। बड़ी संख्या में किसानों, उद्यमियों, विद्यार्थियों एवं विशेषज्ञों की सहभागिता के साथ यह एक्सपो कृषि क्षेत्र के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर सिद्ध हो रहा है।

गुरदासपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव का फैसला महत्वपूर्ण कदम: बिट्टू

एजेंसी

नई दिल्ली। रेल राज्यमंत्री रवनीत सिंह बिट्टू ने गुरदासपुर में वंदे भारत एक्सप्रेस के ठहराव के फैसले का स्वागत करते हुए इसे सीमा क्षेत्रों के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया। बिट्टू ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के नेतृत्व में लिया गया यह निर्णय सरकार की उस स्पष्ट सोच को दर्शाता है, जिसके तहत सीमावर्ती जिलों को सशक्त बनाने और वहां बुनियादी ढांचे को मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।बिट्टू ने कहा कि अमृतसर-श्री माता वैष्णो देवी कटरा वंदे भारत एक्सप्रेस (26405/26406) का गुरदासपुर में ठहराव शुरू होने से स्थानीय लोगों को बेहतर कनेक्टिविटी और सुविधा मिलेगी। इससे न केवल यात्रियों को लाभ होगा, बल्कि क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक विकास को भी गति मिलेगी।उन्होंने इस महत्वपूर्ण निर्णय पर गुरदासपुर के लोगों को हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं भी दीं।

क्रिकेटर रिंकू सिंह बनेंगे यूपी में रीजनल स्पोर्ट्स ऑफिसर, सीएम योगी देंगे नियुक्ति पत्र

एजेंसी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ से निकलकर देश और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर क्रिकेट के मैदान पहचाने बनाने वाले क्रिकेटर रिंकू सिंह अब क्रिकेट के साथ ही एक नए रोल में नजर आएंगे। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार उन्हें आज नौकरी देने जा रही है और राज्य के सीएम योगी आदित्यनाथ उन्हें क्षेत्रीय खेल अधिकारी का नियुक्ति पत्र सौंपेंगे। जहां वह खेल के विकास में प्रशासनिक जिम्मेदारी निभाएंगे। रिंकू सिंह यूपी के अलीगढ़ के एक छोटे से गांव के रहने वाले और यहीं से निकल उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई और देश और प्रदेश का नाम रोशन किया है। हालांकि पहले यूपी सरकार ने उन्हें राज्य में बेसिक शिक्षा अधिकारी के पद पर नियुक्त किया था। लेकिन उनकी शैक्षणिक योग्यता को लेकर विवाद हुआ तो राज्य सरकार ने नियुक्ति को कैंसिल कर दिया था और अब उन्हें खेल विभाग में क्षेत्रीय खेल अधिकारी के तौर पर नियुक्त करने

का फैसला किया। रिंकू सिंह के अलावा आज क्रिकेट, हॉकी, एथलेटिक्स और पैरालंपिक जैसे विभिन्न खेलों से जुड़े कुल 14 खिलाड़ियों को सीए योगी नियुक्ति पत्र देंगे। रिंकू सिंह ने घरेलू क्रिकेट में लंबे समय तक कड़ी मेहनत करने के बाद आईपीएल और अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी पहचान बनाई है। अगर बात रिंकू सिंह के जज्बे की करें तो हाल के दिनों में उनकी निजी जिंदगी में कई उतार-चढ़ाव आए हैं और उसके बाद भी वह खेल और टीम से जुड़े रहे। जिसकी सोशल मीडिया में जमकर तारीफ भी हुई

सपा सांसद से हो चुकी है सगाई

पिछले दिनों निजी जिंदगी को लेकर भी रिंकू सिंह सुर्खियों में रहे। उनकी शादी अब सपा सांसद प्रिया सरोज से होने जा रही है और पिछले दिनों उनकी सगाई हो चुकी है। इस सगाई समारोह में सपा प्रमुख अखिलेश यादव के साथ ही कई बड़े राजनीतिक चेहरे शामिल हुए थे।

इन खिलाड़ियों को भी मिलेगा नियुक्ति पत्र

आज होने जा रहे इस समारोह में सिर्फ रिंकू सिंह के अलावा हॉकी में प्रदेश का नाम रोशन करने वाले राजकुमार पाल को भी नियुक्ति पत्र दिया जाएगा। पाल को उत्तर प्रदेश पुलिस का डिप्टी एसपी बनाया जाएगा। इसके साथ ही पेरिस पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीतने वाले प्रवीण कुमार को भी डिप्टी एसपी,पैरालंपिक में रजत पदक जीतने वाले अजीत सिंह को जिला पंचायत राज अधिकारी,200 मीटर दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली सिमरन को भी इसी विभाग की जिम्मेदारी दी जाएगी तो 100 और 200 मीटर दौड़ में रजत पदक जीतने वाले प्रतीपाल को खंड विकास अधिकारी (बीडीओ) बनाया जाएगा।

भोपाल में प्रस्तावित सेना दिवस आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध परंपरा से जोड़ने का अवसर : राजेन्द्र शुक्ल

मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री शुक्ल से मिले थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी

एजेंसी

भोपाल। मध्य प्रदेश के उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि भोपाल में प्रस्तावित सेना दिवस आयोजन प्रदेशवासियों को भारतीय सेना की समृद्ध परंपरा, शौर्य और बलिदान से जोड़ने का एक महत्वपूर्ण अवसर होगा। इससे प्रदेश के युवाओं में सेना में शामिल होकर राष्ट्र सेवा करने की प्रेरणा भी मिलेगी।

उप मुख्यमंत्री शुक्ल अपने भोपाल स्थित निवास पर पहुंचे भारतीय सेना के अधिकारियों को संबोधित कर रहे थे। थल सेना प्रमुख जनरल उपेन्द्र द्विवेदी सैन्य अधिकारियों के साथ उप मुख्य मुख्य शुक्ल से सौजन्य भेंट के लिए उनके निवास पहुंचे थे। इस दौरान जनरल उपेन्द्र द्विवेदी ने आगामी वर्ष में भोपाल में आयोजित होने वाली सेना दिवस परेड के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने कहा कि यह आयोजन प्रदेश के लिए गौरव का विषय होने के साथ-साथ देशभक्ति, सैन्य सम्मान और जन-

भागीदारी की भावना को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाएगा। इस प्रकार के आयोजन सेना और नागरिक प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के साथ-साथ राष्ट्रीय एकता और गौरव की भावना को भी सुदृढ़ करेंगे।

थल सेना प्रमुख जनरल द्विवेदी ने बताया कि 15 जनवरी 2027 को भोपाल में भव्य सेना दिवस परेड आयोजित की जाएगी, जिसकी भव्यता और स्वरूप नई दिल्ली के कर्तव्य पथ पर आयोजित होने वाली गणतंत्र दिवस परेड के समान होगा। इस आयोजन के अंतर्गत परेड के साथ सैन्य प्रदर्शनी, सैन्य अभ्यास, शौर्य संध्या और विभिन्न आकर्षक गतिविधियों का आयोजन किया जाएगा। साथ ही सेवानिवृत्त सैनिकों का सम्मान भी किया जाएगा। बैठक में बताया गया कि कार्यक्रमों की शुरुआत 1 नवंबर 2026 को मध्य प्रदेश स्थापना दिवस से 'मेरी माटी अभियान' के अंतर्गत की जाएगी।

जनवरी 2027 में 7 से 12 जनवरी तक सैन्य प्रदर्शनी, 9, 11 एवं 13 जनवरी को परेड अभ्यास, 11 एवं 13 जनवरी को शौर्य संध्या अभ्यास तथा 11-12 जनवरी को बड़े तालाब में सैन्य गतिविधियां आयोजित होंगी। मुख्य परेड 15 जनवरी को प्रस्तावित मार्गों पर आयोजित की जाएगी, जबकि शौर्य संध्या और अन्य कार्यक्रम शहर के विभिन्न स्थलों पर संपन्न होंगे।

बैठक में लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन, लेफ्टिनेंट जनरल अरविंद चौहान, लेफ्टिनेंट जनरल रंजीत सिंह, मेजर जनरल विकास लाल, ब्रिगेडियर नितिन भाटिया, कर्नल सौरभ कुमार, सन्नी जुनेजा, राजेश बंडले तथा राज्य शासन के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे।

अनंत सिंह चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा पर कायम, दुलारचंद हत्या मामले में खुद को बताया निर्दोष

एजेंसी

पटना । बिहार के मोकामा क्षेत्र से विधायक अनंत सिंह सोमवार की शाम जेल से रिहा हुए हैं। इस रिहाई के बाद बाहुबली विधायक अनंत सिंह ने खुद को निर्दोष बताते हुए दुलारचंद यादव हत्या में फंसाने की बात कही। उन्होंने मंगलवार को चुनाव नहीं लड़ने की बात को भी दोहराई। विधायक अनंत सिंह मंगलवार को बड़हिया के लिए रवाना हुए। उनके साथ वाहनों का काफिला है। उन्होंने मीडिया से बातचीत में कहा कि घटना के समय वे मौके से करीब चार किलोमीटर दूर थे। उन्होंने साफ कहा कि हम निर्दोष हैं, हमें साजिश के तहत इस मामले में फंसाया गया है। पिछले साल बिहार विधानसभा चुनाव के दौरान दुलारचंद यादव की हत्या हो गई थी, जिसमें अनंत सिंह को गिरफ्तार कर लिया गया था। पटना उच्च न्यायालय से जमानत मिलने के बाद करीब चार महीने बाद वे जेल से रिहा हुए हैं। जेल से रिहा होने के बाद उनके समर्थकों में गजब का उत्साह है। मंगलवार को मीडिया से बातचीत में अनंत सिंह ने एक बार फिर चुनाव नहीं लड़ने की बात कही है।

पत्रकारों ने जब उनसे पूछा कि

क्या उनका बेटा चुनाव लड़ेगा, तो जवाब में उन्होंने कहा, 'वह जनता के बीच जाएगा। जनता का काम करेगा, तो वह चुनाव लड़ेगा।' कार्यकर्ताओं में उत्साह को लेकर उन्होंने कहा कि कार्यकर्ताओं में उत्साह तो रहेगा ही। इससे पहले राज्यसभा चुनाव के लिए भी जब अनंत सिंह जेल से विधानसभा मतदान करने पहुंचे थे, तभी उन्होंने ऐलान किया था कि अब वे आगे कोई चुनाव नहीं लड़ेंगे। उन्होंने कहा, 'यह मेरा आखिरी कार्यकाल है। अब मेरे बच्चे राजनीति में आगे बढ़ेंगे। '

उन्होंने कहा था कि नीतीश कुमार नहीं रहेंगे, तो वे चुनाव नहीं लड़ेंगे।

बिहार की राजनीति में अब चर्चा है कि अनंत सिंह के बेटे कब राजनीति में आते हैं। वैसे विधायक अनंत सिंह के चुनाव नहीं लड़ने की घोषणा के बाद मोकामा में राजनीतिक हलचल बढ़ गई है।

आईसीसीस टी20 इंटरनेशनल रैंकिंग में स्मृति मंधाना का जलवा बरकरार, हरमनप्रीत कौर और दीप्ति शर्मा को फायदा

दुबई (एजेंसी)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल की मंगलवार को ताजा महिला टी20 रैंकिंग जारी की है। इस रैंकिंग में स्मृति मंधाना ने अपना शानदार फॉर्म बरकरार रखते हुए दूसरे स्थान पर कब्जा बनाए हुए है। वहीं कप्तान हरमनप्रीत कौर और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा को भी रैंकिंग में हल्की बढ़त मिली है। हरमनप्रीत कौर आईसीसी महिला टी20 बल्लेबाज की ताजा रैंकिंग में 14वें स्थान पर पहुंच गईं। पहले वह 13वें स्थान पर थीं।

गेंदबाजी में स्पिन ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा एक स्थान ऊपर चढ़कर तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। दीप्ति शर्मा ऑलराउंडर रैंकिंग में भी तीसरे स्थान पर पहुंच गईं। बल्लेबाजी में स्मृति मंधाना के अलावा शैफाली वर्मा टॉप 10 में शामिल दूसरी भारतीय खिलाड़ी हैं। वह छठे नंबर पर काबिज हैं जबकि जेमिमा रोड्रिग्स संयुक्त रूप से 11वें स्थान पर हैं। ऑस्ट्रेलियाई ओपनर जॉर्जिया वोल पहली बार बल्लेबाजी रैंकिंग के शीर्ष 10 में शामिल हो गईं, जबकि न्यूजीलैंड की स्टार सोफी डिवाइन ने साउथ अफ्रीका के खिलाफ लगातार दो अर्धशतक की मदद से सूची में दो पायदान ऊपर चढ़कर 18वां स्थान हासिल किया।

वहीं रैंकिंग के इस ताजा अपडेट में वेस्टइंडीज में हुई सीरीज के पहले दो मुकाबलों को भी शामिल किया गया है। इसमें रवांडा की 15 साल की फैनी उटागुशिमानिंदे भी 66वें स्थान पर रैंकिंग में शामिल हो गईं। वह टी20 इंटरनेशनल डेब्यू पर सेंचुरी बनाने वाली पहली महिला और इस फॉर्मेट में शतक लगाने वाली दोनों में से सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बन गई हैं।

मियामी ओपन जैनिक सिनर ने तीसरे राउंड में जीत के साथ तोड़ा जोकोविच का रिकॉर्ड

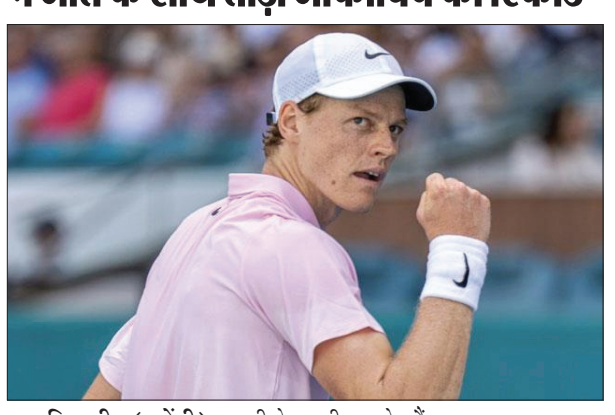

मियामी (एजेंसी)। इटली के टेनिस खिलाड़ी जैनिक सिनर ने मियामी ओपन में इतिहास रच दिया है। उन्होंने एकतरफा मुकाबले में कोरेंटिन मौटेट के खिलाफ 6-1, 6-4 से जीत दर्ज की। इस जीत के साथ सिनर ने एटीपी मास्टर्स 1000 स्तर पर लगातार 26 सेट जीतने का रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने इस मामले में सर्बिया के दिग्गज खिलाड़ी नोवाक जोकोविच को पीछे छोड़ दिया है। नोवाक जोकोविच के नाम एटीपी मास्टर्स 1000 में लगातार 24 सेट जीतने का रिकॉर्ड था। सिनर ने इससे पहले टूर्नामेंट के दूसरे राउंड में जीत दर्ज करते हुए जोकोविच के रिकॉर्ड की बराबरी की थी। मैच के बाद उन्होंने कहा कि वे अपनी फॉर्म से खुश हैं और हर मैच में ध्यान बनाए रखने की कोशिश कर रहे हैं। सिनर का यह सिलसिला पिछले नवंबर में पेरिस मास्टर्स से शुरू हुआ था, जहां उन्होंने बिना कोई सेट गंवाए खिताब जीता था। उन्होंने मार्च में भी शानदार फॉर्म को जारी रखा और पैरिबास ओपन में भी अपने दमदार प्रदर्शन को दोहराया। एटीपी की रिपोर्ट के मुताबिक, मियामी में अपनी दो जीत की वजह से सिनर अब लगातार 13 मास्टर्स 1000 मैच जीत चुके हैं। अब उनका अगला मुकाबला अमेरिका के युवा खिलाड़ी एलेक्स मिशेलसन से होगा, जिन्होंने एलेजांद्रो टैबिलो को हराकर अगले दौर में जगह बनाई है। सिनर का लक्ष्य 2017 में रोजर फेडरर के बाद 'सनशाइन डबल' हासिल करने वाले खिलाड़ी बनने का होगा। रैंकिंग की बात करें तो सिनर इस समय वर्ल्ड नंबर 1 की रेस में कार्लोस अल्काराज (स्पेनिश खिलाड़ी) के करीब पहुंचते जा रहे हैं। कार्लोस को रविवार को तीसरे राउंड में सेबेस्टियन कोर्डा के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था, जिसके बाद वह टूर्नामेंट से बाहर हो चुके हैं। एक अन्य मुकाबले में अमेरिका के फ्रांसेस टियाफो ने डिफेंडिंग चैंपियन जैकब मेंसिक को कड़े मैच में 7-6(4), 4-6, 7-6(11) से हराया। 28 साल के टियाफो मियामी में पांचवीं बार और 2022 के बाद पहली बार चौथे राउंड में पहुंचे हैं। दुनिया के 20वें नंबर के खिलाड़ी का अगला मैच फ्रांसीसी खिलाड़ी टेरेंस एटमेन से होगा, जिन्होंने कनाडाई टेनिस प्लेयर फेलिक्स ऑगर-अलियासिमे को 6-3, 1-6, 6-3 से हराया था।

यौन शोषण के आरोपों में घिरा आरसीबी खिलाड़ी आईपीएल2026 से बाहर

बेंगलुरु (एजेंसी)। डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (RCB) को इंडियन प्रीमियर लीग (IPL) 2026 से पहले एक बड़ा झटका लगा है। फ्रेंचाइजी ने मंगलवार को पुष्टि की कि तेज गेंदबाज यश दयाल निजी कारणों से पूरे टूर्नामेंट से बाहर रहेंगे। दयाल का ट्रेनिंग सेशन से बाहर रहना और टीम बस के पोस्टर पर उनकी तस्वीर का न होना, पहले ही उनके बाहर होने की अफवाहों को हवा दे चुका था। कई लोग सोच रहे थे कि आखिर यह गेंदबाज है कहां। अब RCB के क्रिकेट डायरेक्टर, मो बोबाट ने उनके बाहर होने से जुड़े सभी संदेहों को दूर कर दिया है।

बोबाट ने यह भी कहा कि भले ही दयाल टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं ले रहे हैं, फिर भी वह टीम के कॉन्ट्रैक्ट का हिस्सा बने रहेंगे। टीम मैनेजमेंट इस मुश्किल समय में भी खिलाड़ी का पूरा साथ देता रहेगा। उन्होंने कहा, 'तो, मैं बस यह पुष्टि करना चाहता हूं कि यश टीम के साथ नहीं जुड़ेंगे। जैसा कि आप जानते हैं, वह इस समय एक निजी मुश्किल दौर से गुजर रहे हैं। मैं यह भी साफ कर देना चाहता हूं कि हमने अब तक यश का पूरा साथ दिया है। इस बात का सबूत यह है कि जब हमारे पास खिलाड़ियों को रिटेन करने या रिलीज़ करने का विकल्प था, तब भी हमने यश को रिटेन किया था।'

उन्होंने आगे कहा, 'हम उन्हें रिटेन करना चाहते थे। वह अभी भी कॉन्ट्रैक्ट के तहत हैं और आने वाले कुछ समय तक कॉन्ट्रैक्ट में ही बने रहेंगे। हम उनसे लगातार संपर्क में हैं। मैंने आज उनसे पहले भी बात की थी, लेकिन यह तय किया गया है कि इस समय उनका हमारे साथ जुड़ना न तो उनके अपने हित में है और न ही फ्रैंचाइजी के हित में। हमारा समर्थन उनके साथ बना रहेगा, और वह अभी भी हमारे साथ कॉन्ट्रैक्ट में हैं; जैसे-जैसे वह अपनी निजी मुश्किलों से गुज़रेंगे, हम उनसे बातचीत जारी रखेंगे।'

दयाल, जिन्होंने हाल ही में एक निजी समारोह में सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर श्वेता पुंडीर से शादी की है, पिछले कुछ समय से कई बड़े विवादों के केंद्र में रहे हैं। कुछ महीने पहले उन्हें अग्रिम जमानत देने से मना कर दिया गया था क्योंकि वह एक ऐसे मामले में शामिल थे जिसमें उन पर कथित तौर पर एक नाबालिग लड़की के साथ बलात्कार करने का आरोप था। यह विवाद जुलाई 2025 में तब शुरू हुआ, जब उन पर शादी का झांसा देकर एक महिला का कथित तौर पर शोषण करने का आरोप लगाते हुए एक मुकदमा दायर किया गया। बाद में जयपुर में उनके खिलाफ POSCO एक्ट के तहत एक और मामला सामने आया। इस बीच, RCB IPL 2026 में अपने अभियान की शुरुआत 28 मार्च को बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में सनराइजर्स हैदराबाद (SRH) के खिलाफ करेगी।

हम केवल शामिल होने नहीं खिताब जीतने उतरेंगे : शुभमन

-अपने पर भरोसा होने के कारण बने रहते हैं शांत

अहमदाबाद (एजेंसी)। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मुकाबलों में कठिन हालातों में भी शांत बने रहते है। शुभमन से जब इसका राज पूछा गया तो उन्होंने कहा कि उन्हें अपने पर भरोसा है इसलिए व धैर्य से अपने अनुसार खेलते रहते हैं। इसके अलावा उन्हें अपनी टीम के साथ सुरक्षित महसूस होता है। गुजरात ने एक बार खिताब जीता है जबकि एक बार वह उपविजेता रही है ऐसे में अब शुभमन का लक्ष्य टीम को इस बार जीत दिलाना रहेगा। उनका कहन है कि हम केवल भाग लेने नहीं जीतने के इरादे से उतरेंगे।

गिल ने में कहा, 'मैं स्वयं जैसा हूं और मेरे खेल और अपने समूह में जो विश्वास और सुरक्षा है, उसी से मेरे खेल में संयम आता है।' गुजरात टाइटंस की टीम अपना पहला मुकाबला 31 मार्च को गत उपविजेता पंजाब किंग्स के खिलाफ खेलेगी। उसके बाद उसे 4 अप्रैल को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ खेलना है।

शुभमन ने कहा, 'किसी भी हालात में शांत रहने से ही खेल आगे बढ़ने पर जीत की संभावना बनी रहती है।।' उन्होंने कहा कि मुख्य कोच आशीष नेहरा से उन्हें ये सीखने को मिला है।

पिछले सत्र में गुजरात को एलिमिनेटर मुकाबले में मुंबई इंडियंस से हार का सामना करना पड़ा था। नेहरा ने कहा कि इस बार उनका ध्यान केवल खिताब जीतने पर रहेगा। उन्होंने कहा, 'इस सत्र में अलग तरह से सोचने की जरूरत नहीं है। वास्तव में, मुझे सोचने की जरूरत नहीं है, खिलाड़ी सोचते हैं। उन्हें खेलना है, मैं बाहर बैठा हूं।'

नेहरा ने कहा, 'पहले दिन से हमारी नीति साफ है। हम केवल शामिल होने नहीं जीतने के लिए यहां हैं। एक नई टीम के लिए यह सोचना आसान होता है कि इसमें समय लगेगा पर हमारा कभी भी ऐसा रवैया नहीं रहा।' गुजरात के लिए सकारात्मक पक्ष आशीष नेहरा जैसा कोच होना है जो टीम को लगातार बेहतर करने प्रेरित करते रहते हैं।

लखनऊ सुपर जायंट्स अपना पहला खिताब जीतने के इरादे से उतरेगी

-मध्यक्रम के कमजोर होने से शीर्ष क्रम पर रहेगा दबाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल के इस सत्र में ऋषभ पंत की कप्तानी में लखनऊ सुपर जायंट्स की टीम जीत के इरादे से उतरेगी। टीम अपने पिछले सत्र की गलतियों से सीखते हुए अपना पहला खिताब हासिल करना चाहेगी। टीम के लिए जीत दर्ज करना आसान नहीं रहेगा। इसका कारण है कि उसका मध्यक्रम कमजोर है हालांकि शीर्ष क्रम के साथ ही तेज गेंदबाजी अच्छी है। पिछले सत्र में टीम 14 में से केवल 6 ही मैच पायी थी और प्लेऑफ में भी नहीं पहुंच थी। इस बार प्रशंसकों को टीम से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी। निकोलसन पूरन और एडेन मार्करम के होने से लखनऊ का शीर्ष क्रम अच्छा है। मार्श और मार्करम ने पिछले सत्र में भी काफी बेहतर प्रदर्शन किया था पर टीम के मध्य क्रम में कमजोरी नजर आती है। ऐसे में कप्तान ऋषभ के ऊपर जिम्मेदार बढ़ जाती है। उन्हें देखना होगा कि किस प्रकार टीम अधिक से अधिक रन बनाये। उनका साथ आयुष बदोनी, अब्दुल समद और शाहबाज अहमद जैसे बल्लेबाज देंगे। होगा। वहीं दक्षिण अफ्रीका के उभरते हुए बल्लेबाज मैथ्यू ब्रीत्जके से भी लखनऊ टीम को आईपीएल 2026 में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

लखनऊ का मजबूत पक्ष उनकी अच्छी तेज गेंदबाजी है। उसके पास आवेश खान, मोहम्मद शमी, मयंक यादव और एनरिक नॉर्टजे जैसे बल्लेबाज हैं। युवा मोहसन खान और प्रिंस यादव पर भी लोगों की नजरें रहेंगी। स्पिन बॉलिंग की जिम्मेदारी दिग्वेश राठी के पास होगी। दिग्वेश ने पिछले सीजन अपनी गेंदबाजी से काफी प्रभावित किया था। लखनऊ को उम्मीद करनी होगी की श्रीलंकाई स्पिनर वानिंदु हसरंगा फिट हो जायें।। हसरंगा अगर पूरी तरह से फिट हो जाते हैं, तो टीम को काफी लाभ होगा।

वैभव सफल रहे तो रॉयल्स की जीत तय : अश्विन

मुम्बई । दिग्गज स्पिनर आर अश्विन ने उभरते हुए बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि अगर वह बड़ी पारी खेलता है तो राजस्थान रायल्स को जीत मिलनी तय है। वैभव ने गत वर्ष अपने पहले ही सत्र में आक्रामक बल्लेबाजी से सबको हैरान कर दिया था। अब उम्मीद है कि इस नये सत्र में वह और भी बेहतर बल्लेबाजी करेगा। वैभव ने अंडर-19 विश्वप में भी कई अच्छी पारियां खेली थीं जिससे भी उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। ऐसे में अश्विन कहा कहना है कि वैभव रॉयल्स के लिए किसी एक्स फैक्टर की तरह रहेगा। ऐसे में अगर वह क्रीज पर टिक गया तो रॉयल्स को बढ़े स्कारे स रोकना कठिन हो जाएगा। वैभव ने आईपीएल के अपने पहले सत्र में सात मैचों में 252 रन बनाते हुए 200 से अधिक के स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की थी। इससे उनकी आक्रामक शैली का अंदाज होता है। सबसे खास बात यह रही कि उन्होंने गुजरात टाइटंस के खिलाफ सिर्फ 35 गेंदों में शतक लगाया था। वह IPL इतिहास में सबसे तेज़ शतक लगाने वाले भारतीय बल्लेबाज़ हैं। अश्विन के अनुसार वह इस सीज़न में रॉयल्स के लिए मैच में अंतर ला सकते हैं। साथ ही कहा कि वह अभी अपने करियर के शुरुआती दौर में है, इसलिए उस पर ज़रूरत से ज़्यादा दबाव डालना सही नहीं होगा।

अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहता हूं : स्टोक्स

जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद बेहतर प्रदर्शन रहेगा लक्ष्य

लंदन। इंग्लैंड और वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज सीरीज में टीम की करारी हार के बाद भी कप्तान बेन स्टोक्स और ब्रेंडन मैकलम को उनके पद पर बनाये रखा है। इससे पहले माना जा रहा था कि एशेज सीरीज में मिली 4-1 की हार के बाद कोच और कप्तान को को हटा दिया जाएगा। वहीं बोर्ड से मिले समर्थन से उत्साहित स्टोक्स ने कहा है कि वह वह अभी टीम के लिए काफी कुछ करना चाहते हैं। जून में क्रिकेट सत्र शुरु होने के बाद उनका लक्ष्य और भी बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। स्टोक्स ने सोशल मीडिया में जारी एक बयान में, ' इंग्लैंड के क्रिकेट प्रशंसकों देश का कप्तान होना किसी भी खिलाड़ी के लिए सबसे बड़ा सम्मान होता है जिसे वह हल्के में इसे हल्के में नहीं लेते। साथ ही कहा कि कप्तानी करते हुए अच्छे और खराब दोनों ही प्रकार के अवसर आते हैं। इसमें कभी खुशी और कमी गम भी मिलता है। खेल आपको पूरी तरह से अपने अंदर समा लेता है और कभी-कभी ऐसा लगता है कि आपकी जिंदगी में बस यही एक चीज़ है।' उन्होंने माना, पिछले 3 महीने मेरी कप्तानी के सफर का सबसे कठिन समय रहा है, इसने मुझे कई अलग-अलग तरीकों से परखा है और मुझे भरोसा है कि हर दूसरा कप्तान भी इससे गुजरा होगा। इसके बाद भी मैकलम, रॉब की और मुझमें इस टीम को आगे ले जाने का जुनून और इच्छा है, हम आपको वह सब कुछ देंगे जो हमारे पास है, हम जानते हैं कि हमने रास्ते में गलतियां कीं और हमने उन गलतियों से काफी कुछ सीखा है, आप सफलता से ज्यादा असफलताओं से सीखते हैं। उन्होंने आगे कहा, मैंने अपने बारे में बहुत कुछ सीखा है पर सबसे जरूरी बात जो मैं प्रशंसकोंको बताना चाहता हूँ वह यह है कि मुझे क्रिकेट बहुत पसंद है, मुझे यह टीम बहुत पसंद है, मुझे इंग्लैंड का कप्तान बनना बहुत पसंद है और मुझे इस भूमिका में देने के लिए बहुत कुछ है और मैं बहुत खुश हूं कि मुझे कप्तानी का अवसर मिला।

बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए जारी किये दिशा निर्देश

-सभी खिलाड़ियों को करना होगा पालन

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने आईपीएल 2026 के लिए नये दिशा निर्देश जारी किये है। बोर्ड ने ये कदम इसलिए उठाया है जिससे खिलाड़ियों की मनमानी पर रोक लगायी जा सके। बीसीसीआई ने अपने नए आदेश में कहा है नये नियमों का पालन सभी को करना होगा। इसके तहत अब हर टीम के खिलाड़ी केवल टीम बस में ही यात्रा कर सकेंगे। इसके अलावा मैच के दिन किसी भी अभ्यास सत्र की अनुमति नहीं दी जाएगी। एक रिपोर्ट के अनुसार, बोर्ड ने मुंबई के वानखेड़े स्टेडियम में भी अलग इंतजाम किया है, जहां टीमों को मेन चौक के दोनों तरफ अभ्यास के लिए दो-दो विकेट दिए जाएंगे। इस दौरान कोई भी टीम विरोधी टीम को दिए गए अभ्यास विकेट का इस्तेमाल नहीं कर सकेगी। टीम मैनेजर्स को नये दिशा निर्देशों की प्रति भेज दी हैं।

इसमें कहा गया है कि टीमों को प्रैक्टिस

एरिया में 2 नेट और मेन स्क्वायर पर 1 साइड विकेट मिलेगा, जहां वे रेंज हिटिंग कर सकें। मुंबई वेन्यू के लिए, अगर दोनों टीमें एक ही समय पर अभ्यास कर रही हैं, तो हर टीम को 2 पिचें मिलेंगी। वहीं कोई भी ओपन नेट अलाउड नहीं होगा। अगर कोई टीम अपना अभ्यास जल्दी खत्म भी कर लेती है तब भी दूसरी टीम को उस पिच का इस्तेमाल करने की इजाजत नहीं होगी। मैच के दिनों में किसी अभ्यास की अनुमति नहीं होगी।मैच वाले दिन मेन चौक पर कोई फिटनेस टेस्ट नहीं होगा। अभ्यास के दौरान केवल मान्यता प्राप्त स्टाफ को ड्रेसिंग रूम और फील्ड ऑफ प्ले में आने की अनुमति रहेगी। खिलाड़ी के परिवार के सदस्य और दोस्त अलग गाड़ी में सफर कर सकते हैं और हॉस्पिटैलिटी एरिया से टीम का अभ्यास देख सकते हैं। एक्सटेंडेड सपोर्ट स्टाफ (थ्रो डाउन स्पेशलिस्ट/नेट बॉलर) के लिए सूची बोर्ड को मंजूरी के लिए भेजनी होगी। मंजूरी मिलने के बाद, नॉन-मैच डे एक्रेडिटेशन जारी किए जाएंगे। खिलाड़ी अभ्यास के लिए आते समय टीम बस का इस्तेमाल करेंगे। टीमें दो बैच में सफर कर सकती हैं।

इसके अलावा मैच के दिन के लिए भी दिशा निर्देश जारी किये गये हैं।

प्लेयर एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया से मान्यता प्राप्त स्टाफ के लिए मैच वाले दिन अपना एक्रेडिटेशन लाना जरूरी है। पहली बार एक्रेडिटेशन न लाने पर चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, टीम पर पैसे का जुर्माना लगाया जाएगा। हिटिंग नेट देने के बाद भी, खिलाड़ी एईडी बोर्ड पर हिट करते रहते हैं जिसकी अनुमति नहीं रहेंगी। खिलाड़ी और सहयोगी स्टाफ एलईडी बोर्ड के सामने न बैठें। लाड़ी औरेंज और पर्पल कैप पहनेंगे। प्रेजेंटेशन में फ्लॉपी और स्लीवलेस जर्सी पहनने की इजाजत नहीं है। ऐसा न करने पर पहली बार में चेतावनी दी जाएगी। दूसरी बार, पैसे का जुर्माना लगेगा। मैच के दिनों में केवल 12 एक्रेडिटेड सपोर्ट स्टाफ को ही इजाज़त होगी, जिसमें टीम डॉक्टर भी शामिल हैं। जर्सी नंबर में बदलाव की जानकारी एकदिन पहले देनी होगी।

अलेक्जेंडर ओवेचकिन ने आईस हॉकी में अपना एक 1000वां गोल दागा

वॉशिंगटन। वॉशिंगटन कैपिटल्स के अलेक्जेंडर ओवेचकिन रविवार को एनएचएल के रेगुलर सीजन और प्लेऑफ, दोनों को मिलाकर एक हजार गोल करने वाले दूसरे पुरुष आइस हॉकी खिलाड़ी बन गए। 40 साल के इस खिलाड़ी ने लीग में सबसे आगे चल रही टीम, कोलोराडो एवलांच के खिलाफ मैच के तय समय में 5-43 मिनट बाकी रहते हुए, एक पावर प्ले के दौरान यह ऐतिहासिक गोल किया। लेकिन इसके बावजूद वॉशिंगटन अतिरिक्त समय में 3-2 से हार गया। यह इस सीजन में ओवेचकिन का 26वां रेगुलर-सीजन गोल था और उनके करियर का कुल 923वां गोल था, जिससे उनका रिकॉर्ड और भी मजबूत हो गया। यह उपलब्धि उस समय के लगभग एक साल बाद हासिल हुई है, जब इस महान आइस हॉकी खिलाड़ी ने एनएचएल के इतिहास में सबसे ज्यादा गोल करने के मामले में वेन ग्रेट्स्की को पीछे छोड़ दिया था। तीन बार के ओलंपियन ओवेचकिन अब ग्रेट्स्की के कुल एनएचएल गोलों के रिकॉर्ड के और भी करीब पहुंच गए हैं। इस महान कनाडाई खिलाड़ी ने अपने करियर का समापन कुल 1,016 एनएचएल गोलों के साथ किया था- जिनमें से 894 गोल रेगुलर सीजन में और 122 गोल प्लेऑफ में किए गए थे। प्लेऑफ में किए गए गोलों का यह रिकॉर्ड आज भी ग्रेट्स्की के नाम पर ही दर्ज है। वॉशिंगटन कैपिटल्स को अभी रेगुलर सीजन के 11 मैच और खेलने हैं, और फिलहाल उनका रिकॉर्ड 35-27-9 का है। एलेक्स ओवेचकिन ने वेन ग्रेट्स्की के 31 साल पुराने एनएचएल करियर गोलों के रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

पाकिस्तान के फरहान को आईसीसी प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड मिला

दुबई। हाल में हुए टी20 विश्वकप में शानदार प्रदर्शन करने वाले पाकिस्तान के सलामी बल्लेबाज साहिबजादा फरहान को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने फरवरी माह का आईसीसी मेन्स प्लेयर ऑफ द मंथ अवार्ड दिया है। इसी के साथ ही फरहान नवंबर 2024 में हारिस रऊफ के बाद यह अवॉर्ड जीतने वाले दूसरे खिलाड़ी हैं। फरहान ने दो शतक के साथ ही आईसीसी टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा रन बनाए हैं। वह टूर्नामेंट के इतिहास में एक ही सत्र में दो शतक लगाने वाले एकमात्र खिलाड़ी हैं। फरहान इस पूरे टूर्नामेंट में पाक की ओर से रन बनाने वाले अकेले खिलाड़ी रहे। उन्होंने नामीबिया के खिलाफ ग्रुप स्तर के मुकाबले के अलावा श्रीलंका के खिलाफ शतक लगाया था। फरहान ने टूर्नामेंट में सबसे अधिक कुल 383 रन बनाये। उन्होंने कहा, 'आईसीसी टी20 विश्व कप में अवॉर्ड जीतना एक सुखद अहसास है। दुनियाभर के प्रशंसकों ने इससे देखा था जिससे इसमें अवार्ड जीतना खास रहा है।'

सैफ अंडर20 चैम्पियनशिप के लिए भारतीय टीम मालदीव पहुंची, पाकिस्तान से होगा पहला मैच

माल। भारत की अंडर 20 पुरुष फुटबॉल टीम सैफ चैम्पियनशिप में भाग लेने यहां पहुंच गई है और पहले मैच में बृहस्पतिवार को पाकिस्तान से खेलेगी। इस मैच के बाद ग्रुप बी में भारतीय टीम का सामना 28 मार्च को बांग्लादेश से होगा । दोनों मैच नेशनल स्टेडियम में खेले जाएंगे। ग्रुप ए में मालदीव, श्रीलंका, नेपाल और भूटान की टीमें हैं। दोनों ग्रुप से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल खेलेंगी जो एक अप्रैल को होगा। फाइनल तीन अप्रैल को खेला जाएगा। भारत के अंडर 20 मुख्य कोच महेश गवली ने कहा, 'यह काफी अहम और प्रतिष्ठित टूर्नामेंट है। सभी टीमें काफी प्रतिस्पर्धी है और हमें सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।'

भारतीय टीम – गोलकीपर : अल्साबित एसटी, प्रणव सुंदरमन, सूरज सिंह

डिफेंडर : बूंगसोन सिंह टी, जोडरिक अब्रांचेस, करीश सोराम, मालेमंगांबा सिंह थोकचोम, मोहम्मद कैफ, रोशन सिंह थांगजाम, उशाम सिंह , याइफारेम्बा चिंगाखाम

मिडफील्डर : अनिकेत यादव, डैनी मेतेइ लैशराम, गुरनाज सिंह ग्रेवाल, मोहम्मद अरबाश, रिषिकांता मेतेइ लैशराम, रिषि सिंह एन

फॉरवर्ड - उमंग दोडुम, प्रशान जाजो, रोहेन सिंह , विशाल यादव, सैमसन ए, तनबीर डे

थॉमस कप में भारतीय अभियान की अगुवाई करेंगे ऑल-इंग्लैंड के उपविजेता लक्ष्य सेन

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑल इंग्लैंड टूर्नामेंट में उपविजेता रहे लक्ष्य सेन अगले महीने होने वाले थॉमस कप बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारतीय पुरुष टीम की अगुवाई करेंगे जबकि पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधु और उभरती हुई स्टार उन्नति हुड्डा उबर कप में भारतीय चुनौती पेश करेंगे।

भारतीय बैडमिंटन संघ ने 2022 में थॉमस कप में ऐतिहासिक जीत दर्ज करने वाली टीम के खिलाड़ियों को काफी हद तक बरकरार रखा है। उसने 24 अप्रैल से तीन मई तक डेनमार्क के होर्सेंस में होने वाली प्रतियोगिता के लिए सेन, किदांबी श्रीकांत, एचएस प्रणय तथा सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की पुरुष युगल जोड़ी को टीम में बनाए रखा है। युवा शटलर आयुष शेट्टी को सीनियर स्तर पर लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद पहली बार टीम में जगह मिली है।

पुरुष टीम में 2022 की खिताब विजेता टीम के सदस्य एमआर अर्जुन की भी वापसी हुई है, जिन्होंने चोट से उबरकर नए खिलाड़ी हरिहरन अमसाकरुनन के साथ युगल टीम में जगह बनाई है। 2022 की युगल टीम के सदस्य ध्रुव कपिला भी टीम का हिस्सा हैं जबकि किरण जॉर्ज एकल में अतिरिक्त मजबूती प्रदान करेंगे। उबर कप में 2019 की विश्व चैंपियन सिंधु, शीर्ष युगल जोड़ी गायत्री गोपीचंद और ट्रीसा जॉली के साथ मिलकर भारत की चुनौती का नेतृत्व करेंगी।

भारतीय टीम पिछली बार सेमीफाइनल तक पहुंची थी और उसका लक्ष्य इस बार अपने इस प्रदर्शन में सुधार करना होगा। उन्नति हुडा के साथ देविका सिहाग, इशारानी बरुआ और किशोरी तन्वी शर्मा जैसी युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भी टीम में शामिल है। भारतीय बैडमिंटन संघ ने एक विज्ञप्ति में कहा, 'टीम का चयन 10 मार्च तक की बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग के आधार पर किया गया है, जिसमें शीर्ष पांच एकल खिलाड़ी और शीर्ष दो युगल जोड़ियां शामिल हैं। टीम संयोजन को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त खिलाड़ियों को भी शामिल किया गया है, जिनमें ध्रुव कपिला और तनीशा क्रास्टो जैसे खिलाड़ियों को युगल में उनके अनुभव के कारण टीम में जगह मिली है।'

भारतीय बैडमिंटन संघ के महासचिव संजय मिश्रा ने कहा, 'हमारी

दोनों टीमों में युवा और अनुभवी खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। सीनियर खिलाड़ी स्थिरता लाते हैं और युवा खिलाड़ी शानदार फॉर्म में हैं। उन्होंने दिखाया है कि वे इस स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर सकते हैं, जिससे हमें टूर्नामेंट में उतरने से पहले आत्मविश्वास मिलता है।' उन्होंने कहा, 'महिला टीम में देविका सिहाग का चयन इस साल की शुरुआत में थाईलैंड मास्टर्स में खिताब जीतने के बाद हुआ है, जबकि इशारानी बरुआ ऑरलियन्स मास्टर्स में सेमीफाइनल तक पहुंचने के बाद टीम में शामिल हुई हैं। तन्वी शर्मा और उन्नति हुड्डा का खेल लगातार बेहतर होता जा रहा है।'

भारतीय टीम इस प्रकार है

पुरुष : लक्ष्य सेन, आयुष शेट्टी, किदांबी श्रीकांत, एच.एस. प्रणय, किरण जॉर्ज, सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी, चिराग शेट्टी, हरिहरन अम्सकरुनन, एम. आर. अर्जुन, ध्रुव कपिला।

महिला: पीवी सिंधु, उन्नति हुडा, तन्वी शर्मा, देविका सिहाग, इशरानी बरुआ, ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद पुलेला, कविप्रिया सेल्वम, सिमरन सिंघी, तनीषा क्रास्टो।

डबल हीरो पीरियड ड्रामा फिल्म है धनुष की 'वेलपारी'

साउथ इंडस्ट्री में इन दिनों चर्चा है कि निर्देशक एस शंकर सा अपनी लंबे समय से अटकी ऐतिहासिक परियोजना 'वेलपारी' के लिए धनुष से संपर्क में हैं। हालांकि दोनों पक्षों की ओर से कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है, लेकिन इंडस्ट्री सूत्रों का दावा है कि डेट्स और अवेलिबिलिटी को लेकर शुरुआती स्तर पर बातचीत संभव है।

दो हीरो वाले नैरेटिव में मेकर्स रचेंगे बड़ा कैनवास

'वेलपारी' को शंकर का ड्रीम प्रोजेक्ट माना जा रहा है और इसे एक डुअल-हीरो पीरियड ड्रामा के रूप में डेवलप किया जा रहा है। इससे पहले रिपोर्ट्स में विक्रम और रणवीर सिंह के नाम प्रमुख पात्रों के लिए सामने आए थे, लेकिन बात आगे नहीं बढ़ी। अब चर्चा है कि शंकर ने धनुष की डेट्स के बारे में जानकारी ली है, जिससे अटकलें और तेज हो गई हैं। हाल ही में शंकर, धनुष की फिल्म 'डी55' के पूजा समारोह में शामिल हुए थे। 'DSS' को प्रोड्यूस कर रहे बैनर आर टेक स्टूडियोज, 'वेलपारी' को लेकर शंकर से बातचीत में हैं। हालांकि इसकी पुष्टि नहीं हुई है।

'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है कहानी

शंकर की यह फिल्म फेमस नॉवेल 'वीर युग नायकन वेलपारी' पर आधारित है, जिसे लेखक सु वेंकटेशन ने लिखा है। यह नॉवेल प्राचीन तमिल शासक वेलपारी के जीवन, शौर्य और अद्भुत दानवीरता का वर्णन करती है।

शंकर पहले भी सार्वजनिक मंचों पर नॉवेल के प्रति अपनी गहरी इच्छा जता चुके हैं और इसे 'गेम ऑफ थ्रोन्स' और 'अवतार' जैसे भव्य स्तर पर बनाने की इच्छा व्यक्त कर चुके हैं। दूसरी ओर, धनुष हाल ही में 'तेरे इश्क में' में नजर आए थे और अब 'कारा' की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। उनकी आगामी फिल्मों में 'डी55', 'डी56' और 'कलाम: द मिसाइल मैन और इंडिया' शामिल हैं। ऐसे में अगर 'वेलपारी' पर मुहर लगती है तो यह तमिल सिनेमा के सबसे महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट्स में से एक हो सकती है।

थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता

गुड़ी पड़वा का त्योहार महाराष्ट्र में धूमधाम से मनाया जाता है। यह त्योहार नए साल के स्वागत का प्रतीक है और नई उम्मीदें लेकर आता है। बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक, हर कोई इस दिन की खुशियों का हिस्सा बनता है। इस कड़ी में अभिनेत्री स्नेहलता वसईकर ने बातचीत में गुड़ी पड़वा के महत्व और अपने निजी अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि यह त्योहार उनके दिल के बहुत करीब है। बचपन में सुबह जल्दी उठकर गुड़ी लगाने की परंपरा, पारिवारिक मिलन और त्योहार की तैयारियां उनकी सबसे प्यारी यादें हैं।

स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा मुझे नए साल की नई उम्मीदें देता है। इस साल मेरे लिए गुड़ी पड़वा और भी खास है, क्योंकि यह पेशेवर रूप से मेरे लिए एक नया चरण लेकर आया है। मैं जल्द ही थ्रिलर शो 'वशीकरणम' में मुख्य किरदार सुमन के रूप में नजर आने वाली हूं। यह किरदार मेरे लिए चुनौतीपूर्ण और रोमांचक दोनों है।'' स्नेहलता ने कहा, ''गुड़ी पड़वा की तरह हर नई शुरुआत जीवन में सकारात्मक बदलाव और नए अवसर लेकर आती है। इस उत्सव का संदेश सिर्फ खुशियों का नहीं, बल्कि आशा और नए अनुभवों को अपनाने का भी है। यही सोच मैं अपने पेशेवर जीवन में भी लागू कर रही हूं। 'वशीकरणम' मेरे लिए सिर्फ एक नया शो नहीं है, बल्कि एक नए दौर की शुरुआत है, जिसे मैं उत्साह और समर्पण के साथ निभा रही हूं।'' स्नेहलता ने आगे कहा, ''थ्रिलर जैसे जॉनर में काम करना आसान नहीं होता। इस तरह के शो में अभिनय करते समय भावनाओं और एक्सप्रेशन पर मजबूत पकड़ होना बेहद जरूरी है। हर सीन को खास बनाने के लिए अभिनेता को पूरी तरह उस पल में डूबना पड़ता है। इस तरह के अनुभव से अभिनय में गहराई आती है और दर्शकों के लिए किरदार ज्यादा विश्वसनीय बनता है।''

स्नेहलता वसईकर मराठी फिल्म और टीवी इंडस्ट्री में लंबे समय से एक जाना-माना नाम हैं। उन्होंने कई क्षेत्रीय फिल्मों और शो में काम किया है और अपने अभिनय की वजह से दर्शकों के बीच खास पहचान बनाई है। उनके लिए 'वशीकरणम' शो टीवी में डेब्यू प्रोजेक्ट है।

वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' में नजर आएंगी खुशाली कुमार

फिल्म 'घुड़चढ़ी' में रवीना टंडन और संजय दत के साथ अभिनय कर चुकीं खुशाली कुमार अब फिल्मों के बाद जल्द ही ओटीटी पर अपना डेब्यू करने वाली हैं। यह सीरीज का दूसरा भाग होगा, जो ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होगा। फैशन और म्यूजिक वीडियो से शुरुआत करने वाली खुशाली अब फिल्मों और वेब सीरीज पर ज्यादा ध्यान दे रही हैं। खुशाली कुमार वेब सीरीज 'सपने vs एवरीवन' के सीजन 2 में नजर आएंगी। इस सीरीज में खुशाली 'तृप्ती' नाम की लड़की की भूमिका में नजर आएंगी। इस सीरीज को लेकर खुशाली काफी उत्साहित हैं। हाल ही में मुंबई में एक इवेंट में खुशाली ने इस प्रोजेक्ट के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए सपने सच होने जैसा लग रहा है। पहली बार ओटीटी पर काम करना उनके लिए बहुत खास और भावुक अनुभव है।

खुशाली कुमार कई फिल्मों में अभिनय कर चुकी हैं। उन्हें आखिरी बार संजय दत और रवीना टंडन की फिल्म 'घुड़चढ़ी' में देखा गया था। इसके अलावा वह 'धोखा: राउंड डी कॉर्नर', 'स्टारफिश',, 'डेढ़ बीघा जमीन' जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। इसके अलावा, उन्होंने टी-सीरीज के कई लोकप्रिय संगीत वीडियो जैसे 'मैनु इश्क दा', 'हाईवे स्टार', और 'रात कमाल है' में भी काम किया है।

'धुरंधर 2' की आड़ में रामगोपाल वर्मा ने नामी एक्टर्स पर साधा निशाना

गुरुवार को फिल्म 'धुरंधर 2' सिनेमाघरों रिलीज हुई, इसने पहले दिन ही 100 करोड़ क्लब में एंट्री मार ली। ऐसा करने वाली यह पहली भारतीय फिल्म है। रणवीर सिंह के करियर की भी यह सबसे बड़ी हिट बन गई है। फिल्म को आदित्य धर ने निर्देशित किया है। इस फिल्म को देखकर डायरेक्टर रामगोपाल वर्मा गदगद हैं। साथ ही वह बॉलीवुड के बाकी फिल्ममेकर्स और एक्टर को भी एक चेता रहे हैं। एक ट्वीट करते हुए पहले रामगोपाल वर्मा ने भारतीय सिनेमा के फिल्ममेकर्स को निशाने पर लिया। वह अपने ट्वीट में लिखते हैं, 'धुरंधर 2 उन सभी फिल्म निर्माताओं के लिए एक डरावनी फिल्म है जिन्होंने घटिया सिनेमा पर अपना करियर और दौलत बनाई। वो सिनेमा जो शोर-शराबे और मसाले से भरा हुआ, हमारे गले में जबरदस्ती उतारा गया था, अब जल्द ही वेंटिलेटर पर सांस लेने के लिए संघर्ष करता हुआ नजर आएगा।'

आगे ट्वीट में रामगोपाल वर्मा ने बिना नाम लिए बड़े एक्टर्स को भी लताड़ा है। वह ट्वीट में लिखते हैं, ' फिल्म 'धुरंधर 2' उन सभी फिल्म निर्माताओं को बुरी तरह डरा देगी जो आज भी स्टार्स को भगवान की तरह पूजते हैं। रणवीर सिंह की इस फिल्म ने उन सभी हीरोज को मार डाला है जो कभी खून नहीं बहाते, कभी दर्द महसूस नहीं करते हैं।' डायरेक्टर ने बॉलीवुड के उन हीरो को सर्कस का जोकर तक कह दिया है। रामगोपाल वर्मा ने अपने ट्वीट में कई और बातें कही हैं। लेकिन आखिरी में वह 'धुरंधर 2' के डायरेक्टर आदित्य धर को जमकर सराहते हैं। वह ट्वीट में लिखते हैं, 'फिल्म 'धुरंधर 2' सिर्फ एक मूवी नहीं है। यह एक फैसला है। आदित्य धर ने उस तरह के सिनेमा का सिर काट दिया है, जिसने दर्शकों की समझ का अपमान किया है। जिसने कहानियों की जगह भड़कीले और दिखावटी विजुअल्स को दिखाया, जिसने हीरो को भगवान और दर्शकों को भेड़ बना दिया।

इमेज के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

बॉलीवुड स्टार अक्षय कुमार ने अपनी कनाडाई नागरिकता पर खुलकर बात की है। इंडिया टुडे कॉन्क्लेव में अक्षय ने बताया कि उन्होंने कनाडा शिफ्ट होने का फैसला तब लिया था, जब उनकी बैक-टू-बैक 16-17 फिल्में फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय ने साफ किया कि वह देशभक्ति वाली फिल्में अपनी कोई खास इमेज बनाने के लिए नहीं करते हैं, बल्कि इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें वह विषय सही लगते हैं।

लगातार फिल्में फ्लॉप हुईं तो लिया था फैसला

अक्षय कुमार ने बताया कि उनके करियर में एक ऐसा दौर आया था जब उनकी 16-17 फिल्में लगातार फ्लॉप हो गई थीं। अक्षय के मुताबिक, मेरे पास काम तो था लेकिन सिर्फ 3-4 फिल्में बची थीं। उस वक्त मुझे लगा कि अब कुछ और करना चाहिए। मुझे कनाडा में काम मिल रहा था, तो मैंने वहां जाकर छोटा सा बिजनेस करने का प्लान बनाया था। इसी दौरान अक्षय ने कनाडा की नागरिकता ली और उन्हें वहां का पासपोर्ट मिल गया। अक्षय ने कहा की कमाल की बात यह रही कि मेरी जो 3 फिल्में रिलीज होने वाली थीं, वो तीनों ही हिट हो गईं। मुझे फिर से भारत में काम मिलने लग गया। मैंने अपने दोस्त से कह दिया कि मैं अब नहीं आ रहा हूं और भारत में ही रहूंगा। उस बीच मैं पासपोर्ट वाली बात भूल गया। मेरे लिए वह सिर्फ एक ट्रैवल डॉक्यूमेंट था।

इमेज बनाने के लिए नहीं करता देशभक्ति फिल्में

जब अक्षय से पूछा गया कि क्या 'केसरी' जैसी फिल्में उन्होंने नेशनलिस्ट हीरो की इमेज बनाने के लिए कीं? इस पर उन्होंने कहा, मैं जो भी काम करता हूं, अपनी इमेज बनाने के लिए नहीं करता। मैं बहुत काम करता हूं, लेकिन देशभक्त की इमेज बनाने के लिए नहीं। मैं वो काम करता हूं जो मुझे अच्छा लगता है। उन्होंने कहा कि लोगों को लगता है कि मैं ट्रोलिंग से बचने के लिए ऐसी फिल्में करता हूं, जबकि ऐसा नहीं है।

भारत में सबसे ज्यादा टैक्स भरा, फिर भी लोग बोलते हैं

ट्रोलिंग पर दुख जताते हुए अक्षय ने कहा, लोग मुझे कैनेडियन-कैनेडियन कहने लगे, तो मैंने पासपोर्ट ही बदल लिया। मुझे समझ नहीं आता कि लोग इतना क्यों बोलना चाहते हैं? वह सिर्फ एक पासपोर्ट था, जबकि मैं टैक्स भारत में भरता हूं। जब मैं कैनेडियन था, तब भी मैंने भारत में सबसे ज्यादा टैक्स भरा। मैंने कनाडा में कभी टैक्स नहीं भरा, लेकिन इसकी कोई बात नहीं करता।

2023 में मिली भारत की नागरिकता

अक्षय कुमार के पास लंबे समय तक कनाडा की नागरिकता रही, जिसके कारण उन्हें सोशल मीडिया पर काफी ट्रोल किया जाता था। साल 2023 में स्वतंत्रता दिवस के मौके पर अक्षय ने जानकारी दी थी कि उन्हें अब भारतीय नागरिकता और पासपोर्ट मिल गया है। इससे पहले वे कनाडाई नागरिक होने के कारण भारत में वोट भी नहीं डाल पाते थे।

बड़े पैमाने पर शिवाजी की कहानी को दिखाना चाहते हैं रितेश

रितेश देशमुख अपनी महत्वाकांक्षी फिल्म 'राजा शिवाजी' के साथ छत्रपति शिवाजी महाराज की कहानी को बड़े पर्दे पर लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। हाल ही में 'धुरंधर 2' के साथ फिल्म का टीजर दिखाया गया, जिसे देखने के बाद फैंस इस फिल्म के लिए और भी उत्साहित हो गए हैं। अभिनेता-निर्देशक रितेश देशमुख के लिए यह फिल्म सिर्फ एक सिनेमाई प्रयास से कहीं बढ़कर है। यह एक बेहद निजी सफर है, जो एक महाराष्ट्रीयन के रूप में उनकी जड़ों से जुड़ा है। उनका मानना है कि इस महान योद्धा राजा का किरदार निभाना उनके लिए गर्व और जिम्मेदारी की बात है।

छत्रपति शिवाजी महाराज आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं

वैरायटी से बात करते हुए रितेश देशमुख ने छत्रपति शिवाजी महाराज के प्रभाव के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि एक मराठी परिवार से होने के नाते, हम छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता की कहानियां पढ़ते और सुनते हुए बड़े हुए हैं। उनकी प्रासंगिकता आज की पीढ़ी में भी उतनी ही सच्ची है। मुझे नहीं लगता कि दुनिया में उनके जैसा कोई दूसरा है। मैं गुरुओं या देवताओं की बात नहीं कर रहा। मैं एक ऐसे राजा की बात कर रहा हूं, जो लगभग 350 साल पहले रहते थे, लेकिन आज भी लोग उनके लिए सब कुछ कुर्बान करने को तैयार हैं। वो आज भी लोगों को प्रेरित करते हैं। एक ऐसे राजा जिन्होंने एक अमर विरासत छोड़ी है, जो आज भी प्रेरणा देती है। फिल्म को लेकर रितेश देशमुख ने कहा कि 'राजा शिवाजी' एक मराठी द्विभाषी फिल्म है। हम अन्य भाषाओं में भी फिल्म बनाने की सोच रहे हैं। हमारा उद्देश्य इसे बड़े पैमाने पर बनाना है। अक्सर, मराठी फिल्में सीमित दायरे में ही बन पाती हैं। जनसंख्या के हिसाब से, महाराष्ट्र में लगभग 12 करोड़ लोग हैं, जिनमें से लगभग 10 करोड़ मराठी भाषी हैं। यह कई अन्य राज्यों या यहां तक कि देशों की जनसंख्या से कहीं अधिक है। हालांकि, बॉक्स ऑफिस के आंकड़े इसे नहीं दर्शाते। क्षमता तो है ही, जैसा कि 'सैराट' (2016), 'लाई भारी' (2014) या 'वेद' (2022) ने दिखाया है। मैं महाराष्ट्र की व्यावसायिक क्षमता का लाभ उठाना चाहता हूं। शिवाजी महाराज को पूरे भारत में पूजा जाता है। हम चाहते हैं कि लोग देखें कि राजा के निर्माण में क्या-क्या शामिल था और उनके बचपन पर किन-किन चीजों का प्रभाव पड़ा।

हम एक नए पहलू को बताने की कोशिश कर रहे हैं

फिल्म की कहानी और शूटिंग अनुभव को लेकर अभिनेता ने कहा कि कहानी उनके एक साक्षी होने से शुरू होती है। फिर उनके प्रश्न पूछने तक और अंत में उनके द्वारा अपने भविष्य के बारे में फैसले लेने तक जाती है। हम उनके व्यक्तित्व के एक बिल्कुल अलग पहलू की पड़ताल कर रहे हैं। यह जितनी ऐतिहासिक गाथा है, उतनी ही यह एक परिवार की कहानी भी है। एक पिता, एक पुत्र, एक पति और एक भाई की कहानी। उनका 50 साल की कम उम्र में ही निधन हो गया, लेकिन तब तक उन्होंने बहुत कुछ हासिल कर लिया था। मैं उनके जीवन को ढाई-तीन घंटे में समेटने की कोशिश कर रहा हूं।

1 मई को रिलीज होगी 'राजा शिवाजी'

रितेश देशमुख ने 'राजा शिवाजी' में न सिर्फ अभिनय किया है, बल्कि इसे निर्देशित भी किया है, कहानी भी लिखी है और प्रोड्यूस भी किया है। फिल्म में एक बड़ी स्टारकास्ट नजर आएगी, जिसमें संजय दत, अभिषेक बच्चन, जेनेलिया देशमुख, फरदीन खान, महेश मांजरेकर, भाग्यश्री और सलमान खान के नाम शामिल हैं।

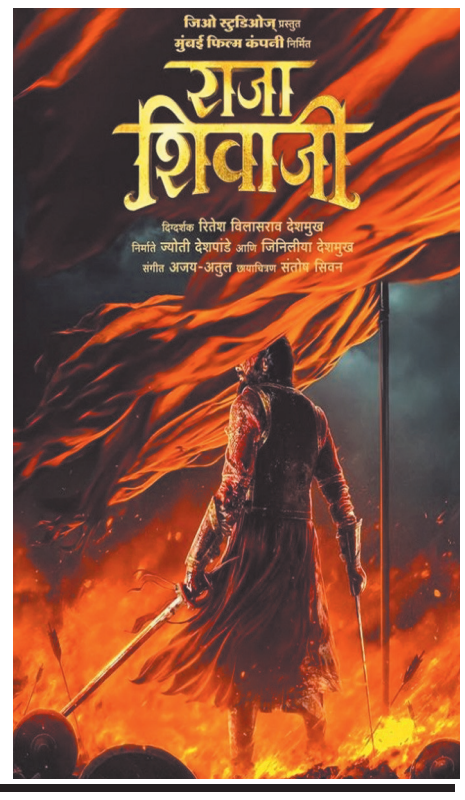

हल्के में ना लें छोटे बच्चों में सोशल एंग्जाइटी

12 से 36 महीने तक की आयु सीमा के दौरान एक बच्चे का भावनात्मक और संज्ञानात्मक विकास होने लगता है, जिसके कारण उनके सोशल स्किल्स भी डेवलप होते हैं। यह वह वक्त होता है, जब बच्चा घर से बाहर निकलता है। डेकेयर से लेकर प्ले स्कूल आदि में जाने लगते हैं। ऐसे में वह घर के सदस्यों के अतिरिक्त दूसरे बच्चों व व्यस्क लोगों से मिलते हैं। कभी-कभी इस अवस्था में बच्चे सोशल फीयर्स भी जन्म लेने लगते हैं। हो सकता है कि वह दूसरों के साथ सामाजिक संपर्क होने पर सहज महसूस ना करें। शुरूआती दिनों में नई जगह पर सेट होने में बच्चे थोड़ा समय लगता है, लेकिन अपरिचित लोगों को उसे घबराहट या एंग्जाइटी होती है तो ऐसे में जल्द से जल्द बच्चे की मदद करनी चाहिए, अन्यथा आगे चलकर उसे इस सोशल एंग्जाइटी के कारण कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। तो चलिए जानते हैं कि टॉडलरहुड में सोशल एंग्जाइटी को किस तरह दूर किया जाए-

बच्चे की मदद करने से पहले आपको उनमें होने वाली सोशल एंग्जाइटी के कारणों के बारे में भी जानना चाहिए। वैसे अभी तक यह पूरी तरह क्लीयर नहीं है कि इतनी छोटी उम्र के बच्चों में सोशल एंग्जाइटी का वास्तविक कारण क्या है। हालांकि इसके लिए अधिकतर मामलों में जेनेटिक्स को कारण माना जाता है, क्योंकि यह एक बच्चे के स्वभाव और व्यक्तित्व में योगदान देता है। इसके अलावा, एक बच्चे का वातावरण भी उन्हें सोशल एंग्जाइटी का शिकार बना सकता है। मसलन, अगर घर में पहले से ही कोई बड़ा बच्चा इस तरह की समस्या से पीड़ित हो तो छोटा बच्चा भी उसे देखकर काफी कुछ सीख जाता है। वैसे एक अध्ययन में यह भी पाया गया कि छोटे बच्चे अपनी मां से भी सोशल एंग्जाइटी बिहेवियर सीख सकते हैं। मां द्वारा अनजाने में ही अशाब्दिक संकेत बच्चे को यह सिखा सकते हैं कि अजनबी या अपरिचित व्यक्ति चिंता का एक स्रोत हैं।

यूं करें मदद

अब सवाल यह उठता है कि इतनी कम उम्र के बच्चों की आप किस तरह मदद कर सकती हैं ताकि उनकी सोशल एंग्जाइटी को कम किया जा सके।

- सबसे पहले तो पैरेंट्स घर में हेल्दी सोशल इन्टरैक्शन करें। इससे बच्चा देखता और सीखता है कि बाहरी दुनिया व अजनबी लोगों से बहुत अधिक डरने की आवश्यकता नहीं है।
- बच्चे को नए लोगों से घुलने-मिलने का मौका दें और उन्हें इसके लिए प्रोत्साहित करें। लेकिन कभी भी उसके साथ जबरदस्ती ना करें। इससे बच्चे पर विपरीत प्रभाव पड़ता है।
- अगर आपका बच्चा पहली बार बाहर जा रहा है तो ऐसे में पहले घर पर उसकी रिहर्सल करने से बच्चे के मन के डर को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मसलन, अगर आप उन्हें डेकेयर या प्ले स्कूल ले जा रही हैं तो पहले घर पर रोल प्ले करें। इससे बच्चे को स्कूल के माहौल की काफी जानकारी पहले ही हो जाती है।
- बच्चे की सोशल एंग्जाइटी को कम करने के लिए पहले खुद को शांत रखें। इससे बच्चे को लगता है कि नई जगहों पर जाना या नए लोगों से मिलने-जुलने में कोई डर नहीं है।
- बच्चे को लेकर ओवर-प्रोटेक्टिव ना हों। इससे उनका आत्मविश्वास बूस्ट अप नहीं होता। जिसके कारण वह अपने मन के डर को दूर नहीं कर पाते।
- अगर किसी भी उपाय से आपको पर्याप्त रूप से लाभ ना हो तो ऐसे में आप प्रोफेशनल हेल्प भी ले सकते हैं।

रसोई में रखी खाने की ये चीजें नहीं होती कभी खराब, लंबे समय तक कर सकते हैं स्टोर

बाजार से खाने-पीने की चीजें खरीदकर घर लाते ही सबसे पहले लोग उसे खराब होने से बचाने के लिए स्टोर करने का सही तरीका खोजते और अपनाते हैं। खाने-पीने की चीजें अक्सर जल्दी खराब हो जाती हैं, यही वजह है कि लोग उसे जल्दी खाकर खत्म कर देते हैं। पर क्या आप जानते हैं आपकी किचन में मौजूद खाने पीने की कई ऐसी चीजें हैं, जिन्हें उनके पोषण तत्वों के साथ लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है। आइए जानते हैं किचन में मौजूद ऐसी ही कुछ खाने की चीजों के बारे में जिनकी नहीं होती कभी एक्सपायरी।

सफेद चावल

सफेद चावल को अनिश्चित काल तक स्टोर करके रखा जा सकता है। एक शोध की मानें तो सफेद चावल 30 वर्षों तक अपने पोषक तत्व और स्वाद को बनाए रख सकते हैं।

सरसों के दाने

अगर आप अच्छे ब्रांड के सरसों दाने इस्तेमाल करते हैं तो खुला रहने के बावजूद आप इन्हें एक वर्ष से अधिक समय तक भी इस्तेमाल कर सकते हैं।

ड्राई बीन्स

अध्ययन के अनुसार, बीन्स का सेवन व्यक्ति 30 साल बाद भी खाने के लिए कर सकता है। बीन्स आपातकालीन भोजन के लिए प्रोटीन से भरपूर भोजन का एक बेहतर विकल्प माना गया है। बीन्स को अच्छी तरह से एयर टाइट कंटेनर में लंबे समय तक स्टोर किया जा सकता है।

चीनी

लंबे समय तक स्टोर की जाने वाली चीजों में चीनी का भी नाम शामिल है। चीनी भी लंबे समय तक अपने पोषण से भरपूर गुणों को खोए बिना स्टोर की जा सकती है। इसके लिए आप चीनी को किसी एयरटाइट कंटेनर में बंद करके लंबे समय तक के लिए रखें।

नमक

नमक को भी चीनी की ही तरह लंबे समय के लिए अपनी गुणवत्ता खोए बिना स्टोर किया जा सकता है। नमक को ठीक से स्टोर करने से न तो इसमें कभी गुलठियां पड़ती हैं और न ही कभी इसमें कीड़े लगते हैं।

बैचलर पार्टी के लिए खुद को इस तरह करें रेडी

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं।

वो जमाने लद गए, जब केवल पुरूष ही शादी से पहले बैचलर पार्टी किया करते थे। आज के दौर में लड़कियां भी बैचलर पार्टी करना पसंद करती हैं। जिसमें वह अपनी फ्रेंड्स के साथ मिलकर आखिरी बार अपने बैचलर हुड को एन्जॉय करती हैं। वैसे शादी से पहले की जाने वाली यह बैचलर पार्टी लड़कियों के लिए बेहद खास होती है और इसलिए वह इसकी काफी सारी तैयारियां भी करती हैं। इन सभी तैयारियों के बीच एक तैयारी यह भी होती है कि बैचलर पार्टी के लिए खुद को किस तरह रेडी किया जाए। तो चलिए आज हम आपको बैचलर पार्टी के लिए खुद को स्टाइल करने के कुछ तरीकों के बारे में बता रहे हैं-

फैशन एक्सपर्ट बताते हैं कि यह एक आसान तरीका है बैचलर पार्टी में खुद को तैयार करने का। इन दिनों बैचलर पार्टी में थीम पार्टी काफी चलन में हैं। मसलन, गर्ल्स की पजामा पार्टी आदि। ऐसे में पार्टी में शामिल होने वाली सभी लड़कियां नाइट सूट में नजर आ सकती हैं। इसके अलावा, अगर आप चाहें तो कोई कलर कोड या डेस कोड को भी अपनी पार्टी का हिस्सा बना सकती हैं। इससे सिर्फ आपको ही रेडी होने में आसानी नहीं होगी, बल्कि हर गेस्ट खुद को आसानी से स्टाइल कर पाएगा। साथ ही इसमें आप सभी को काफी मजा भी आएगा।

कंफर्ट को दें प्राथमिकता

बैचलर पार्टी वास्तव में ढेर सारी मौज-मस्ती करने के लिए होती है। इसलिए ऐसे में आप चाहे जो भी पहनें, लेकिन आपको यह सुनिश्चित करना होगा कि उसमें आप खुद को कंफर्टबल महसूस कर पाएं ताकि आप खुलकर एन्जॉय कर सके। जरा सोचिए कि अगर आपने बैचलर पार्टी के लिए हैवी लॉन्ग गाउन कैरी किया तो फिर आप पार्टी में खेले जाने वाले गेम्स को किस तरह एन्जॉय करेंगी। इसलिए आपका आउटफिट लाइटवेट और कंफर्टबल होना चाहिए। फैशन एक्सपर्ट के अनुसार, अपनी बैचलर पार्टी को रॉकिंग बनाने और उसमें अपने स्टाइल का जलवा बिखेरने के लिए आप अपने लुक में एक एक्स फैक्टर एड कर सकती हैं। अगर आपका कलर कोड या डेस कोड सेम नहीं है तो भी आप अपनी एसेसरीज को एक जैसा रखने की कोशिश करें। मसलन, आप किसी खास तरह के हेडबैंड या कैप्स आदि को अपने स्टाइल का हिस्सा बनाएं। इससे आप सभी फ्रेंड्स अलग-अलग दिखकर भी एक जैसी ही नजर आएंगी। यह देखने में काफी कूल लगेगा।

गर्मियों में इन्वर्टर का ऐसे रखें ख्याल

गर्मी के मौसम में जब आधी रात को अचानक से बिजली गुल हो जाए और इन्वर्टर भी खराब हो तो मानों कोई बहुत बड़ी विपदा आन पड़ी हो। ऐसी मुसीबत से लगभग हर कोई बचना चाहेगा। गर्मियों के मौसम में जगह-जगह घंटों तक बिजली का गुल होना आजकल आम बात है। कुछ शहरों में तो पूरे दिन बिजली का अता-पता नहीं रहता। ऐसे समय में लगभग सभी घर में इन्वर्टर का महत्व बहुत अधिक हो जाता है। लेकिन, कई बार इन्वर्टर और बैटरी खराब होने की वजह से गर्मी के मौसम में जान निकल जाती है। ऐसे में गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी का ध्यान रखना बहुत जरूरी हो जाता है। अगर आप भी घर में इन्वर्टर का इस्तेमाल करती हैं तो आपको भी इस आर्टिकल को जरूर पढ़ना चाहिए। क्योंकि, इस लेख में हम आपको कुछ शानदार टिप्स बताने जा रहे हैं जिन्हें फॉलो करके गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी को जल्दी खराब होने से आप बचा सकती हैं।

अधिक लोड न दें

अगर आपको इन्वर्टर और बैटरी को जल्दी खराब होने से बचाना है तो फिर आपको बैटरी पर अधिक लोड देने से बचना चाहिए। गर्मियों के मौसम में जरूरत से अधिक लाइट्स जलाने या पंखा चलाने से बचें। कई बार घर में लाइट नहीं होने पर महिलाएं इन्वर्टर से ही मिक्सी चलाने लगती हैं या फिर कई बार आयरन भी इन्वर्टर से ही करती हैं जिससे बैटरी जल्दी खराब हो जाती है। ऐसे में अगर आपको इन्वर्टर की बैटरी की हेल्थ को सही रखनी है तो उस पर अधिक लोड न दें। दिन में आप सभी लाइट्स को ऑफ कर सकती हैं।

एसिड लेवल चेक करते रहें

गर्मियों के मौसम में इन्वर्टर की बैटरी जल्दी खराब न हो इसके लिए समय-समय पर एसिड लेवल चेक करते रहना बहुत जरूरी है। कहा जाता है कि अगर बैटरी में एसिड लेवल सामन्य स्तर से कम है तो बैटरी में मौजूद कार्बन प्लेस्ट पर बुरा असर पड़ता है जिसकी वजह से बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। (सोलर इन्वर्टर की देखभाल) ऐसे में समय-समय पर बैटरी में डिस्टिल्ड वाटर को डालते रहना चाहिए, जिससे बैटरी की लॉन्ग लाइफ बरकरार रहे।

फुल चार्ज होने के बाद करें इस्तेमाल

लाइट नहीं होने पर इन्वर्टर का इस्तेमाल करते हैं और जब बैटरी एकदम से बैठ जाती है तो उसे फुल चार्ज होने में लगभग 5-6 घंटा लगता है। अगर फुल चार्ज होने से पहले ही इन्वर्टर की बैटरी का इस्तेमाल करते हैं तो बैटरी जल्दी खराब हो सकती है। कई बार फुल चार्ज नहीं होने पर वोल्टेज का प्रभाव भी कम रहता है। कई बार लाइट्स भी अप एंड डाउन होने लगती हैं। ऐसे में एक बार बैटरी बैठने के बाद जब तक फुल चार्ज नहीं हो जाए तब तक इन्वर्टर का इस्तेमाल न करें।

कनेक्शन पॉइंट की करें सफाई

आपको बता दें कि बैटरी में जिस जगह लाइट की तार जुड़ी होती है उस जगह कई बार कार्बन पकड़ लेता है जिससे बिजली का प्रभाव बहुत कम हो जाता है। ऐसे में सबसे पहले स्विच ऑफ करके कनेक्शन पॉइंट की सफाई कर लें। इस प्रक्रिया को महीने में एक से दो बार जरूर करें। इससे बैटरी जल्दी खराब होने से बच सकती है। कई लोग कनेक्शन पॉइंट को टर्मिनल पॉइंट भी बोलते हैं।

इन बातों का भी रखें ध्यान

- इन्वर्टर की बैटरी को किसी नमी वाली जगह रखने से बचें।
- बैटरी को दीवार, दरवाजा आदि चीजों से एक से दो इंच दूर ही रखें।
- अगर आपको सफाई करने या फिर एसिड बदलने में डर लगता है तो आप किसी एक्सपर्ट की मदद ले सकती हैं।
- बैटरी को किसी भी चीज से ढककर न रखें।

कुछ हल्का खाने का मन हो तो बनाएं कॉर्न पुलाव

कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें।

रविवार का दिन हो तो कुछ हल्का और टेस्टी खाने का मन करता ही है। दरअसल, छुट्टी के दिन हम सभी रिलैक्सिंग मूड में होते हैं और इसलिए किचन में बहुत अधिक वक्त बिताने का मन नहीं करता। हो सकता है कि आप भी यही सोच रही हों कि इस संडे क्या बनाया जाए। अगर आप भी कुछ हल्का और डिलिशियस खाना चाहती हैं तो कॉर्न पुलाव तैयार कर सकती हैं। चावल की मदद से बनने वाली यह डिश बनाने में जितनी आसान होती है, खाने में उतनी ही लाजवाब होती है। तो चलिए जानते हैं कि कॉर्न पुलाव बनाने के लिए आपको क्या करना होगा-

सामग्री- तीन चौथाई कप मकई के दाने उबले हुए, डेढ़ कप चावल करीबन आधे घंटे तक भिगोए हुए, 1 बड़ा चम्मच तेल, काली मिर्च 5-6, लौंग 4-5, दालचीनी एक छोटा टुकड़ा, हरी इलायची 3-4, 1 बड़ा चम्मच अदरक-लहसुन का पेस्ट, प्याज 1 मध्यम कटा हुआ, नमक स्वाद अनुसार, हल्दी पाउडर, हरी मिर्च तिरछी कटी हुई

विधि- कॉर्न पुलाव बनाना बेहद ही आसान है। इसके लिए आप पहले एक कुकर लें और उसमें एक बड़ा चम्मच तेल डालकर गर्म करें। अब इसमें लौंग, काली मिर्च, दालचीनी, हरी इलायची डालकर एक मिनट के लिए चलाएं। अब इसमें अदरक-लहसुन का पेस्ट डालकर हल्का भूनें। अब इसमें प्याज, हरी मिर्च व हल्दी डालकर चलाएं। प्याज गोल्डन कलर के हो जाने के बाद इसमें चावल डालें और करीबन दो मिनट के लिए हिलाएं। अब इसमें पानी और कॉर्न डालें। साथ ही स्वादानुसार नमक डालकर मिक्स करें। लिड लगाकर कुकर का ढक्कन बंद कर दें। धीमी आंच पर दो सीटी आने तक इसे पकाएं। कॉर्न पुलाव बनाने वालों का कहना है कि इसे कई तरीकों से बनाया जा सकता है। मसलन, आप इसमें कॉर्न के अलावा अपनी पसंद की सब्जी जैसे मटर, टमाटर, शिमलामिर्च, पनीर आदि को भी मिक्स करके इस कॉर्न पुलाव को और भी ज्यादा हेल्दी और टेस्टी बना सकते हैं। वैसे सिर्फ कॉर्न व प्याज के साथ भी इसका टेस्ट गजब का आता है।

शुभ है वास्तु के अनुसार बोनसाई रखना

समय के साथ लाइफस्टाइल में भी काफी बदलाव आ रहे हैं। कई लोग नेचर में सुकून ढूंढते हैं इसके लिए लोग घरों में पेड़ पौधें लगाने लगे हैं। इन दिनों बोनसाई के पेड़ काफी ट्रेंडिंग में चल रहे हैं। लोग इस छोटे से पेड़ को अपने घर में रखना पसंद कर रहे हैं। कोई अपने शौक के लिए इसे रख रहा है तो कोई प्रकृति प्रेमी होनी की वजह से। लेकिन वास्तु के अनुसार इस पेड़ को रखना शुभ माना गया है। तो आइए जानते हैं कारण -

- कहते हैं अगर आपको बहुत गुस्सा आता है या आप फ्रस्टेट हो जाते हैं तो इससे आपको बहुत शांति मिलती है।

जी हां, इसे घर में रखने से आपका मन शांत रहेगा और आपको प्रोडक्टिव रहने में भी मदद करेगा।

- बोनसाई के पौधे घर की हवा को प्यूरीफाई करते हैं। यह घर की हवा में मौजूद टॉक्सिन को बाहर करते हैं। इससे सांस लेने में आसानी होती है और हवा को शुद्ध करता है।
- इस पेड़ को घर में रखने से आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा। कई बीमारियों से आपको दूर रखता है। इतना ही नहीं यह आपके अंदर सकारात्मकता बढ़ाता है।
- कई बार लोग हड़बड़ी में कोई काम करके या निर्णय लेकर पछताते हैं। ऐसे में बोनसाई पेड़ आपकी मदद करेगा।ह आपको धैर्यवान, तनाव मुक्त रखेगा।